श्री



अथ

॥ विनयपत्रिका ॥

॥ तुलसीदासकृत ॥

प्रारंभ



शाके १७८१

सन १८५९



श्रीगणेशायनमः॥ रागबिलावल॥ गाइयेगणपतिजगवं
दन॥ शंकरसुमनभवानीनंदन॥ टेक॥ सिद्धिसदनगज-
वदनविनायक॥ कृपासिंधुसुंदरसबलायक॥ मोदकप्रिय
मुदमंगलदाता॥ विद्यावारिधिबुद्धिविधाता॥मांगततुलसी
दासकरजोरे॥बसहिरामसियमानसमोरे॥१॥ दीनदयाल
दिवाकरदेवा॥ करैमुनिमनुजसुरासुरसेवा॥ टेक॥ हिमत-
मकरिकेहरिकरमाली॥दहनदोषदुखदुरितरुजाली॥ कोक
कोकनदलोकप्रकासी॥तेजप्रतापरूपरसरासी॥ सारथीपं-
गुदिव्यरथगामी॥ हरिशंकरविधिमूरतिस्वामी॥ वेदपुराणप्र
गटजसजागे॥तुलसीरामभक्तिवरमांगे॥२॥ रागधनासि
री॥ कोजांचियेशंभुतजिआन॥ दीनदयालभगतआरतहर
सबप्रकारसमरथभगवान॥टेक॥ कालकूटतेजरतसुरासु
रनिजजनलागिकियोविषपान॥दारुणदनुजजगतदुःख-
दायकजारेउत्रिपुरएकहीबान॥जोगतिअगममहामुनिदु
र्लभकहतसंतश्रुतिसकलपुराण॥ सोइगतिमरणकालअ
पनेपुरदेतसदाशिवसबहीसमान॥सेवतसुलभउदारकल्प
तरुपारवतीपतिपरमसुजान॥देहुरामपदनेहकामरिपुतु
लसीदासकहकृपानिधान॥३॥ धनाश्रीदानीकहूशंकरसम
नाहीं॥दीनदयालदियोइभावेजांचकसदासुहाहीं॥टेक॥
मारिकैमारथपोजगमेंजाकिप्रथमरेखभटमाहीं॥ताठाकु
रकोरिझिनेवाजिवोकहिक्योंपरतमोपाहीं॥ जोगकोटिकरि
जातिहरिसोंमुनिमागतसकुचाहीं॥ वेदविदिततेहिपदपु-

रारिसुरकिदपतंगसमाहि ॥ ईशउदारउमापतिपरिहरिअपन तजेजाचनजाहि ॥ तुलसीदासतेंमुदमागनेवहूनपेदअघा- हीं ॥ ४ ॥ बावरोरावरोनाहभवानी ॥ दानिबड़ोदिनदेतदियोंवि नुवेदबडाईभानी ॥ टेक ॥ निजघरकीवरबातविलोकहुहोंतु मपरमसयानि ॥ शिवकीदयासंपदादेखनश्रीसारदासिहानि ॥ जिनकेभाललिखीलीपिमेरीसुखकीनहींनीशानी ॥ तिनरं कनकोनाकसवारतहोंआयोनकवानी ॥ दुखदीननतादुखी इनकेदुखजाचकताअकुलानी ॥ यहअधिकारसोंपियअ बरहिमीखभलीमेंजानी ॥ प्रेमप्रशंसाविनयव्यंगिजुतसु निविधिकीबरवानी ॥ तुलसीमुदितमहेसमहेसमनहिमन जगतमातुमुसकानी ॥ ५ ॥ रागरामकलि ॥ मागियेगि- रिजापतिकासी ॥ जासुभवनअनिमादिकदासी ॥ अवढर दानिद्रवतसुविथोरे ॥ सकतनदेखिदीनकरजोरे ॥ सुखसं पतिमतिसुगतिसुहाई ॥ सकलसुलभशंकरसेवकाई ॥ ग यजेसरनआरतकेलीन्हे ॥ निरखिनिहालनिमीषमहकीन्हे ॥ तुलसीदासजाचकगुणगावे ॥ विमलभक्तरघुपतिकीपा वे ॥ ६ ॥ कसनदिनपरद्रवहुउमावर ॥ दारूणविपतिहरण करूणाकर ॥ वेदपुराणकहतउदारहर ॥ हमरिबेरकसभ येहुकृपीनतर ॥ कवनभक्तिकीनीगुणनिधिद्विज ॥ होइ प्रसन्नदीनेउसिवपदनिज ॥ जोगतिअगममहामुनिगा वहि ॥ तबपुरकीटपतंगउपावहि ॥ देहुकामरिपुरामचर णरति ॥ तुलसिदासप्रभुहरहुभेदमति ॥ ७ ॥ देवबडेदाता

वडेसंकरवडेमोरे॥ कियेदूरिदुखसवनिकेजिन्हजिन्हकरजो
रे॥ सेवासुमिरनपूजिवोपातअखतथोरे॥ गांववसतवाम
देवमेंकवहूनानिहोरे॥ अधिभौतिकबाधाभईतेकिंकरतोरे॥
वेगिवोलिवरजिएकरतूतिकठोरे॥ तुलसीदलिरूधाचहैस-
ठसाकसिहोरे॥ ८॥ शिवशिवहोइप्रसन्नकरुदाया॥ करु-
णामयउदारकीरतिवलिजाहुहरहुनीजमाया॥ जलजनयन
गुणअयनमयनरिपुमहिमाजानतकोई॥ विनुतवकृपारा-
मपदपंकजसपनेहुभक्तिनहोई॥ रिषयसिद्धमुनिमनुजद
नुजसुरअपरजीवजगमाही॥ तवपदविमुखपारनपावकौ
उकल्पकोटिचलिजाहिं॥ अहिभूखनदूषनरिपुसेवकदेव
देवत्रिपुरारी॥ मोहनिहारदिवाकरशंकरसरणशोकभय-
हारी॥ गिरिजामनमानसमरालकाशीसमसाननिवासी॥
तुलसिदासहरिचरणकमलहरदेहुभक्तिअविनाशी॥ ९॥

॥रागधनाश्री॥ देवमोहतमतरणिहररुद्रशंकरशरण-
हरणममशोकलोकाभिराम॥ बालशशीभालसुविशाल-
लोचनकमलकामशतकोटिलावण्यधाम॥ १॥ देवकुंदकुं
देंदुकर्पुरविग्रहरुचिरतरुणरविकोटितनतेजभ्राजे॥ भस्म
सर्वांगअर्द्धांगशैलात्मजाव्यालनृकपालमालविराजे॥ २॥
देवमौलिसंकुलजटामुकुटविद्युल्लटातटिनिवरवारिहरिचरण
पूत॥ श्रवणकुंडलगरलकंठकरुणाकंदसच्चिदानंदवंदेव
धूतं॥ ३॥ देवसूलशायकपिनाकासिकरसत्रुवनदहनइव
धूमध्वजवृषभजानं॥ व्याघ्रगजचर्मपरिधानविज्ञानघन

सिद्धसूरसुनिमनुजसेव्यमानं॥४॥देवतांडवीतनृत्यपरडम
रूडीमडिमप्रवरअसुरइव भातिकल्यानसर्सी॥महाकल्पांत
ब्रह्मांडमंडलदवनभवनकैवल्यआशीनकासी॥५॥देवतत्त्व-
सर्वज्ञयज्ञेशअच्युतविभोविश्वभवदंशसंभवपुरारी॥ब्रह्मे
इन्द्रचंद्रार्कवरुणाग्निवसुमरुतजमअर्चभवदंघ्रिसर्वाधिका
री॥६॥देवअकलनिरूपाधिनिर्गुणनिरंजनब्रह्मकर्मपथमे
॥अखिलविग्रहउग्ररूपासिवभूपसुरसर्वगत
॥७॥देवज्ञानवैराग्यधनधर्मकैवल्यसुखसु
भगसौभाग्यशिवसानुकुलं॥तदपिनरमूढआरूढसंसार
पथभ्रमतभवविमुखतवपादमूलं॥८॥देवनष्टमतिदुष्टअ
तिकष्टरतखेदगतदासतुलसीशंभुसरणआया॥देहिका
मारिश्रीरामपदपंकजेभक्तिमनवचनगतभेदमाया॥९॥
॥१०॥ देवभीषणाकारभैरवभयंकरभूतप्रेतप्रमथाधिपति
विपतिहर्त्ता॥मोहमुषकमार्जारसंसारभयहरणतारणअ
भयकर्त्ता॥१॥देवअतुलबलविपुलविस्तारविग्रहगौरअ
मलअतिधवलधरणिधराभ॥शिरसिसंकुलितकलकूट-
पिंगलजटापटलसतकोटिविद्युच्छटाभं॥२॥देवभ्राजविबु
धापगाआपपावनपरममौलिमालेवशोभाविचित्रं॥ललि
तलल्लाटपरराजरजनीसकलकलाधरनौमिहरधनदमि
त्रं॥३॥देवइंदुपावकभानुनयनमर्दनमयनज्ञानगुनअय
नविज्ञानरूपं॥रवनगिरिजाभवनभूधराधिपसदाश्रव
णकुंडलवदनछबिअनूपं॥४॥देवचर्मअसिसूलधरड

मरूसायकच्चापजानदृषभेशाकरूनानिधान॥ जरतसुरअ्म
सुरनरलोकशोकाकुलंमृदूलचितअ्मजितकृतगरलपानं॥
॥५॥ देवभस्मतनभूषणव्याघ्रचर्मांबरंउरगनरमोलिउरमा
लधारि॥ डाकिनीखेचरीभूचरीजंत्रमंत्रभंजनअबलकल्म
षारी॥६॥ देवकालअ्मतिकालकलिकालव्यालादखगत्रिपु
रमर्दनभीमकर्मभारि॥ सकललोकांतकल्पांतसूलाग्रकृत-
दिग्गजाव्यक्तगुणनृत्यकारी॥७॥ देवकारि॥ पापसंताप
घनघोरसंसृतिदिनभ्रमतजगजोननहिकोपित्राता॥ पाहि
भैरवरूपसमरूपीरुद्रबंधुजनकजननिविधाता॥ पश्यगुण
गणगणतीविमलमतिसारदानिगमनारदप्रमुखब्रह्मचारी
॥शेषसर्वेश आसीन आनंदवनदासतुलसीप्रणतत्रासहा-
री॥८॥ देवसदाशंकरसंप्रदंसज्जनानंददंशैलकन्यावरंप-
रनरम्यं॥ काममदनोच्चनंतामरकूलोवनंवामदेवभजेभाव
गम्यं॥ कंबुकुंदेंदुकर्पूरगौरंशिवसुंदरंसच्चिदानंदकंदं॥
सिद्धसनकादिकयोगींद्रवदारकाविस्माविधिवंद्यचरणार-
विंदं॥९॥ ब्रह्मकुलवल्लभकुलगमनिदुर्लभविकटवेषविभुवे
दपारं॥ नौमिकरुणाकरंगरलंगंगाधरंनिर्मलंनिर्गुणंनिर्वि
कारं॥१०॥ लोकनाथशोकश्मूलनिर्मालिनं॥ शूलिनंमोहत्त
मभूरिभारं॥ कालकालंकलातीतमजरंहरंकठिनकल
कालकाननकृसानं॥११॥ तज्ञमज्ञानकृतोधिघटंसं
भवंसर्वगंसर्वसौभाग्यमूलं॥ प्रचुरभवजनप्रणतजं
नरंजनंदासतुलसीशरणसानुकूलं॥१२॥ रागवसंत॥

सेवहु शिवचरणसरोजरेणू ॥ कल्याणअखिलप्रदकामधे-
नू कर्पूरगौरकरुणाउदार ॥ संसारसारभुजगेंद्रहार ॥ सु
खजन्मभूमिमहिमाअपार ॥ निर्गुणगुणनायकनिराकार ॥ त्र
यनयनमयनमर्दनमहेश ॥ अहंकारनिहारउदितदिने-
श ॥ वरवालनिशाकरमौलिभ्राज ॥ त्रैलोकसुखहरप्रमथराज
॥ जिनकहविधिसुगतिलिखिभालनिन्हकिगतिकाशीपति
कृपाल ॥ उपकारिकोपरहरसमान ॥ सुरअसुरजरतकनर
लपान ॥ बहुकल्पउपायकरिअनेक ॥ विनुशंभुकृपानहिभ
वविवेक ॥ विज्ञानभवनगिरिसुतारवनकहतुलसीदासमम-
त्रासशमन ॥ १३ ॥ देखोदेखोवनवन्योआजुउमकंत ॥ मान
हुदेखनतुमहिआईऋतुवसंतआनोतनदुतिचम्पककुसुम
माला ॥ वरवसननीलनूतनतमाला ॥ कलकदलिजंघपदक
मललाल ॥ सूचतिकटिकेहरिगतिमराल ॥ भूषणप्रसूनबहु
विविरंग ॥ नूपुरकिंकिनिकलकविहंग ॥ करनवलवकुलपल्ल
वरसाल ॥ श्रीफलकुचकंचुकिलताजाल ॥ आननसरोजक
चमधुपगुंज लोचनविशाल ॥ नवनीलकंदु पिकवचनचारि
तवरहिकीर ॥ सितसुमनहासलीलासमीर ॥ कहतुलसीदा
ससुनुशिवसुजान ॥ उरवसीप्रपंचरचेपंचवान ॥ करीकृ
पाहरियभ्रमफंदकाम ॥ जेंहिहृदयवसहिसुखरासिराम ॥
॥ १४ ॥ रागमारू ॥ दूसहदोषदुखदलनिकरदेविदाया ॥ वि
श्वमूलासिजनसानुकूलासिकरशूलधारिणीमहामूलमा
या ॥ तडितगर्भागिसर्वांगसुंदरलसतदिव्यपटभव्यभूष-

णविराजे॥बालमगमंजुखंजननीलोचनीचंद्रवदनलखिकोटि
रतिमालराजे॥रूपसुखशीलसीमासीभीमासिरामासिवा-
मासावरबुद्धिवानी॥छमुखहेरंबअंबासिजगदंबिकेशभुजा
यसिजयजयभवानी॥चंडभुजदंडखंडनविहंडनिमुंडमहिष
मदभंगकरिअंगतोरे॥शुंभनिशुंभकुंभीशरणकेसरनिक्रोध
वारिधिवैरिवृंदवोरे॥निगमआगमगुर्वितवगुणकथनउर्वि
धरकहतजेहिसहसजोहा॥देहिमामोहिप्रणप्रेमयहनेमनी
जरा॥मघनस्यामतुलसीपपीहा॥१५॥रागसारंग॥जयज
यगजजननिदेविसुरवरसुनिअसुरसेविभक्तभुतिदायनि
भयहरणीकालिका॥मंटलमुदसिद्धिसदनिपर्वसर्वदीसव
दनीतापतिमिरतरुण॥तरणिकिरणमालिका॥चर्मच॥
॥ ॥मेकरकृपाणशूलसेलधनुषबाणधरणीदलनिदानवद
लरणकरालिका॥पूतनापिशाचप्रेतडाकिनीशाकिनीसमेत-
भूतग्रहवेतालखंजनगालिजालिका॥जयमहेशभामिनिअ
नेकरूपनामिनोसमस्तलोकस्वामिनिहिमशैलबालिका॥
रघुपतिपदपरमप्रेमतुलसीचहेअचलनेमदेहुहेप्रसन्नपा
हिप्रणतपालिका॥१६॥जयभगीरथीनंदिनीसुनिचयच-
कोरचंदिनीनरनागविबुधवंदिनीजयजन्हुबालि॥विष्णुपद
सरोजजासिईशसीसपरविभासित्रिपथगासिपुन्यराशि
पापछालि॥काविमलविपुलवहसीवारिशीतलत्रयतापहा
रिभंवरभराविभंगनरतरंगमालिका॥पुरजनपुजोपहार-
शोभितशशिधवलधारभंजनिभवभारभक्तिकलपथालिका

॥ निजनटवासी विहंगजलथलचर पंगु पतंग कीटजटिलता-
पसस्रवसरिस पालिका॥ तुलसीसवतोरसूमिरतरघुवंश-
वीरविवरनुमतिदेहिमोहमहिषकालिका॥ १७॥ रागरामक
लि॥ जयतिजयसुरसरोजय दारिवलपावनी॥ विष्णुपदकं
जमकरंदइवअम्बुवरहसीदुखदहसिअघवृंदद्दावनी
मिलितजलपात्रअजयुक्तहरिचरणरजावरजवरवारत्रि
पुरारिसिधामिनि॥ जन्हकन्याधन्यपुण्यकृतसगरसुत-
भूधरद्रोणिविहरानिवहुनामिनी॥ यक्षगंधर्वमुनिकिन्न-
रोरगदनुजमनुजमज्जाहिसुकृतपुण्ययुतकामिनी॥ स्व
र्गसोपानविज्ञानज्ञान॥ प्रमेमोहमदमदनपाथोजवनजा-
मिनी॥ हरितगंभिरवानिरदुहुंतीरवरमध्यधाराविषद
विश्वअभिरामिनी॥ नीलपर्यंककृतशयनसर्पेशजनुस
हशशीसावलीस्रोतसुरस्वामिनी॥ अमितममहिमाअ
सतिरूपभूपावलीमुकुटमणिवंदि॥ त्रैलोकपथगामिनी
देहिरघुवीरपदप्रीतिनिर्भरमातुदासतुलसीत्रासहरणी
भवभामिनी॥ १८॥ हरतिसकलपापत्रिविधतापसुमी॥
रतसुरसरित्॥ विलसतिमाहिकल्पवेलिमुदमनोरथफ
रित॥ सोहतशशीधवलधारसुधासलिलभरित॥ विमलत
रतरंगलसतरघुवरकेसेचरित॥ तोविनुजगदंगगंगाकल
युगकाकरित॥ घोरमवअपारसिंधुतुलसीकीमतरित॥
॥१९॥ इशासीसवससीत्रिपथलससीनभपतालधरनी॥
मुनिसुरनरनागसिद्धसुजनमंगलकरनिदेखतदुख

दोषदुरितदाहदारिददरनि॥ सगरसुअनसासतिशमनिजलनि
धिजलभरनि॥ महिमाकिअवधिकरिवह्मविधिहरिहरनि॥तु-
लसीकलुवानोविमलविमलवारिवरनो॥२०॥रागबिलावल॥य
मुनाज्योंज्योंलागीवाटन॥त्योंज्योंसुकृतसुभटकलिभूपहिन
दरिलगेबाहुकाटन॥ज्योंज्योंजलमलिनत्योंत्योयमगणमूखम
लिनलहेआटन॥तुलसीदासजगदघजवासज्योंअनघआ
गिलागेडाटन॥२१॥ रागभैरव॥ सेइयसहितसनेहदेहभरि
कामधेनुकलिकासी॥शमनशोकसंतापपापरुजसकलसुमं
गलरासी॥मरजादाचहुओरचरणवरसेवतसुरपुरवासी॥
तीरथसवशुभअंगरोशिवलिंगअमितअविनासी॥ अंतर
अयनभलथनफलवछवेदवोश्वासी॥गलकंवलवरुणविभा
तिजनुलमलसतिसारितासी॥दंडपाणिभैरवविषाणवेलरु-
चिखलगणभयदासी॥लोलदिनेसतिलोचनलोचनकरनघं
टघटासी॥ मणकर्णिकावदनशशिसुंदरसुरसरिसुखमा-
सी॥स्वारथपरमारथपरिपूर्णपंचकोशमहिमासी॥ विश्व
नाथपालककृपालचितलालितनितगिरिजासी॥सिद्धसषि
शारदपूजहिमनूजोगवतरहतिरमासी॥पंचाक्षरीप्राणमुध
माधमगव्यसुपंचनदाशी॥ब्रह्मजीवसमरामनामदोउआ
खरविश्वविकाशी॥ चारितुचरितकरमकरिमरतजोवगन
घाशी॥लहतपरमपदपयपावनजेहिचहतप्रपंचउदासी॥
कहतपुराणरचिकेशवनीजकरकररतुतीकलासी॥तुल-
सीवसीहरपुरिसमजपुजोभयोचहेसुपाशी॥२२॥ ॥

॥ रागवसंत ॥ सबसोच्चविमोच्चनचित्रकूट ॥ कलिहरनकरन कल्यानबूट ॥ सुचिच्यवनिसुहवनिच्यालवाल ॥ काननविचित्र वारिविसिलसंदाकिनीमालिनीसदासींच ॥ नरवारिशामन रनासिनीच ॥ सारवासुसृगसुरूहसुपात ॥ निर्भरमधुकरमृदुमलयावात ॥ सुकपिकमधुकरसुनिवरविहारु ॥ साधन प्रसुनफलचारिचारु ॥ भवघोरघामहरसुखदछांह ॥ थप्यो थीरप्रभावजानकीनाह ॥ साधकसुपथीकवडभागपाई ॥ पावतच्यनेकच्यभीमतच्यघाई ॥ रसएकरहतगुणकर्मकाल ॥ सियरामलखनपालकक्रपाल ॥ तुलसीजोरामपदचहसि प्रेम ॥ सेइयेगिरिकरिनिरुपाधिनेम ॥ २३ ॥ रागकल्हारा ॥ ष्यबचित्तचेतुचित्रकुटहिंचलु ॥ कोपितकलिलोपितमंगल मगविलसतवढतमोहमायामलु ॥ भूमिविलोकिरामपदच्यंकितवनविलोकिरघुवरविहारथलु ॥ शैलशृंगभवमंगल हेतुलखिदलनकपटपाखंडदंभदलु ॥ जहजनमेजगजनकजगतपतिविधिहरिहरपरिहरिप्रपंचछलु ॥ सकृतप्रवेशकरतजेहिच्याश्रमविगतविखादभएपारथनलु ॥ नकूरूविलंबविचारुचारुमतिबरखपाछिलेसमच्यगिलेपलु ॥ मंत्रसोजाइजपहिजोजपिभएच्यजरच्यमरहरहचेहलाहलु ॥ रामनामजपजागकरतनितमज्जतपयपावनिपीवतजलु ॥ करिहैरामभावतोमनकोसुखसाधनच्यनयासमहाफलु ॥ कामदमणिकामतासुरतरुसोजुगजुगजागतजगतीतलु ॥ तुलसीतोहिविशखबुझिएएकप-

तीतप्रीत एकैकवल्लु ॥ २४ ॥ रागधनाश्री ॥ जैत्यंजभागमेंत्र्प्रंबोधि
संभूतविधूवीत्तुधकुलकेरवानंदकारी ॥ केशरीचारुलोचन
चकोरकसुरवदलोकगण शोकसंतापहारि ॥ जयतिवालक-
पिकेलिकौतुकउदितचंडकरमंडलग्रासकर्त्ता ॥ राहुरविशक्र
पविगर्वरववींकरणसरणभयहरणजयभुवनभर्त्ता ॥ जय
तिरणधिररघूवीरहितदेवमणिरुद्रत्र्प्रवतारसंसारपाता
॥ विप्रसुरसिद्धमुनित्र्प्रासीरवाकरवपुपविमलगुणबुद्धि
वारिधविधाता ॥ जयतीसुग्रीनसिक्षादिरक्षणनिपुनवा
लिवलसालिवधसुरव्यहेतू ॥ जलधिलंघनसिंहासिंहकाम
दमथनरजनिचरनगरउतपातकेतू ॥ जयतिभूनंदनिसोच
मोचनाविपिनीदलनधननादवसवीगतसंका ॥ लूमलिलान
लज्वालमालाकुलितहोलिका ॥ करणलंकेशलंकाजयति
सौमित्रिरघुनंदनानंदकरारिछकपिकटकसंघटविधाई ॥
बंद्धवारिधिसेतुत्र्प्रमरमंगलहेतुभानुकुलकेतुरणविजय
दाई ॥ जयतिवज्नतनदशाननरवसुरवविकटचंडभुजदंड
तरुसैलपाणि ॥ समरतैलिकजत्रतिलतमिचरनिकरप्रे-
रिडारेसुभटघालिघानि ॥ जयतिदशकंठघटकर्णवारि-
दनादकदनकारणकालनेमिहंता ॥ त्र्प्रघटघटनासुघट-
विघटनविकटभूमीपातालजलगगनगंता ॥ जयतिविश्व
विरव्यातवानैतविरुदावलिविदुरववरनतवेदविमलवानी
॥ दासतुलसीत्रासससमनसीतारमणसंगसोभितराम-
राजधनी ॥ २५ ॥ जयतिमर्कटाधीशमृगराजविक्रममहा

देवमुदमंगलालयकपालि॥ मोहमदक्रोहकामादिखलसंकु-
लाघोरसंसारनिसिकिरिनमाली॥ जयतिलक्षदंजनादिति
जकपिकेशरिकस्यपप्रभवजगदार्त्तिहर्त्ता॥ लोकलोकपको
ककोकनदशोकहरहंसहनुमानकल्याणकर्त्ता॥ जयतिसु
विशालविकरालविग्रहवज्रसारसर्वांगभुजदंडभारि॥ कुलि
समरवदसनवरलसातिवालधिबृहद्वीरसस्त्रास्त्रधरकुध
रधारि॥ जयतीजानकीशोकसंतापमोचनरामलक्ष्मणानं
वारिजविकाशी॥ कीशकौतुककेलीलूमलंकादहनदलन
॥ जयतिपाथोधीपारवानजलजा
नकरजातुधानप्रचुरहर्षहाता॥ दुष्टरावनकुंभकरनपाक
कारिजीतपर्मीभितकर्मपरिपाकदाता॥ जयतिभुवनेकभू-
खनाविभिखनवरदविहितकृतरामसंग्रामशाका॥ पुष्प
कारूढसौमित्रसितासहितभानुकुलभानुकिरतिपताका
॥ जयतिपरजंत्रमंत्राभिचारग्रसनकार्मनकूटसर्वकृत्यादि
हंता॥ शाकिनीडाकिनीपूतनाप्रेतवेतालभूतप्रमथजूथजं
ता॥ जयतिवेदांतविधिविविधिविद्याविसदवेदवेदांगविद
ब्रह्मवादी॥ ज्ञानवैराग्यविज्ञानभाजनविभौविमलगुणग-
णतसुकनारदादी॥ जयतिकालगुणकर्ममायामथननि
श्चलज्ञानव्रतसत्यरतधर्मचारि॥ सिद्धसुरवृंदजोगेंद्रसे
वितसदादासतुलसीप्रणतभयतमारी॥ २५॥ जयति
मंगलागारसंसारभारापहरवानराकारविग्रहपुरारि
॥ राममरोषानलज्वालमालामिषध्वांतचरशलभसंहा

रकारी ॥जयतिमकदंजनामोदमंदिरनतग्रीवसकृग्रीवदुःखैककवंधो॥जातुधानोद्धतक्रुद्धकालाग्निहरसिद्धसुरज्जनानंदसिंधो ॥जयतिरुद्राग्रणिविस्वविद्याग्रणिविस्वविख्यातभटचक्रवर्त्ति ॥सामगाताग्रणिकामजेताग्रणिरामसहितरामभक्तानुवर्त्ति॥ जयतिसंग्रामजयरामसंदेहहरकोशलाकुशलकल्याणभाषी ॥रामविरहार्कसंतप्तभरतादिनरनारिशीतलकरणकल्पसाषी ॥जयतिसिंहासनासीनसीतारमनानिरषीनिर्भरहर्षनृत्यकारी॥रामसंभ्राजशोभासहितसर्वदातुलसीमानसरामपुरविहारी॥ २७ ॥जयतिवानसंजातविख्यातविक्रमबृहद्बाहुबलविपुलवालधिविसाला॥ जयतिरूपाबलाकारविग्रहलसतलोमविद्युल्लताज्वालमाला ॥जयतिबालार्कवरवदनपिंगलनयनकपिसककर्कशजटाजूटधारी ॥ विकटभृकुटिवज्रदशननषवैरीमदमत्तकुंजरपुंजकुंजरारी॥जयति भिमार्जुनव्यालसूदनगर्वहरधनंजयरथत्राणकेतु ॥भीष्मद्रोणकरणादिपालितकालदृकसुजोधनचमूनिधनहेतू ॥जयतिगतिराजदातारहंतारसंसारसंकटदनुजदर्पहारि॥इति अतिभीतिग्रहप्रेतचोरानलव्याधीबाधासमनघोरमारी॥ जयतिनिगमागमव्याकरणकरणलिपिकाव्यकौतुककलाकोटिसिंधो॥ सामगायकभक्तकामदायकवामदेवरामप्रियप्रेमबंधो॥जयतिधर्मासकसंदग्धसंपातिनवपक्षलोचनदिव्यदेहदाता॥ कालकलिपापसंतापसंकुलसदाप्रणततुलसीदाससतातमाता॥२८॥जयतिनिर्भरानंदसंदोहकपिके

सरीकेसरीसकअनभुवनैकभर्त्ता॥दिव्यभूम्यंजना मंजुलाक
रमणेभक्तसंतापचिंतापहर्त्ता॥जयतिधर्मार्थकामापवर्गदवि
भोब्रह्मलोकादिवैभववोरागी॥वचनमानसकर्मसत्यधर्मव्रती
जानकीनाथचरनानुरागी॥जयतिविहंगेसवलबुद्धवेगाति
मदमथनमन्मथमथनऊर्ध्वरेता॥महानाटकनिपुनकोटि
कविकुलतीलकगानगुणगर्वगंधर्वजेता॥जयतिमंदोदरिके
शकर्षणविघमानदशकंठभटमुकुटमानि॥भूमिजादुःखसं-
जातरोषांतकृजांतनाजंतुकृतजातुधनी॥जयतिरामायणश्र
वणसंजातरोमांच लोचनसजलासिथिलवानि॥ रामपद
पद्मकरंदमधुकरपाहिदासतुलसीसरणशूलपानी॥२९॥
रागसारंगजाकेगतिहैहनुमानकी॥ताकीपयजपूजिआई
यहरेषाकुलिसपषानकी॥अघटितघटनसुघटविघटनऐ
सीविरुदावलिनहिआनकी॥सुमिरतसंकटसोचविमोच
नमूरतिमोदनिधानकी॥तापरशानकुलगिरिजाहरलषन
रामअरुजानकी॥तुलसीकपिकीकृपाविलोकनिषानीस
कलकल्यानकी॥ ३०॥रागगौरि॥ ताकीहैतमकिताकीओर
को॥जाकेहैसबभांतिभरोसोकपिकेशरिकीसोरको॥जनरं
जनअरिगनगंजनमुषभंजनषलवलजोरको॥ वेदपुरानप्र
गटपुरुषारथसकलसुभटसिरमोरको॥उथपेथपनथपेउ
थपनकिरिविबुधवृंदबंदिछोरको॥तलधिलंघिदाहिलंक
प्रवलदलदलननिसाचरघोरको॥जाकेबालविनोदसमु-
झिजियडरतादिवाकरभोरको॥जाकि चिबुकचोटचूरण-

किसोरदमदकुलिशकठोरको॥लोकपालअनकूलविलोकिवोच हतविलोचनकोरको॥सदांअभयजयमुदमंगलमयसोसेवक रनरोरको॥भक्तकामतरुनामरामपरिपूरणचंदचकोरको॥तु लसीफलचारोंकरतलजसगावतगईवहोरको॥३१॥रागवि लावल॥असीतोहिनवूझिएहनुमानहठीले॥साहेबकहूंनरा मसेतोसेनवसीले॥चारोंजुगतिहुकलमेतुमरामरंगीले॥तेरे देषतासिंहकेसिसुमेंडुकलीले॥जानतहौंकलितेरेऊमनोगुन गणकीले॥हांकसुनतदशकंधकेभयबंधनढीले॥सोवलग- योकिधौंभयेंअवगर्वगहिले॥सेवककोपरदाफटेतुससमर थसीले॥अधिकआपुतेआपुनोसुनीमानसहीले॥सासती तुलसीदासकिसुनिसुजसतुहिले॥तिहूकालतिनकोभलो जेरामरंगीले॥३२॥समरथअनसामिरकेरघुविरपियारे॥ मोपरकिवेतोहिजोकरिलेहिभियारे॥तेरिमहिमातेचलेचिं- चिनीचियारे॥अंधियारोमेरिवारकोत्रिभुवनउजियारे॥के हिकरनिजनजानीकेसनमानकियारे॥केहिअघअवगुन आपनोकरिडारिदियारे॥खायखोचिमागमेतेरानामलिया रे॥तेरेबलवलिआजलोजगजागीजियारे॥जोतोसोहोतोफि रोमेरोहेतुहियारे॥तवक्योंवदनदेखावतोकहिवचनइयारे॥तो सोज्ञाननिधानकोसर्वज्ञवियारे॥होससुझतसाईद्रोहकिगरति- छारछियारे॥तेरेस्वामीरामसोस्वामीनीसियारे॥तहतुलसी कोकोनकोकाकोतकियारे॥३३॥रागबिलावल॥अतिआरत अतीस्वारथी अतीदिनदुषारि॥इनकोविलगनमानियबो-

लहिनबिचारि॥लोकरीतीदेषीसुनीव्याकुलनरनारी॥अतिव र्षअनवर्षेहुदेहीदेवहिगारि॥नाकहोआएनाथसोसासनिभ यभारी॥कहिआयोकोबोक्षमानिजबीरनिहारी॥समरथसां, करेसकभिरियेसमरथहितकारी॥सोसबविधिउपकारकरे- अपराधबिसारी॥बिगरीसेवककोसदासाहिबहोसुधारी॥ तुलसीपरतेरिकृपानिरुपाधिनिनारी॥३४॥कहुकहिएगाढे परेसकनिसकसुझीसकसाई॥करहिअनभलेहुकोभलोआप नीभलाई॥टेक॥समरथसभजोपाटईबीरपीरपराई॥ना हीतकेसवज्योंनदीवारिथीनबुलाई॥१॥आपनोआपने कोभलोवहैलोगकुगाई॥भावैजोजेहित्तेहिभजेशुभअशुभ सगाई॥२॥बाहबोलदेथापियजोनिजबरिआई॥बिनुसेवा सेपालियेसेवककीनाई॥३॥चूकचपलतामेरियेतूंबडोबडा ई॥होतआदरेढीठहोंअतिनीचनिचाई॥४॥बंदीछोरबिर दावलिनिगमागमगाई॥नीकोतुलसीदासकोतेरियेनिका ई॥५॥ ॥३५॥रागगौरी॥मंगलमूरतिमारुतनंदन॥सक लअमंगलमूलनिकंदन॥टेक॥मातुपितागुरुगनपतिसार द॥सिवासमेतसंभुशुकनारद॥चरनबंदिबिनवौंसबका हू॥देहुरामपदनेहनिबाहू॥वंदौंरामलषनवैदेही॥जेतुल सीकेपरमसनेही॥३६॥रागकेदारा॥कबहूंकअंबअवस रपाई॥मेरिहुसुधिधाइबिकछुकरुनकथाचलाई॥टेक॥दीन सबअंगहीनषीनमलीनअघीअघाई॥नामलेभरेउदरएक प्रभुदासिदासकहाई॥बूझिहैंसोकोनकहबीनाउंदसाजनाई

॥सुनतरामकृपालकेमेरीबिगरिउबनिजाई॥ जानकीजगजन-
नीजनकीकियेबचनसहाई॥ तरैतुलसीदासभवतवनाथगुन
गनगाई॥३७॥ कबहुंससमयसुधिद्यायबीमेरीमातुजानकी॥ज
नकहाइनामलेतहौंकियेपनचातिकज्यौंप्यासप्रेमपानकी॥
॥टेक॥ सरलप्रकृतिआपुजानीयेकरुनानिधानकी॥ निजगु
नअरिकृतअनहितोदासदोषसुरतिचितरहतिनदियेदान
की॥ बानिबिस्मरनसीलहैमानदअमानकी॥तुलसिदासनबि
सारिएमनक्रमबचनजाकेसपनेहुगतिनआनकी॥३८॥ लष
नलालल्लाडिलेहितहोजनके॥ सुमिरेसंकटहारिसकलसुमंग
लकारिपालककृपालअपनेपनके॥टेक॥ धरनीधरनहार
भजनभुवनभारअवतारसाहसीसहसफनके॥ सत्यसंधस
त्यब्रतपरसधरमरतनिरमलकरमबचनअरुमनकेरूपके॥
निधानधनूबानपानितूनकटिमहावीरविदितजितैयाबडेरन
के॥ सेवकसुखदायकसबलसबलायकगायकजानकीनाथ
गुनगनके॥ भावतेभरतकेसुमित्रासिताकेदुलारेचातकचतुर
रामश्यामघनके॥बल्लुभऊर्मिलाकेसुलभसनेहबसधनीधन
तुलसीसेनिरधनके॥३९॥ रागधनाश्री॥ जयतिलक्ष्मणा
नंतभगवंतभूधरभुजगराजभुवनेसभूभारहारी॥ प्रलय-
पावकमहाज्वालमालावमनसमनसंतापलीलावतारी॥ ॥
॥टेक॥ जयतिदासरथिसमरथसुमित्रासुवनसत्रुसुदन-
रामभरतबंधो॥ चारुचंपकबरनबसनभूषनधरनदिव्यत
रभव्यलावण्यसिंधो॥ जयतिगाधेयगोतमजनकसुखज-

नकविश्वकंठककुटिलकोटिहंता॥ वचनचयचातुरीपरसुधरग
र्वहरसर्वदारामभद्रानुगंता ॥जयतिसीतेससेवासरसविषयर
सनिरसनिरूपाधिधुरधर्मधारि॥ विपुलबलमूलशार्दूलवि
क्रमजलदनादमर्दनमहावीरभारी॥जयतिसंग्रामसागरभयं
करतरनरामहितकरनवरबाहुसेतू ॥उर्मिलारमनकल्यानमं
गलभवनदासतुलसीदोषदमनहेतू॥ ४०॥ जयतिभूमिजार
मनपदकंजमकरंदरसरसीकमधुकरभरतभूरिभागो॥ भुव
नभूषनभानुवंसभूषनभूमिपालमनिरामचंद्रानुरागी॥टेक॥
जयतिविबुधेसधनदादीदुर्लभमहाराजसंभ्राजसुखपदवि
रागी॥ खड्गधाराव्रतप्रथमरेषाप्रगटशुद्धमतिजुवतिमतप्रे
मपागी॥जयतिनिरुपाधिभक्तिभावजंत्रितहृदयबंधुहितचि
त्रकुटाद्रिचारि॥ पादुकानृपसचिवपुहुमीपालकपरमधीरगं
भीरवरवीरभारी॥जयतिसंजीवनीसमयसंकटहनुमानध
नुबानमहिमाबषानी॥बाहूबलविपुलपरमितिपराक्रमअ
तुलगुढगतिजानकीजानिजानि ॥जयतिरनअजिरगंधर्व
गनगर्वहरफेरिकिएरामगुनगाथगाथा॥ मांडवीचित्तचात
कनवांबुदवरनसरनतुलसीदासअभयदाता ॥४१॥जयति
जयशत्रुकरिकेशरीसत्रुरुनसत्रुतमतुहिनहरकिरणकेतू
॥देवमहिदेवमहिधेनुसेवकसुजनसिद्धमुनिसकलकल्या
णहेतू॥टेक॥ जयतिसर्वांगसुंदरसुमित्रासुवनविख्या
तभरतानुगामी॥ वर्मचर्मासिधनुवानतुनीरधरसत्रुसं
कटसमनपपमनामी॥जयतिलवनांबुनिधिकुंभसंभवम

हादनुजदुर्जनदवनदुरतहारि॥लक्ष्मणानुजभरतरामसी
ताचरननरेनुभूषितभालतिलकधारी॥जयतिश्चानकीर्तिवल्लभ
सुदुर्लभसुलभनमितनर्मदभक्तभक्तिदाता॥दासतुलसीच
रनसरनसीदतविभोपाहिदीनार्त्तसंतापहर्त्ता॥४२॥जयति
सच्चिद्व्यापकानंदपरब्रह्मविग्रहाव्यक्तलीलावतारी॥विकलब्र-
ह्मादिसुरसिद्धसंकोचवसविमलगुणगेहनरदेहधारी॥टेक॥ज
यतिकोसलाधिसकल्यानकोसलसुताकुसलकैवल्यफलचारु-
चारी॥वेदबोधितकर्मधर्मधरनीधेनुविप्रसेवकसाधुमोदकारी
॥जयतिरिषिमषपालसमनसज्जनसालसापवसमूनिवधुपा
पहारी॥भंजिभवचापदलिदापभूपावलीसहितभृगुनाथनत-
माथभारी॥जयतिधार्मिकधीरधुरधीररघुवीरगुरुमातुपितु
बंधुवचनानुसारी॥चित्रकूटाद्रिविंध्याद्रिदंडकविपिनधन्य
कृतपुन्यकाननविहारी॥जयतिपाकारिसुतकाककरतूति
फलदानिपतिगर्त्तगोपितविराधा॥दिव्यदेवीवेषदेषिलाष
निसिचरीजनुविडंबितकरीविश्वबाधा॥जयतिषरत्रिशिर-
दूषनचतुर्दशसहससुभटमारीचसंघारकर्त्ता॥गीधसबरी
भक्तिविवसकरुनासिंधुचरितनिरुपाधित्रिविधार्त्तिहर्त्ता॥
जयतिमदअंधकुकबंधबधिबालिबलसालिबधिकरनसुग्री
वराजा॥सुभटमर्कटभालुकटकसंघटसजतनमितपदरावना
नुजनिवाजा॥जयतिपाथोधिकृतसेतुकौतुकहेतुकालमनअग
गमलइललकिलंका॥सकुलसानुजसदलदलितदशकंठरन
लोकलोकपकियेविगतसंका॥जयतिसौमित्रिसीतासचिव

सहितचलेपुष्पकारूढ़निजराजधानी ॥दासतुलसीमुदितअ
वधवासीसकलरामभयेभूपवैदेहिरानि॥४९॥जयतिराज
राजेंद्रराजीवलोचनरामनामकलिकामतरुस्यामशाली॥
अजयचअंभोधिकुंभजनिशाचरनिकरतिमिरघनघोररख
रकिरनमाली॥जयतिदेवमुनिदेवनरदेवदशरथकेदेवमुनि
वंद्यकियेअवधवासी॥लोकनायककोकशोकसंकटशमन
भानुकुलकमलकाननविकासी॥जयतिशृंगाररसतामरसदा
मदुतिदेहगुणगेहविश्वोपकारी॥सकलसौभाग्यसौंदर्यसुष
मारूपमनोभवकोटिगर्वापहारी॥जयतिशुभगसारंगसुनि-
खंगसायकशक्तिचारुचर्मासिवरवर्मधारी॥धर्मधुरधीररघु
वीरभुजवलअतुलहेलयादलितभूभारभारि॥जयतिकलधौ
तमणिमुकुटकुंडलतिलकझलकभलिभालविधुवदनशोभा
॥दिव्यभूषणवसनपीतउपवीतकियेध्यानकल्याणभाजनन
कोभाजयतिभरतसौमित्रसत्रुघ्नसेवितसुमुखसचिवसेवक
सुखदसर्वदाता॥अधमआरतदीनपतितपातकपीनसकृ
तनतिमात्रकैपाहिपाता॥जयतिभुवनदशचारियशजगमग
तपुण्यमयधन्यजयजयधन्यरामराजाचरितसुरसरितक
विमुखगिरिनिःसरितपिबतमज्जतमुदितसंतसमाजा॥
जयतिवर्णाश्रमाचारिवरनारिनरसत्यशमदमदयादान-
शीला॥विगतदुखदोषसंतोषसुखसर्वदासुनतगावतरा
मराजलीला॥जयतिवैराग्यविज्ञानवारानिधेनमतनर्मदपा
पतापहर्त्ता॥दासतुलसीचरणशरणसंशयहरणदेहिअव

लवरवैदेहीभर्त्ता॥ ४४॥ रागगौरी॥ ॥श्रीरामचंद्रकृपालुभजुमनहरणभवभयदारुणं। नवकंजलोचनकंजमुखकरकंजपदकंजारुणं॥ कंदर्पअगणितअमितछबिनवनीलनीरजसुंदरं॥ पटपीतमानहुंतडितरुचिसुचिनौमिजनकसुतावरं॥ भजुदीनबंधुदिनेशदानवदैत्यवंशनिकंदनं॥ रघुनंदआनंदकंदकोशलचंद्रदशरथनंदनं॥ सिरमुकुटकुंडलतिलकचारुउदारअंगविभूषणं॥ आजानुभुजशरचापधरसंग्रामजितखरदूषणं॥ इतिवदततुलसीदासशंकरशेषमुनिमनरंजनं॥ ममहृदयकंजनिवासकरुकामादिखलदलगंजनं॥

॥४५॥ रागरामकली॥ सदारामजपुरामजपुरामजपुरामजपुरामजपु॥ मूढमनवारंवारसकलसौभाग्यसुखखानिजियजानिसठमानिविश्वासवदवेदसारं॥ टेक॥ कोशलेंद्रनवनीलकंजाभतनुमदनरिपुकंजहृदिचंचरीकं॥ जानकीरवनसुखभवनभुवनैकप्रभुसमरभंजनपरमकारुनीकं॥ दनुजवनधूमध्वजपीनआजानुभुजदंडकोदंडवरचंडवानं॥ अरुनकरचरनमुखनयनराजीवगुनअयनबहुमयनसोभानिधानं॥ वासनावृंदकैरवदिवाकरकामक्रोधमदकंजकाननतुषारं॥ लोभअतिमत्तनागेंद्रपंचाननंभिक्तहितहरनसंसारभारं॥ केशवंक्लेशहंकेसवंद्यपदद्वंदमंदाकिनीमूलभूतं॥ सर्वदानंदसंदोहमोहापहंघोरसंसारपाथोधिपोतं॥ शोकसंदेहपाथोदपटलानिलंपापपर्वतकठिनकुलिसरूपं॥ संतजनकामधुकधेनुविश्रामप्रदनामकलिकलुषभंजनअनूपं॥ धर्मकल्पद्रुमनामहरिधामपथिसंवलं

मूलमिदमेवएकंभक्तिवैराग्यविज्ञानसमदानदमनामआश्री
नसाधनअनेकं॥तेनतसंतेनदत्तमेवाखिलंतेनसर्वंकृतंकर्मसं-
जालं॥जेनश्रीरामनामामृतंपानकृतमनिसमनवद्यमवलोक्यकालं॥श्वपचखलभिल्लजवनादिहरिलोकगतनामबल
विपुलमतिमलिनपरसी॥त्यागिसबआसरांत्रासभवपा-
शआसिनिसितहरिनामजपुदासतुलसी॥४६॥ऐसीआर
तीरामरघुवीरकीकरहीमनहरनीदुखदंदगोविंदआनं
दघन॥टेक॥अचरचररूपहरिसर्वगतसर्वदावसतइ-
तिवासनाधूपदीजे॥दीपनिजबोधगतकोधमदमोहतम
प्रौढअभिमानचित्तवृत्तिछिजे॥भावअतिसयविसदप्र
वरनैवेद्यशुभश्रीरमनपरमसंतोषकारी॥प्रेमतांबूलगत
शूलसंशयसकलहीसुलभववासनावीजहारी॥अशुभ
शुभकर्मघृतपूर्णदसवर्त्तीकात्यागपावकसत्वगुणप्रका
शं॥भक्तिवैराग्यविज्ञानदीपावलीआर्विनीराजनंजगनि-
वासं॥विमलहृदिभवनकृतशांतिपर्यंकशुभसयननि-
श्रामश्रीरामराया॥क्षमाकरुणाप्रमुखतत्रपारिचारिका
यत्रहरितत्रनहिभेदमाया॥येहिआरतिनिरतसनकादि
शुकसेषसिवदेवरिषिअखिलमुनितत्वदरसी॥जोईक
रैसोईतरैपरिहरैकामसबवदतइतिविमलमतिदास
तुलसी॥४७॥हरतीसबआरतीरामकी॥दहनीदुख
दोषनिर्मूलनीकामकी॥टेक॥सुभगसोरभमधुपदीप-
वरमालिका॥उडतअघविहंगसुनिताालकरतालिका

॥भक्तहृदीभवनअज्ञानतमहारनी॥ विमलविज्ञानमयतेजवि-
स्तारनी॥ मोहमदक्रोहकलिकंजहिमजामिनी॥ मुक्तिकीदनीका
हृदुतिअदेहदुतिदामिनी॥ प्रणतजनकुमुदवनइंदुकरजालिका॥ तुलसी
अभिमानमहिषेसबहुकालीका॥ ४८॥ देवदनुजवनदहनगुन
गहनगोविंदनंदादिआनंददाताविनासी॥ शंभुशिवरुद्रशंक
रभयंकरभीमघोरतेजायतनक्रोधरासी॥ टेक॥ देवनंतभगवं
तजगदंतअंतकत्राससमनश्रीरमनभुवनाभिरामं॥ भूधराधी
सजगदीसईशानवी ज्ञानघनज्ञानकल्याणधामं॥ देववाम
नाव्यक्तपावनपरावरविभोप्रगटपरमात्माप्रकृतिस्वामी॥ चं
द्रशेखरसूलपानिहरअनघअजअमितअविछिन्नवृषभेस
गामी॥ देवनिलजलदाभतनुश्यामबहुकामछविरामराजिवि
लोचनकृपाला॥ कंबूकर्पूरवपूधवलनिर्मलमोलिजटासुरतटि
निशितसुमनमाला॥ देववरसनकिंजल्कधरचक्रसारंगदर
कंजकोमोदकोअतिविसाला॥ मारकरिमत्तमृगराजत्रयनय
नहरनोमिअपहरनसंसारजाला॥ देवकृ करुनाभवनदव
नकालीयखलविपुलकंसादिनीवंशकारी॥ त्रिपुरमदभंगक
रमत्तगजचर्मधराअंधकोरगग्रसनपन्नगारी॥ देव ब्रह्मव्या
पकअकलसकलपरपरमहितज्ञानगोतीतगुनवृत्तिहर्त्ता॥
सिंधुसुतगर्वगिरिवज्रगोरीसनवदछमषअखिलविध्वंस
कर्ता॥ देवभक्तिप्रियभक्तजनकामधुकधेनुहरिहरनदुर्घट
विकटविपतिभारी॥ सुखदनर्मदचरदविरजअनवद्यअखिल
विपिनआनंदविधिनविहारी॥ देकृत्तिरहरिशंकरीनाममं

उ॥ टेक॥ देवचारिचरवपुपथरभक्तनिस्तारपरधरनिष्ठ्न
नावमहिमातिगुर्वीसकलजज्ञागमयउयविग्रहओङमर्दि
दनुजेसउद्धरनउर्वी॥ देवकमठअतिविकटतनुकठिनपृ-
ष्ठोपरिभ्रमतमंदरकंडुसुखमुरारी॥ प्रगटकृतअमृतगो
इंदिराइंदुवृंदारकावृंदआनंदकारी॥ देवमनुजमुनिसिद्ध
सुरनागत्रासकदुष्टदनुजद्विजधर्ममर्जादहर्त्ता॥ अतुल
मृगराजवपुधरितविद्धारितअरिभक्तप्रल्हादआल्हाद
कर्त्ता॥ देवछलनबलिकपटवटुरूपवामनब्रह्मभुवनपर्यंत
पदतिनिकरणं॥ चरननखनीरत्रैलोक्यपावनपरमविबुध
जननीदुसहशोकहरणं॥ देवक्षत्रियाधीशकरीनिकरव
रकेशरीपरसुधरविप्रससीजलदरूपं॥ वीसभुजदंडीद
ससीसखंडनचंडवेगसायकनौमिरामभूपं॥ देवभूमि
धरभारहरप्रगटपरमात्माब्रह्मनररूपधरभगतहेतू॥
वृष्णिकुलकुमुदराकेशराधारमनकंसवंसाटविधूमके-
तू॥ देवप्रबलपाखंडमहिमंडलाकुलदेषि॥ निंद्यकृतअ
खिलमखकर्मजालं॥ शुद्धबोधैकघनज्ञानगुनधामअजबु
द्धअवतारवंदेकृपालं॥ देवकालकलिजनितमलमलिनमन-
सर्वनरमोहनीसिनिबिडजवनांधकारं॥ विष्णुजसपुत्रक
ल्कीदिवाकरउदितदासतुलसीहरनविपतिभारं॥ देवसर्व
सौभाग्यप्रदसर्वतोभद्रनिधिसर्वसर्वेससर्वाभिरामं॥ सर्वहृ
दिकंजमकरंदमधुकररुचिररूपभूपालमनिनौमिरामं॥ टेक॥
देवसर्वसुखधामगुनग्रामविश्रामप्रदनामसर्वासपदमतिपु

नितं निर्मलं शांतकं विसुद्ध बोधायतन क्रोधमद हरन करुनानिकेतं॥ देव अजित निरुपाधी गोतीत मव्यक्त विभुमेकमनवद्यमजमद्वितीयं॥ प्राकृतं प्रगट परमातमा परमहित प्रेरकानंद बंदे तुरीयं॥ देव भूधरं सुंदरं श्रीवरं मदन मद मथन सौंदर्य्य सीमाती रम्यं॥ दुःप्राप्य दुःप्रेक्ष्य दुस्तर्क्य दुःपार संसार हर सुलभ मृदु भाव गम्यं॥ देव सत्यकृत सत्यरत सत्यव्रत सर्वदा पुष्ट संतुष्ट संकष्ट हारी॥ धर्मवर्म पि ब्रह्मकर्म बोधैक विप्र पूज्य ब्रह्मण्य जनप्रिय मुरारी॥ देव नित्य निर्मम नित्यमुक्त निर्मान हारी ज्ञानघन सच्चिदानंद मूलं॥ सर्वरक्षक सर्वभक्षकाध्यक्ष कूटस्थ गूढार्च्चि भक्तानुकूलं॥ देव सिद्ध साधक साध्य वाच्य वाचक रूप मंत्रजापक जाप्य सृष्टि स्रष्टा॥ परमकारन कंजनाभ जलदाभतनु सगुण निर्गुण सकल दृश्य द्रष्टा॥ देव व्योमव्यापक विरज ब्रह्म वरद सर्वेकुंठ वामन विमल ब्रह्मचारी॥ सिद्ध वृंदारकावृंद वंदित सदा षंड पारवंड निर्मूलकारी॥ देव पूर्णानंद संदोह अपहरन संमोह अज्ञान गुन संनिपातं॥ वचन मन कर्म गत सरन तुलसीदास पाथोधि इव कुंभजातं॥५३॥ देव विश्व विख्यात विश्वेस विश्वायतन विश्व मर्याद व्यालारि गामी॥ ब्रह्म वरदेस वागीस व्यापक विमल विपुल बलवान निर्वाण स्वामी॥ टेक॥ देव प्रकृति महत्तत्व शब्दादि गुण देवता व्योम मरुदग्नि अमलांबु उर्वी बुद्धि मन इंद्रिया प्राण चितात्मा काल परमाणु चिच्छक्ति गुर्वी॥ देव सर्वमेवात्र त्वद्रूप भूपाल मणि व्यक्त मव्यक्त गतभेद विष्णो॥ भुवन भवदंस कामारि वंदित पद द्वंद्व मंदाकी

नीजनकविष्णो॥देवआदिमध्यांतभगवंतत्वंसर्वगतमीशपस्यं
तिजेब्रह्मवादि॥जथापटतंतुघटमृत्तिकासर्पस्रगदारुकरिकन
ककटकागदादी॥देवगूढगंभीरगर्वघ्नगूढार्थवित्गुप्तगोतीत
गुरुज्ञानदाता॥ज्ञेयज्ञानप्रियप्रचुरगरिमागारघोरसंसारप
रपारदाता॥देवसत्यसंकल्पअतिकल्पकल्पांतकृतकल्पनातीं
तअहितल्पवासी॥वनजलोचनवनजनाभवनदाभवपुवन
चरध्वजकोटिरूपरासी॥देवसकरदुष्करदुराराध्यदुर्व्यसनह
रदुर्गदुर्द्धर्षदुर्गार्त्तिहर्त्ता॥वेदगर्भार्भकादभ्रगुणगर्वअर्वाक
परगर्वनिर्वापकर्त्ता॥देवभक्तअनुकूलभवशूलनिर्मूलकरतू
लअघनामपावकसमानं॥तरलतृष्णातमीतरनीधरणिध
रणशरणभयहरणकरुणानिधानं॥देववहुलवृंदारकावृं
दवंदारुपदवंदिमंदारमालोरधारि॥पाहिमामीससंतापसं
कुलसदादासतुलसीप्रनतरावनारी॥५४॥देवसंतसंतापह
रविश्वविश्रामकररामकामारिअभिरामकारी॥शुद्धबोधायत
नसच्चिदानंदघनसज्जनानंदवर्द्धनषरारी॥टेक॥देवसील
समताभवनविषमतामतीसमनरामरामारमनरावनारी॥
षङ्गकरचर्मवरवरमधररुचिरकटितूनसरसक्तिसारंगधा
री॥देवसत्यसंधाननिर्वाणप्रदसर्वहितसर्वगुणज्ञानवि-
ज्ञानशाली॥सघनतमघोरसंसारभरसर्वरीनामदिवसे-
सषरकिरिनमाली॥देवतपनत्तोक्षणतरुणत्तोब्रतापअत
परूपतनुभूपतमपरतपस्वी॥मनमदमदनमत्सरमनोर-
थमथनमोहअंभोधिमंदरमनस्वी॥देववेदविख्यातवर

देसवामनविरजविमलवागीसवैकुंठस्वामी॥कामक्रोधादिम
र्दनविवर्द्धन क्षमाशांतविग्रहविहंगराजगामी॥देवपरमपा
वनपापपुंजसुंजाटवीअनल इवनिमिषनिर्मूलकर्त्ता॥भुवन
भूषणदूषनारिभुवनेसभूनायश्रुतिमाथजयभूवनभर्त्ता॥दे
वअमलअविचलअकलसकलसंततकलिविकलताभंजना
नंदरासी॥उरगनायकशयनतरुनपंकजनयनक्षीरसागर-
आयन सर्ववासी॥देवसिद्धकविकोविदानंददायकपदद्वंद्व
मंदात्ममनुजैर्दुरायं॥यत्रसंभूतअतिपूतजलसूरसरीदर्श-
नादेवअपहरतिपापं॥देवनित्यनिर्मुक्तसंयुक्तगुणनिर्गु-
णानंतभगवंतन्यामकनियंता॥विश्वपोषनभरनविश्वका
रणकरणशरणतुलसीदासत्रासहंता॥५५॥देवदनुजसू
दनदयासिंधुदंभापहंदहनदुर्दोषदुष्यापहर्त्ता॥दुष्टतादमन
दमभवनदुःखौघहरदुर्गदुर्वासनानाशकर्त्ता॥ टेक॥देव
भूरिभूषणभानुमंतभगवंतभवभंजनाभेदभुवनेशभारी
॥भावनातीतभववंद्यभवभक्तहितभूमिउद्धरणभूधरण
धारी॥देववरदवनदाभवागीसविश्वात्माविरजवैकुंठमं-
दिरविहारी॥व्यापकंव्योमाधिपावनविभोब्रह्मविद्ब्रह्मचिं
तापहारी॥देवसहजसुंदरसुमुखसुमनशुभसर्वदाशु-
द्धसर्वज्ञस्वछंदचारी॥सर्वकृतसर्वभृतसर्वजीतसर्वहि-
तसत्यसंकल्पकल्पांतकारी॥देवनित्यनिर्मोहनिर्गुणनिरं
जननिजानंदनिर्मानिनिर्वाणदाता॥निर्भरानंदनिःकंपनिः
सीमनिर्मुक्तनिरूपाधिनिर्ममविधाता॥देवमहामंगलमू-

लमोदमहिमायतनमुग्धमधुमथनमानदत्र्यमानी॥मदनमर्द
नमदातीतमायारहितमंजुमानाथपायोजपानी॥देवकर्मज्ञ
नकलाकोसकोदंडधरकोसलाधीशकल्यानरासी॥जातु-
धानप्रचुरमतकरिकेसरीभक्तमनपुण्यआरंण्यचारी॥देव
अनघअद्वैतअनवद्यअव्यक्तअजअमितअविकारआनं
दसिंधो॥अचलअनिकेतअविरलअनामयअनारंभअंभो
दनादघ्नबंधो॥देवदासतुलसीषेदविन्नआपन्नहरं सोकसं
पन्नअतिशयसभीतं॥प्रणतपालकरामपरमकरुणाधा
मपाहिमासुर्वीपतिदुर्विनीतं॥५५॥ देवदेहिसततसंगनिज-
अंगश्रीरंगभवभंगकारणसरनसोकहारी॥जेतुभवदं
घ्रिपल्लवसमाश्रितसदाभक्तिरतविगतसंशयमुरारी॥
॥टेक॥देवअसुरसुरनागनरजक्षगंधर्वखगरजनीचर
सिंधजेचापिअन्येसंतसंसर्गत्रयवर्गपरपरमपदप्रायनिः
प्रापगतित्वयिप्रसन्ने॥देववृत्रबलिबानप्रह्लादमयव्याध
गजगिद्धद्विजबंधुनिजधर्मत्यागी॥साधुपदसलिलनिर्धूत
कल्मषसकलस्वपचजवनादिकैवल्यभागी॥देवशांतनीर
पेक्षनिर्ममनिरामयअगुनशब्दब्रह्मैकपरब्रह्मज्ञानी॥द
क्षसमदृक्स्वदृक्विगतअतिस्वपरमतिपरमरतिविरति
तवचक्रपानी॥देवविश्वउपकारहितव्यग्रचित्तसर्वदात्य-
क्तमदमन्युकृतपुन्यरासी॥यत्रतिष्ठंतितत्रैवअजसर्वहं
रिसहितगच्छंतिक्षीराब्धीवासी॥देववेदपयसिंधुसु-
विचारमंदरमहाअखिलमुनिवृंदनिर्मथनकर्ता॥सार

सतसंगउद्भूतस्त्रनिनिश्चितंवदतश्रीकृष्णवैदर्भिभर्त्ता॥देवशो-
कसंदेहभयहर्षतमतर्षगनसाधुसंयुक्तिविच्छेदकारी॥यथा
रघुनाथसायकनिशाचरचमूनिचयनिर्दलनपटुवेगभारी॥
देवयत्रकुत्रापिममजन्मनिजकर्मवसभ्रमतजगजोनिसंकट
अनेकं॥तत्रत्वद्भक्तिसज्जनसमागमसदाभवतुमेरामवि-
श्राममेकं॥देवभलभवजनितत्रैव्याधिभेषजभक्तिभक्त —
भैषज्यमद्वैतदरसी॥संतभगवंतअंतरनिरंतरनहीकिमपि-
मतिविमलकहेदासतुलसी॥५७॥देवदेहीअवलंबकरकम
लकमलारमनदमनदुःखसमनसंतापभारी॥ज्ञानराकेसं-
ग्रासनविदुंतुददलनकामकरिमत्तहरिदूषनारी॥टेक॥दे
ववपुषब्रह्मांडसुप्रवृत्तिलंकादुर्गरचितमनदनुजमयरूपधारी
विविधकोसौधअतिरुचिरमंदिरनिकरसत्वगुनप्रमुखत्रयक
टककारी॥देवकूनपअभिमानसागरभयंकरघोरविपुलअ
वगाहदुस्तरअपारं॥नक्ररागादिसंकुलमनोरथसकुलसंग
संकल्पवीचीविकारं॥देवमोहदशमौलितदभ्रातअहंकारपा
कारिजितकामविश्रामहारी॥लोभअतिकायमत्सरमहोदर
दुष्टक्रोधपापिष्टविबुधांतकारी॥देवद्वेषदुर्मुखदंभखरअकं
पनकपटदर्पमनुजादमदशूलपानी॥अमितबलपरमदुर्जय
निशाचरनिकरसहितषडवर्गगोजातुधानी॥देवजीवभव
दंघ्रीसेवकविभीषनवसतमध्यदुष्टाटवीग्रसितचिंता॥नि
यमगमसकलसुरजोगलोकेशलंकेशवसनाथअत्यंतभी-
ता॥देवज्ञानअवधेसग्रहगेहनीभक्तिशुभतत्रअवतारभू

भ्भारहर्त्ता॥ भक्तसंकष्टमवलोक्यपितुवाक्यकृतगवनकि
योगहनवैदेहिभर्त्ता॥ देवकैवल्यसाधनभ्भखिलभालुमर्क
टविपुलज्ञानसुग्रीवकृतजलधिसेतु॥प्रबलवैराग्यदारुण
प्रभंजनतनयविषयवनदहनमीवधुमकेतु॥देवदुष्टदनुजे
सनिरवंसकृतदासहितविश्वदुखहरनबोधैकरासी॥भ्भनु
जनिजजानकिसहित हरिसर्वदादासतुलसीहृदयकमल
वासी॥५८॥देवदीनउद्धरनरघुवर्यकरुनाभवनसमनसंतापपापौघ
हारी॥विमलविज्ञानविग्रहभ्भनुग्रहरूपभूपवरविबुधनर्मदखरा
री॥टेक॥देवसंसारकांतारभ्भतिघोरगंभीरघनगहनतरुकर्मसं
कुलमुरारी॥वासनावल्लिखरकंठकाकुलविपुलनिविडविटपाटविकठि
नभारी॥देवविविधिवितवृत्तिखगनिकरसेनोलूककाकबकगृद्धभ्भा
मिषभ्भहारी॥ भ्भखिलखलनिपुनछलछिद्रनिरखतसदा-
जीवजनपथिकमनखेदकारी॥ देवकोपकरिमत्तमृगराज
कंदर्पमददर्पवृकभालुभ्भतिउग्रकर्मा॥महिषमत्सरक्रूरलो
भसूकरस्यारफेरुछलदंभमार्जारधर्मा॥ देवकपटमर्कटविक
टव्याघ्रपाखंडसुखदुखदमृगव्रातउतपातकर्त्ता॥हृदयभ्भव-
लोकियहसोकसरनागतपाहिमांपाहिमांविश्वभर्त्ता॥देव
प्रबलभ्भहंकारदुर्घटमहिधरमहामोहगिरिगुहानिबिडांध-
कारं॥चितवेतालमनुजादमनप्रेतगनरोगभोगौघवृश्चिकवि-
विकारं॥ देवविषयसुखलालसादंसमसकादिखलझिल्लि
रूपादिसबसर्पस्वामी॥तत्रभ्भाक्षिप्ततवविषममायानाथभ्भ
धर्मयमंदव्यालादिगामी॥देवघोरभ्भवगाहभवभ्भापगापा-

पजलपूरदुःषेध्यदुस्तरअपारा॥मकरषडवर्गगोनक्रचक्रा
कुलाकुलशुभअशुभदुःखतीव्रधारा ॥ देव सकलसंघ
टयोच्चसोच्चवसस्सर्वदादासतुलसीविषमगहनग्रस्तं॥त्राहि
रघुवंसभूषणकृपाकर कठिनकालविकरालकलित्रासत्रस्तं
॥५९॥ देवनौमिनारायणंनरंकरुणायनंध्यानपारायणंज्ञा
नमूलं॥अखिलसंसारउपकारकारणसदयहृदयतपनि
रतप्रणतानुकूलं॥टेक॥देवश्यामनवतामरसदामद्युतिव
पुषछविकोटिमदनार्कअगिनीत्तप्रकाशं॥तरुनरमनीय
राजीवलोचनललितवदनराकेसकरनिकरहासं॥देवक
ऊसौंदर्यनिधिविपुलगुणधामविधिवेदबुधसंभुसेवित
अमानं॥अरुणपदकंजमकरंदमंदाकिनीमधुपमुनिवृं
दकुर्वंतिपानं॥देवशक्रप्रेरितघोरमारमदभंगकृतक्रोध
गतबोधरतब्रह्मचारि॥मार्कंडेयमुनिवर्ज्यहितकौतुकी
विनहिकल्पांतप्रभुप्रलयकारी॥देवपुन्यवनशैलसरिव
द्रिकाश्रमसदासीनपद्मासनंएकरूपं॥सिद्धजोगींद्र
वृंदारकानंदप्रदभद्रदायकदर्शअतिअनूपं॥देवमान
मनभगचितभंगमदक्रोधलोभादिपर्वतदुर्गभुवन-
भर्ता॥द्वेषमत्सरराग प्रबलप्रत्यूहअतिभूरिनिर्दयक्रूर
कर्मकर्त्ता॥देवविकटतरवक्रक्षुरधारप्रमदातीव्रदर्पकं
दर्पखररखड्गधारा॥धीरगंभीरमनपीरकारकतत्र केव
राकावयंविगतसारा॥देवपरमदुर्घटपंथखलअसंगत्त
साथनाथनहिहाथवरविरतिनियष्टी॥दरसनारतदा-

सत्रसितमायापासत्राहिहरित्राहिहरिजानीकष्टी॥देवदास
तुलसीदिनधर्मसंबलहीनश्रमितअतिषेदमतिगेहग्रासी
॥देहिअवलंबनविलंबअंभोधजकरचक्रधरतेजबलसर्म
रासि॥५९॥देवसकलसुखकंदआनंदवनपुन्यकृतबिंदु
माधवद्वंद्वविपतिहारि॥यस्यांघ्रिपाथोजअजसंभुसनका
दिशुकशेषमुनिवृंदअलिनिलयकारी॥टेक॥देवअमलमर
कृतश्यामकामसतकोटिछबिपीतपटतडितइवजलदनीलं॥
अरूनसतपत्रलोचनविलोकनिचारुप्रनतजनसुखदक
रुणाब्धिसीलं॥देवकालगजराजमृगराजदनुजेसवनदह
नपावकमोहनिसिदिनेसं॥चारिभुजचक्रकौमोदकीज
लजदरसरसिजोपरिजथाराजहंसं॥देवमुकुटकुंडल
तीलकअलकअलिव्रातइवभृकुटीद्विजअधरवरचारु
नासा॥रुचिरसुकपोलदरग्रीवसुषसीवहरिइंदुकरकुं
दमिवमधुरहासा॥देवउरसीवनमालसुविसालनवमं
जरीभाजश्रीवत्सलांछनमुदारं॥परमब्रह्मण्यअतिध
न्यगतमन्युअजअमितबलविपुलमहिमाअपारं॥देव
हारकेयूरकरकनककंकनरतनजटितमनिमेखलाकटि
प्रदेशं॥जुगलपदनूपुरामुखरकलहंसरवसुभगसर्वां
गसौंदर्य्यवेषं॥देवसकलसौभाग्यसंजुक्तत्रैलोकश्रीदक्ष
दिसीरुचिरवारिसकन्या॥वसतविबुधापगानिकटत
टसदनवरनयननिरषंतिनरतेतिधन्या॥देवअखिलमं
गलभवननिबिडसंसयसमनदमनवृजिनाटविकष्टह-

र्त्ता॥ विश्वकृत विश्वहित अजित गोतीत शिव विश्वपालन हरन विश्व
कर्ता॥ देवज्ञानविज्ञानवैराग्यऐश्वर्यनिधिसिद्धिअनिमादिदेसूरिदा
नं॥ ग्रसितभवव्यालअतित्रासतुलसीदासत्राहिश्रीरमनउरगारि
जानं॥ ६० ॥ रागअसावरी॥ इहैपरमफलपरमबडाईनषसिषरु-
चिरबिंदुमाधवछबिनीपहुनयनअघाई॥ टेक॥ बिषदकिसोरपीन
सुंदरवपुस्यामसरुचिअधिकाई॥ नीलकंजवारिदतमालमनि
इनतनतेदुतिपाई॥ मृदुलचरनशुभचिन्हपदजनषअतिअभूत
उपमाई॥ अरुननीलपाथोजप्रसवजनुमनिजुतदलसमुदाई॥
जातरूपमनिजडितमनोहरनूपुरजनसुषदाई॥ जनुहरउरह
रिबिबिधिरूपधरिरहेवरभवनबनाई॥ कटितटरटतिचारुकिं-
किनीरवअनुपमवरनीनजाई॥ हेमजलजकलकलिनमध्यजा
नुमधुकरसुपरसोहाई॥ उरबीसालभृगुचरनचारुअतिसन्त
तकोमलताई॥ कंकनहारविविधिभूषनविधिरचेनिजकरमनुला
ई॥ गजमनिमालबिचभ्राजतकहिजातनपदिकनिकाई॥ जनु
उडगनमंडलवारिदपुरनवग्रहरचीअथाई॥ भुजभोगभुजदंडकं
जदरचक्रगदाबनिआई॥ सोभासीवग्रीवचीवुकाधरवदनअमि
तछविछाई॥ कुलिसकुंदकुडमलदामिनिदुतीदसननदषिलजा
ई॥ नासानयतकपोलललितश्रुतीकुंडलभ्रूमोहिभाई॥ कुंचित
कचसिरमुकुटभालपरतिलककहोंसमुझाई॥ अलपतडितजु
गरेषइंदुमुझरहितजिचंचलताई॥ निर्मलपीतदुकूलअनुपम
उपमाहियनसमाई॥ बहुमनिजुतगिरिनिलसिषरपरकनक
वसनरुचिराई॥ दक्षभागअनुरागसहितइंदिराअधिकललि

ताई॥ हेमलताजनुतरुतमालढिगनिलनिचोलुचोढाई॥ सनसा
रदासेषश्रुतोमिलिकरिसोभाकहिनसिराई॥ तुलसीदासमतिमं
दद्वंद्वरतकहैकौनबिधीगाई॥ ६१॥ जैनर्थीमनइतनोइहैंथातनन-
कोपरमफल॥ सवअंगसुभगबिंदुमाधवछबितजिसुभाऊअवन
लोकुएकफल॥ टेक॥ तरुनअरुनअंभोजचरनमृदुनपदुतिहृ
दयतिमिरहारी॥ कुलिसकेतुजवजलजरेषवरअंकुसजनमग
बसकारी॥ जटितकनकमनिनूपुरमेपलकटितटरटितमधुरवा
नी॥ त्रिवलिउदारगंभीरनाभिसरजहंउपजेबिरंचिज्ञानी॥ उरव
नमालपदिकअतिसोभितविप्रचरननितकहुंकरषे॥ स्यामता
मरसदामवरनवपुपीतवसनसोभावरषे॥ करकंकनकेयूरमनो
हरदेतिमोदमुद्रिकन्यारी॥ गदाकंजदरचारुचक्रधरनागसुंडस
मभुजचारी॥ कंबुग्रीवछविसींवचीवुकद्विजअधरअरुनउन्न
तनासा॥ नवराजीवनयनससिआननसेवकसुखदविषदहासा
॥रुचिरकपोलश्रवनकुंडलसिरमुकुटसुतिलकभालभ्राजे॥ ल
लितभृकुटिसुंदरचितवनिकचनिरषिमधुपअवलिलाजे॥ रूप
सीलगुनखानिदच्छदिसिसिंधुसुतारतपदसेवा॥ जाकीकृपा
कटाछचहतसिवविधिमुनिमनुजदनुजदेवा॥ तुलसीदासभ
वत्रासमिटैतवजवमनयेहिसरूपअटकै॥ नाहितवदिनमलिन
हिनसुखकोटिजनमभ्रमिभ्रमिभ्रमिभटकै॥ ६२॥ रागवसंत॥ वंदों
रघुपतिकरुणानिधान॥ जातेछूटहिभवभेदज्ञान॥ टेक॥ रघुवं
शकुमुदसुखप्रदनीसेस॥ सेवितपदपंकजअजमहेस॥ निजभ
क्तहृदयपाथोजभृंगलावन्यवपुषअगिनीतअनंग॥ अतिप्रव

लमोहतममारतंड ॥ अज्ञानगहनपावकप्रचंड॥ अभिमानसिंधुकुंभजउदार ॥सुररंजनभंजनभूमिभार॥ रागादिसर्पगनपन्नगारी॥ कंदर्पनागमृगपतिमुरारी ॥ भवजलधिपोतचरनारविंद॥जानकीरमनआनंदकंद॥ हनुमंतप्रेमवापिमराल ॥निःकामकामधुकगोदयाल॥ नयलोकतिलकगुनगहनराम ॥कहतुलसीदासविश्रामधाम ॥६३॥ रागभैरव ॥ रामरामरमुरामरामजपुरामरामरदुजीहा ॥ रामनामनवनेहमेहकोमनहठिहोहिपपीहा॥टेक॥ सबसाधनफलकूपसरितसरसागरसलिलनिरासा ॥ रामनामरतिस्वातिसुधासुभसीकरप्रेमपिआसा॥ गरजितरजोपाषानपरूषपविप्रीतिपरषिजियजानो ॥अधिकअधिकअनुरागउमगउरपरपरमितिपहिचानो॥ रामनामगतिरामनाममतिरामनामअनुरागी ॥ हैगएहैंजेहोहिगेतेत्रिभुवनगनियेत्तवडभागी ॥ एकअंगमगअगमगवनकरूविलंबनछलछिनछाहैं॥तुलसीहितअपनोअपनिदिसिनीरूपधिनेमनिवाहे॥६४॥ रामजपुरामजपुरामजपुवावरे॥ घोरभवनीरनिधिनामनिजनावरे॥टेक॥ एकहिसाधनसवरिधिसिधिसाधीरे॥ग्रसेकलिरोगजोगसंजमसमाधिरे॥ भलोजोहैपोचजोहैदाहितोजोवामरे॥ रामनामहींसोंअंतसवहिसोकामरे॥जगनभवाटिकारहिहैफलिफुलरे ॥धुवांकेसोधोरहरदेषितूंनभूलरे॥ रामनामछोडिकोभरोसोकरैऔररे ॥ तुलसीपरोसोत्यागीमागेकूरकोररे॥ ॥६५॥ ॥ ॥रामनामजपुजीपुसदा

सानुरागरे॥ कलिनविरागजोगजागतपत्यागरे॥ टेक॥ रामना
मसुमिरनसबविधिहिकोराजुरे॥ रामकोविसारिवोनिषेदस
रताजुरे॥ राममनाममहामनिफनिजगजालरे॥ मनिलियफ
निजियव्याकुलवेहालरे॥ रामनामकामतरुदेनफलचारिरे॥
कहतपुरानवेदपंडितपुरारिरे॥ रामनामप्रेमपरमारथको
साररे॥ रामनामतुलसीकोजीवनअधाररे॥ ६६॥ रामरा
मरामजीवजोलोंतूनजपिहैं॥ तोलोंतूंकहांजाइतिहूंतापतपि
है॥ टेक॥ सुरसरितीरविनुनिरदुखपाइहै॥ सुरतरुतरेतो
हिदारिदसताइहै॥ जागतवागतसपनेनसुखसोइहै॥ ज
नमीजनमीजुगजुगजगरोइहै॥ छूटिवेकोजतनविसेषवां
धोजाइगो॥ ह्वैहैविषभोजनसुधासोसानिपाइगो॥ तुलसी
तिलोकतिहूंकालतोसेदीनको॥ रामनामहीकीगतिजैसेजल
मिनको॥ ६७॥ सुमिरिसनेहसोतूंनामरामरामरायको॥ सं
बरनिसंबरीकोसबभांतिसहायको॥ टेक॥ भागहैअभागेहि-
कोगुनगुनहीनको॥ गाहकगरीबकोदयालदानीदीनको॥ कु
लअकुलिनकोसुनेनकोऊभाषिहै॥ पागुरेकेहाथपायआं
धरेकोआंषिहै॥ मायबापभूषेकोअधारनिराधारको॥ सं
तुभवसागरकोहेतुसुखसारको॥ पतीतपावनरामनामसो
नदूसरो॥ सुमिरिसुभूमीभयोतुलसीसोऊसरो॥ ६८॥ भलो
भलिभातिहैजोमेरेकहेलागिहै॥ मनरामनामसोसुभायेअ
नुरागिहै॥ टेक॥ रामनामकोप्रभाऊजानिजुडिआगिहै॥
सहितसहायकलिकालभीरभागिहै॥ रागरामनामसोविरा

मजोगजागिहै॥वामविधिमालहूनकरमदागदागिहै॥रामना
ममोदकसुधासनेहपागिहै॥पाइपरितोषतूंनद्वारद्वारवागि
है॥रामनामकामतरुजोईजोईमांगेहै॥तुलसीदासस्वारथप
रमारथौनषांगिहै॥७०॥ऐसहसाहिवकोसेवाकोहोतचोररे
॥आपनिनवूझैनकहैकांराडरोररे॥सुनिमनअगमसुगम
मायवापसोकृपासिंधुसहजसखासनेहीआपसो॥लोकवे
दविदितवडोनरघुनाथसो॥सवदिनसबदेससवहिकेसा-
थसो॥स्वामीसर्वज्ञसोचलैनचोरिचारकी॥प्रीतिपहिचा
नियहरितिदरवारकी॥कायनकलेसलेसलेतमानिमनकी॥सु
मिरिसकुचरुचिजोगवतजनकी॥रीझेवसहोतषोजेदेतनि
जधामरे॥फलतसकलफलकामतरूनामरे॥वेचेषोटोदामन
मिलैनराषैकामरे॥सोउतुलसीनोवाजोऐसोराजारामरे॥
॥७१॥मेरोभलोकीयोरामआपनिभलाईहौंतोसांई॥दोहपै
सेवकहितसाई॥रामसोवडोहैकोनमोसोकोनछोटो॥राम-
सोषरोरवसमसोसोषलषोटो॥लोककहैरामकोगुलामहौं
कहावो॥एतोबडोअपराधमनभौनपावो॥पायमाथेचढेतृ
नतुलसीज्योनीचो॥वोरतनवारीताहिजानीआपसीचो॥७२
॥जागुजागुजागुजीवजोहैजगजामीनो॥देहगेहनेहजानि-
जैसेघनदामिनी॥सूतेसपनेहिसहेसंसृतिसंतापरे॥वुडो
मृगवारिखायोजेवरीकेसापरे॥कहैवेदवुधतुतोवूझीमन
माहिरे॥दोषदुषसपनेकेजागेहीपैजाहीरे॥तुलसीजागेते
जायतिहूंतापतायरे॥रामनामसूचिरुचिसहजसुभायरे॥

॥७३॥ रागविभास॥ जानकीसकीकृपाजगावतीसुजानजीव
जागीत्यागीमूढताअनुरागश्रीहरे॥ करिविचारतजिविकारभजि
उदाररामचंद्रभद्रसिंधुदीनबंधुवेदवदतरे॥ टेक॥ मोहमयकु-
हुनिसविशालकालविपुलसोयोषोयोसोअनूपरूपस्वपनजू
परे॥ अबप्रभातप्रगटज्ञानभानुकेप्रकासवासनासरोगमो
हद्वेषनिबिडतमटरे॥ भागेमदमानचोरभोरजानोजातुधा
नकामक्रोधलोभक्षोभनिकरअपडरे॥ देखतरघुबरप्रता
पवितेसंतापपापतापत्रिविधिप्रेमआपदूरिहिकरे॥ श्रवन
सुनिगिरागंभिरजागेअतिधीरवीरवरविरागतोषसकल
संतआदरे॥ तुलसीदासप्रभुकृपालनिरखिजीवजनविहा
लभज्योभवजालपरममंगलाचरे॥७४॥ रागललित॥ षो
टोषरोरावरोहोंरावरिसोंरावरसोंझूठक्योंकहोंगोजानोस
बहीकेमनकी॥ करमवचनहियेकहोंनकपटकियेऐसेहु
ठजैसेगांठीपानिपरेसनकी॥ टेक॥ दूसरोभरोसोनहिवा
सनाउपासनाकीवासववविरंचिसुरनरमुनिगनकी॥ स्वार
थकेसाथीमेरेहाथीसोनलेवादेईकाहूतोनपीररघुवीरदीनज
नकी॥ सांपसभासावरलवारभएदेवदिव्यदुसहसासतिकी
जैआगेहेयातनकी॥ सांचेपरेपावोंपानपांचमेपनप्रवानतु
लसीचातकआसरामस्यामघनकी॥७५॥ रामकोगुलाम
नामरामबोलारामराख्योकामइहैनामद्वैहोंकबहूकहतहों
॥रोटिलूगानीकेराषैआगेहूकोवेदभाषैभलोद्वैहैतेरोताहतेआ
नंदलहतहों॥ टेक॥ बांध्योंहोंकरमजडगरभगूढनिगडसुन

तदुसहहौंतौसाँसतिसहजहौं ॥आरतअनाथनाथकोसल
पालकृपाललिन्हौंछीनीदिनदेखौंदुरितदहतुहौं॥बूझ्योज्यौं
हिकह्योंमैंहूचेरोह्वेहौंरावरोज्यूमेरेकोउकहूनाहींचरनग
हतहौं॥मीजोगुरपीठअापनाइगहिवाहबोलिसेवकसुखदस-
दाविरदवहतुहौं॥लोगकहेपोचसोनसोचुनसकोचुमेरेव्याह
नवरेषीजातिपातिनचहतुहौं॥तुलसीकाजअकाजरामहिके
रिझेषिझेप्रीतिकोप्रतितीमनमुदितरहतुहौं॥७५॥जानकीके
जीवनजगजीवनजगतहितगदीसरघुनाथराजीवलोचनरा
म॥सरदविधुवदनसुषसीलश्रीसदनसहजसुंदरतनसोभा
अगिनोतकाम॥टेक॥जगसुपीतासुमातुसुगुरुसुहितमीत
सवकोदाहीनोदीनवंधुकाहूकोनवाम॥आरतिहरनसरनद
अतुलितदानिप्रनतपालकृपालपतितपावननाम॥
सकलविस्ववंदितसकलसुरसेवितआगमनिगमकहेराव
रेईगुनग्राम॥इहेजानिकेतौतुलसीतिहारोजनभयोन्यारो
कैगनिवोजहांगनेगरीबगुलाम॥७६॥रागटोडी॥देवदीन-
नकोदयालदानिदूसरोनकोउ॥जासोदीनताकहौंमैदेषोदी
नसोरु॥टेक॥देवसुरमुनिनरनागअसुरसाहीबतौघसे
रे॥तौलौंजौलौंरावरेननेकनयनफेरे॥देवत्रिभुवनतिहुका
लविदितवदतवेदचारी॥आदिअंतमध्यरामसाहिवीतिहा
रि॥देवतुमहिमागिमागनोनमागनोकहायो॥सुनीसुभा
वसीलसुजसजाचनजनआयो॥देवपाहनपसुविटपविहं
गअपनेकरिलीन्हे॥महाराजदशरथकेतैरंकराउकीन्हे॥

देवतूगरीबकोनेबाजहौंगरीबतेरो॥ वारिककहियेकृपालतुल
सीदासमेरो॥७७॥ देवतूंदयालदीनहौंतूदानिहौंभिषारी॥
हौंप्रसिद्धपातकीतूपापपुंजहारि देवनाथतूंअनाथकोअनाथ
कौनमोसो॥ मोसमानआरतनहिंआरतहरतोसो॥ देवब्रह्म
तूंहौंजीवतूंठाकुरहौंचेरो॥ तातमातुगुरसषातुसबविधि-
हितमेरो॥देवतोहिमोहिनातेअनेकमानियेंजोभावें ॥ज्योंन्यों
तुलसीकृपालचरनसरनपावें॥७८॥ देवऔरकाहीमागियें
जोमागिबोनिवारें॥ अभिमतदातारकौनदुखदारिद्रदारें॥द
क॥देवधरमधामरामकामकोटिरूपरूरो॥ साहेबसबविधि
सुजानदानखङ्गसूरो॥देवसूसमयदिनद्वैनिसानसबकेद्वा
रबाजेकुसमयदसरथकेदानितेंगरिबनेवाजे॥ देवसेवाबि
नुगुनविहीनदीनतसुनाए॥जेजेतैंनिहालकियेंतेफूलेफिर
तपाए॥ देवतुलसीदासजाचतरुचिजानिदानदिजे॥ रामचं
द्रचंद्रतूंचकोरमोहिकीजे॥७९॥दीनबंधुसुखसिंधुकृपा
करकारुनीकरघुराई॥ सुनहुनाथमनजरतत्रिविधिजर-
करतफिरतबौराई॥ कबहुजोगतभोगनिरतसठहाठवि
योगवसहोई॥ कबहुमोहबसद्रोहकरतबहुकबहूंदयाअ
तिसोई॥कबहूदिनमातिहिनरंकतरकबहुभूपअभिमानि
॥कबहूमूढपंडितविडंबतरकबहुधर्मरतज्ञानी॥कबहूदे-
षीजगधनमयरिपुमयकबहुनारिमयभासे॥ संसृतिस
न्निपातदारुनदुषविनुहरिकृपाननासे॥संजमजपतने
मधर्मव्रतबहुभेषजसमुदाई॥तुलसीदासभवरोगरा-

मपदप्रेमहिननहिंजाई॥८०॥ मोहजनितमललागविवि-
धविधिकोटिहुजतननहाई॥जन्मजन्मअभ्यासनिरतचित
अधिकअधिकलपटाई॥ नयनमलिनपरनारिनिरखिमनमलिन-
विषयसंगलागे॥हृदयमलिनवासनामानमदजीवसहजसु
खत्यागे॥परनिंदासुनिश्रवनमलिननएवचनदोषपरगाये
॥सबप्रकारमलभारलागनीजनाथनचरनविसराए॥तुल-
सीदासव्रतदानज्ञानतपशुद्धिहेतुश्रुतिगावै॥रामचंद्रअनु
रागनीरबिनुमलअतिनासनपावे॥८१॥जयतश्रीराग॥
॥वकुछैनआईगयोजनमजाय॥ अतिदुर्लभतनपायकपटत
जिभजेनरामममनवचनकाय॥ टेक॥लरिकाईबीतोअचेतचित्त
चंचलताचौगुनेचाय॥जोबनज्वरजुवतिकुपथ्यकरिभयोत्रि
देषभरेमदनवाय॥मध्यवयसधनहेतुगँवाईकृषीबनीजना-
नाउपाय॥ रामविमुषसुषलह्योनसपनेहुनिसीवासरतयो
तिहूँताय॥सेयेनहिसीतापतिसेवकसाधुसुमतिभलेभगति
भाय॥सुनेनपुलकीतनकहेनमुदितमनकियेजेचरितरघुवं
सराय॥ अवसोचतमनिबिनुभुअंगज्यौंविकलअंगदलेज
राघाय॥ सिरधुनिधुनिपछितातमीजिकरकोउनमीतहीतदु
सहदाय॥जिन्हलगिनीजपरलोकविगार्यौतेलजातहादेखा
य॥तुलसीअजहुसुमिरिरघुनाथहितयौगयंदजाकेएक
नाथ॥८२॥ तौलूपन्हितेंहौमनमौजिहाथ॥भयोहेसुगम-
तोकौंअमरअगमतनुसमुझिधौकतषोवतआकाथ॥टेक॥
सुखसाधनहरिविमुषवृथाजैसेश्रमफलघृतहितमथेपाथ॥

यहीविचारितजिकुपथकुसंगतिचलिउरुअंथयपिकुमनसाय॥दे
खुरामसेवकसुनिकीरतिरटहिनामकरिगाननगाथ॥हृदयआ
नुधनुबानपानिप्रभुलसेसुनिपटकटिकसेसाथ॥तुलसीदा
सपरिहरियपंचसबनाउरामपदकमलमाथ॥जनिडरपहितो
सेअनेकषलअपनायेजानकीनाथ॥८३॥धनाश्री॥मन-
माधोकोनेकुनिहारहि॥सुनुसठसदारंककेधनज्यों॥छिन-
छिनप्रभुहिसभारहि॥टेक॥सोभासिलज्ञानगुनमंदिरसुंद
रपरमउदारहि॥रंजनसंतअखिलअघगंजनभंजनविषयवि-
कारहि॥जोविनुजोगजज्ञव्रतसंजमगयोचहैभवपारहि॥-
तौजानितुलसिदासनिसिवासरहरिपदकमलविसारहि॥
॥८४॥इहैकह्योसुनवेदचहूंओरघुविरचरननिंतनतजिना
हीनटौरकहूं॥टेक॥जाकेचरनविरंचिसेइसिधिपाईसंकुर
हूं॥सुकसनकादिकमुक्तविचरततेउभजनकरतअजहूं॥
जद्यपिपरमचपलश्रियसंततथिरनरहतिकतहूं॥हरिपद
पंकजपाईअचलभइकरमवचेनमनहूं॥करुनासिंधुभग
तचिंतामनिसोभासेवतहूं॥औरसकलसुरअसुरइस-
वसषाएउरगछहूं॥सूरुचिकह्योसोईसत्यतातअतिपरु
षवचनजवहूं॥तुलसिदासरघुनाथविमुखनहिंमिटैवि
पतिकवहूं॥८५॥सुनुमनमूढसिषावनमेरो॥हरिपदविमु
खकाहूनलह्योसुषसटयहसमुझिसवेरो॥विछुरेरविस
सिमननैननितेपावतदुखबहुतेरो॥भ्रमितश्रमितनिसि-
दिवसगगनमहंतहंरिपुराहुवडेरो॥जद्यपिअतिपुनित

सुरसरितातिहूपुरस्रुजसघनेरो॥ तजेचरनअजहूनमिटत
नितबहिबोताहूकेरो॥ मिटेनविपतिभजेबिनुरघुपतिश्रुतिसं
देहनिवेरो॥तुलसिदाससबआसछाडिकरिहोहिरामकोचे
रो॥८६॥ कबहुतोंमनविश्रामनमान्यौनिसिदीनभ्रमतविसा
रिसहजस्रुषजहँतहँइंद्रिनतान्यो॥टेक॥जदपिविषयसंगस
हतदुसहदुषविषमजालअरुझान्यो॥ तदपिनतजतमूढ
ममतावसजानतहूनहिजान्यो॥जन्मअनेककियेनानावि
धिकरमकिंचचितसान्यौ॥ होइनविमलविवेकनीरविनुवेदपुरा
णबरवान्यो॥ निजहितनाथपितागुरुहरिसोहरषिहृदयनहि-
आन्यो॥तुलसिदासकवतृषाजाइसररवनतहिंजन्मसिरान्यौ
॥८७॥ मेरोमनहरिजूहठनतजे॥ निसिदिननाथदेउंसिरवब
हुविधिकरतस्रुभावउनिजे॥ज्योंयुवतिअनुभवतिप्रसवअ
तिदारुणदुरवउपजे॥ ह्वैअनुकूलविसारिशूलसठपुनिषल
पतिहिभजे॥लोलपभ्रमतगृहपशूज्योंजहतहासिरपदत्रा
णवजे॥ तदपिअधमविचरततिहीमागरगकवहूनसुढलजे
॥होहास्योकरियतविविधाविधअतिशयप्रवलअजे॥तल
सिदासवसहोईतवेजवप्रेरकप्रभुवरजे॥८८॥ ऐसीमूढता
यामनकी॥ परिहरिरामभक्तिसुरसरित्ताआसकरतओस
नकी॥ धूमसमूहनिरखिचातकज्यौंतृषतजातिमतिघनकी
॥नहितहशितलतानवारिपुनिहानिहोतलोचनकि॥ज्यों
गचकांचविलोकिसेनजडछांहआपनेतनकी॥ टूटतअति
आतुरअहारवसछतिविसारिआननकि॥ कहूलोकहों-

कृपालकृपानिधिजानत होगतीजनकी ॥तुलसी दासप्रभुह
रहुदुसहदुखकरहुलाजनिजमनकि॥ ८९॥ नाचत हिनिशि
दिवसमस्यो ॥तवहीतेनभयोहरिथिरजवतेजिवननामधस्यो॥
बहुवासनाविविधिकंचुकीभूषणलोभादिभस्यो ॥ चरच्यरु
अचरगगनजलथलमे कौनस्वागुनकस्यो ॥ देवदनुजमुनि
नागमनुजनहिजाँचतकोउउवस्यो ॥मेरोदुसहदरिद्रदोषदु
खकाहूतेनहस्यो ॥ थकेनयनपदपाणिसुमति बलसंग सक
लबिछुस्यो॥ अवरघुनाथशरणआयोजनभवभयविकलड
स्यो ॥जेहिगुणतेवसीहोहिरीझीप्रभुसोमोहि सबविसस्यो ॥
तुलसीदासनिजभवनद्वारप्रभुदिजेरहनपस्यो॥ ९०॥ माधो
जूमोसममंदनकोऊ ॥जद्यपिमीनपतंगहीनमतिमोहिनपू
जैदोऊ॥ रुचिररूपआहारवस्याउन्हपावकलोहनजान्यो
॥देखतविपतिविषयनतजतहोनातेअधिकसयान्यो॥ महा
मोहसरिताअपारमहसंततफिरतवह्यो॥ श्रीहरिचरण-
कमलनौकातजिफिरिफिरीफेनुगह्यो॥ अस्तिपुरानछुधित
स्वानलषिज्योंभरिमुखपकस्यो॥ निजतालुकगतरुधिरपा
नकरिमनसंतोषभस्यो ॥परमकठिनभवव्यालग्रासितहोत्
षितभयोअतिभारी॥ चाहतअभयभेकशरणागतषगप
तिनाथबिसारी॥जलचरवृंदजालअंतरगतहोतसिमि-
टिएकपास ॥ एकहिएकषातलालचवसनहिदेखतनिज
नास॥ मेरेअघसारदअनेकयुगगणतपारनहिसावे॥
तुलसीदासपतितपावनप्रभुयहभरोसजियआवे॥९१॥

कृपासोकहाविसारिराम॥जेहिकरुणासुनोश्रवणदीनदुख
आवतजिधाम॥नागराजनिजबलविचारिहियहारिचरणचि
तदीन्ह॥आरतगिरासुनतखगपतीतजिचलतविलंबनकीन्ह॥ दितिसुतत्रासत्रसितनिशिदिनप्रह्लादप्रतिज्ञाराखी॥
॥अतुलितबलमृगराजमनुजतनुदनुजहत्योश्रुतिसाखी॥
भूपसदसिसबनृपविलोकिप्रभुराखुकह्योनरनारी॥वसन
पूरिअरिदर्पदूरीकरिभूरिकृपादनुजारि॥एकएकतेरिपुत्रा
सितजनतुमराखेरघुबीर॥अबमोहिदेतदुसहदुखबहुरि
पुकसनहरहुभवपीर॥लोभग्राहदनुजेशक्रोधकुरुराजबंधुखलमार॥तुलसीदासप्रभुयहदारुणदुखभंजहुरा
मउदार॥९२॥काहेतेहरिअबमोहिबिसास्यो॥जानतनि
जमहिमामेरेअघतदपिननाथसंभास्यो॥पतितपुनितदीनहि
तअशरणशरणकहतश्रुतिचास्यो॥होंनहिअधमसभीत
दीनकीधौंवेदनमृषापुकास्यो॥खगगणिकागजव्याधपां
तिजहंतहांहोंहूंबैठास्यो॥अबकहिलाजकृपानिधानपरुस
तपनवारीफास्यो॥ज्योंकलिकालप्रबलअतिहोतोतवनिदे
शतेंन्यास्यो॥तौहरिरोषभरोसदोषगुणतेहिभजतेतजिगास्यो॥मसकविरंचिविरंचिमसकसमकरहुप्रभावतुम्हास्यो
॥यहसामर्थ्यअछतमोहित्यागहुनाथतहांकछुचास्यो॥ना
हिननर्कपरतमोकहुडरुजद्यपिहोंअतिहास्यो॥यहबडित्रा
सदासतुलसीप्रभुनामहुपापनजास्यो॥९४॥तेउनमेरेअ
घअवगुनगनीहैं॥जोजमराजकाजसबपरिहरियहेख्या

लउरम्रनिहै॥चलिहैछुद्रपुंजपापनिकेअसमंजसजियज
निहै॥देखिखलनअधिकारप्रभुमेरिभुरिभलाईभनिहैं॥
हंसिकरिहैपरतीतिभक्तिकीभक्तसिरोमणिमनिहैं॥ज्यौंत्यों
तुलसीदासकोसलपतिअपनाएहिपरिबनिहै॥९५॥जौपै
जियधरिहौअवगुणजनके॥तौकोकटतसुकृतनखतेंमोपै
विपुलवृंदअधवनके॥कहिहैकौनकलुषमेरेकृतकर्मवचन
अरुमनके॥हारहिंअमितशेषसारदश्रुतिगणनएकएक
क्षनके॥जोचितचढ़ैनाममहिमानिजगुनगणपावनपन
के॥तौतुलसीहितारिहौविभज्योंदसनतोरियमगनके॥९६
जोपैहरिजनकेअवगुनगहते॥तौसुरुपतिकुरुराजबालि
सोंकतहठिवैरविसहते॥जोजपयज्ञयोगव्रतवरजितकेव
लप्रेमनचहते॥तौकतसुरमुनिवरविहायव्रजगोपगेहवसि
रहते॥जोजहांतहांपनराखिभक्तकोभजनप्रभाउनकह
ते॥तौकलिकठिनकर्मनारगजडहमकेहिभांतिनिवहते॥
जोसतहिततलिएनामअजामिलकेअघअमितनदहते॥
तौएमभटसासतिहरहमषेत्रसेभरवोजिरवोजिनहते॥
जौजगविदितपतितपावनअतिबांकुरविरदनवहते॥तौ
बहुकल्पकुटिलतुलसीसेसपनेहुसुगतिनलहते॥९७॥
ऐसेहरिकरतदासपरप्रीति॥निजप्रभुताविसारिजनके
वसहोतसदायहरिति॥जेहिबांधेसुरअसुरनागनर
प्रवलकर्मकीडोरी॥सोइअविछिन्नब्रह्मयसुमतिवांध्यो
हठिसकतनछोरी॥जाकीमायावसविरंचिशिवनाचत

पारनपायो॥ करतलतालवजाइग्वलयुवतिन्हसोइनाथनचा
यो॥ विश्वंभरश्रीपतित्रिभुवनपतिवेदविदितयहलिख॥बलि
सोंकछुनचलीप्रभुतावरह्वैद्विजमांगीभिख॥जाकेनामलिए
छुटतभवजन्ममरणदुखभार॥अंबरिषहितलागिकृपानि
धीसोईजनमेंदशवार॥ योगविरागध्यानजपतपकरेजेहिखो
जतमुनिज्ञानि॥वानरभालुचपलपशुपामरनाथतहांरति
मानि॥लोकपालयमकालपवनरविशशिसबआज्ञाकारि॥
तुलसिदासप्रभुउग्रसेनकेद्वारवेतकरधारि॥९८॥बिरदग
रिबनिवाजरामको॥ गावतवेदपुराणशंभुशुकप्रगटप्रभाव
नामको॥ ध्रुवप्रहलादविभीषणकपियदुपतिपंडवसुदाम
को॥लोकसुयशपरलोकसुगतिइन्हमेंकहोरामकामको॥ग
णिकाकोलकिरातआदीकविइन्हतेंअधिकवामको॥ वाजि
मेधकबकियोअजामिलगजगायेककबस्यामको॥ छलिम
लिनहिनसबहिअंगतुलसीसोक्षिणछामको॥ नामनरेश
प्रतापप्रबलजगयुगयुगचलतचामको॥ १००॥ सुनतसिता
पतिशीलसुनाऊ॥मोदनमनतनपुलकनयनजलसोनर-
खेहरखरषाऊ॥ शिशुपनतेंपितुमातुबंधुगुरुसेवकसचिव-
सषाऊ॥ कहतरामविधुवदनरिसोंहसपनेहलख्योनकाऊ
॥खेलतसंगअनुजबालकनितजुगवतअनटअपाऊ॥-
जीतहारिचुचुकारदुलारतदेतदिवावतदाऊ॥ सिलाश्रापसं
तापविगतभईपरसतपावनपाऊ॥ दईसुगतिसोनहेरि
हरषिहियचरणछुयकोपछिताऊ॥ भवधनुभंजिनिदरि

भूपतिभृगुनाथबाईगएताऊ॥ क्षमिअपराधक्षमाइपाय परिइतौनअनतसमाऊ॥कह्योराजुवनदियोनारिवसग-रिगलानिगेराऊ॥ ताकुमातुकोमनुजुगवतज्योंनिजतनम रमकुघाऊ॥ कपिसेवावसभयेकनौडेकह्योपवनसुतआऊ ॥दीबेकोनकछूरिनियोहोंधनिकतुपत्रलिखाऊ॥ अपनाए सुग्रीवविभीषणतिननतज्योंछलछाऊ॥ भरतसभासन मानिसराहतहोतनहृदयअघाऊ ॥ निजकरुणाकरतुति भक्तपरचपलतचलतचरचाहु॥ सकृतप्रणामप्रणतयशु वरणतसुनतकहतफिरिगाऊ॥ समुझिसमुझिगुणग्रा मरामकेउरअनुरागबढाऊ ॥तुलसिदासअयासरामप दपैहोप्रेमपसाऊ ॥ १०१॥ नाऊंकहांताजिचरणतुह्मारे काकोनामपतितपावनजगकिहिंअतिदीनपियारे॥ कौन देवबरदाईविरदहितहठिहठिअधमउधारे॥ खगमृग व्याधपषाणविटपजडयवनकवनसुरतारे॥ देवदनुजमु निनागमनुजसबमायाविवसविचारे॥ तिन्हकेहाथदास तुलसीप्रभुकहाअपनपोहारे॥ १०२॥ हरितुम्हबहुतअ नुग्रहकीन्हो॥ साधनधामविबुधदुर्लभतनुमोहिकृपाकरिदी न्हो॥ कोटिहुसुखकहिंजांहिंनप्रभुकेएकएकउपकार॥ तद पिनाथकछुऔरमागिहोंदिजेपरमउदार॥ विषयवारिमन मिनभिन्ननहींहोतकबहूपलएक॥ तातेसहियविपतिअति दारुणजन्मतयोनिअनेक॥ कृपाडोरिवनसीपदअंकुशपर प्रेममृदुचारो॥ एहिविधिवेधिहरहुमेरोदुखकौतुकरामत

झारो॥ हेस्रुतिविदितउपायसकलसुरके हिकेहिदिननिहोस्यो॥
तुलसिदासयहजिवमोहरजुजोईबांध्योसोइछोरयो॥१०३॥इ
हविनतिरघुबीरगुसाईं॥औरआसविस्वासभरोसोहरिजिये
कीजडताई॥चहोंनसुगतिसुमतिसंपतिकछुरिधिसिद्धीविपुल
बडाई॥हेतुरहितअनुरागरामपदबढोअनुदिनअधिकाई॥
कुटिलकर्मलैजायमोहिजहंजहअपनिबरिआई॥तहंतहं
जिनाछिणछाहुछांडिएकमठअंडकिनाई॥हेजगमेंजहाल
गियातनहियातिप्रतीतीसगाई॥तेसबतुलसीदासप्रभुहि-
सोहोंहुसिमिटिएकवाई॥१०४॥जानकोजीननकीबलीजेहों
॥चितुकहेरामसियापदपारिहरिअबनकहूंचलीजेहों॥उप
जिउरप्रतितीसपनेहुंसुखप्रभुपदविमुखनपैहों॥मनसमे
तयातनकेवासीन्हइहेसिखावनदेहों॥श्रवणनिऔरकथा
नहिसुनिहोंरसनाऔरनगेहों॥रोकीहोंनेनविलोकतऔ
रहिसिसइशहीनेहो॥नातोनेहनाथसोंकरिसबनातेनेह
निवेहों॥यहछरभारताहितुलसीजगजाकोदासकहैहों॥
॥१०५॥अबलोंनसानीअवननसेहों॥रामकृपाभवनिसा
सिरानीजाग्योफिरिनडसेहों॥पायोनामचारुचिंतामणिउ
रकरतेंनखसेहों॥स्यामरूपसुचिरुचिरकसोटिचितकं
चनहिकसेहों॥परवसजानोहस्योनिजइंद्रिनइनवसव्हेन
हसैहों॥मनमधुकरपणकरितुलसीरघुपतिपदकमलव
सैहों॥१०६॥रामकलिराग॥महाराजरामादस्योधन्यसो
ई॥गरुअगुणरासिसरवज्ञसुकृतीसुधरशीलनिधीसा

धुतेहिसमनकोई॥उपलकेवटकोसभालुनीशिचरसवरीगि
धसमदमदयादानहीने॥नामलिएरामकिएपरमपावनसक-
लनरततरततिन्हकेगुणगानकीने॥व्याधअपराधकिसाधराखी
कौनपिंगलाकौनमतिभक्तिभेई॥कौनधौंसोमजाजीअजा-
मिलअधमकौनगजराजहोवाजिपेई॥पंडुसुतगोपिकावि
दुरकुबरीसबरीशोधकियेशुधिताल्लेसकैसे॥प्रेमलषिकू
षगकुएआपनेतिन्हकौंअवसुयशसंसारहरिहरकोजेसो
॥कोलखलभिल्लयवनादिखररामकहिनीननकेऊंचपदकेनपा-
यो॥दीनदुखदवनश्रीरवणकरुणाभवनपतितपावनविरद
वेदगायो॥मंदमतीकुटिलखलतीलकतुलसीसरसभौनति-
हूलोकतिहूंकालकोऊ॥नामकिकानियहिन्चानिजनआपनोग्र
सतकलिव्यालरखशरणसोऊ॥१०७॥रागविलावल॥हौंनि
कोमेरोदेवताकोशलपतिराम॥सुभगसरोरुहलोचनसुठि
सुंदरस्याम॥सियेसमेतशोभितसदाछविअमितअनंग
॥भुजविशालसरधनुधरेकटिचारुनिखंग॥वलिपूजाचा
हननहीचाहेएकप्रित्ती॥सुमिरतहीमानेभलोपावनसव-
रीतिदेइसकलसुखदुःखदहेआरतजनबंधु॥गुणगही
अघअवगुणहरेअसकरुणासिंधु॥देशकालपूरणसदा
वदवेदपुरान॥सबकोप्रभुसबमेवसैसबकिगतिजान॥कोक
रीकोटिककामनापूजेबहुदेव॥तुलसीदासतेहिसेइएशंक
रजेहिसेव॥१०८॥विरमहाअवराधिएसाधेसिद्धिहोइ॥
सकलकामपूरणकरेजानेसबकोई॥वेगिविलंबनकीजिये

लिजैउपदेश॥महामंत्रजपिएसोइजोजपतमहेश॥प्रेमवा
रितरपणभलोघृतसहजसनेहु॥संशयसमिधीअग्नीक्षे
माममताबलिदेहु॥अघउच्चाटिमनवसकरैमारैमदमार॥
आकर्षैसुखसंपदासंतोषविचार॥जोहिएहिभांतिभजनकि
योमिलेरघुपतिताहि॥तुलसिदासप्रभुपथचढ्येजोलेहुनि
वाहि॥१०९॥कसनकरहुकरुणहरेदुखशमनमुरारी॥त्रि
विधितापसंदेहशोकसंशयभयहारि॥यहकलिकाजलनि
तमलसतिमंदमलिनमन॥तेहिपरप्रभुनहिकरसंमारिके
हिभांतिजियेन॥सबप्रकासमरथप्रभोमैंसबविधिदिन॥
यहजियजानिद्रवोनहीमैंकरमविहीन॥भ्रमतअनेकयो
निरघुपतिपतिआनममोरे॥दुखसुखसहोंरहोंसदाश
रणागततोरे॥तोसमदेवनकोउकृपालसमुझोमनमाहीं
॥तुलसिदासहरितोषिएसोसाधननाहीं॥११०॥कहुंके
हिकहियकृपानिधेभवजनितविपतिअति॥इंद्रियसकल
विकलसदानिजनिजसुभावरति॥जेसुखशंपतीस्वर्ग
नर्कसंततसंगलागि॥हरिपरहरिसोइयत्नकरतमनमो
रअभागी॥मैंअतिदीनदयालदेवसुनीमनअनुरागे॥जो
नहिबहुरघुवीरधीरकाहेनदुखलागे॥जद्यपिमैंअपराध-
भवनदुखशमनमुरारे॥तुलसीदासकहूंआसरहेबहुपति
तउधारे॥१११॥केशवकहिनजाइकाकहिये॥देखततवर
चनाविचित्रहारिसमुझीमनहिमनरहिये॥सून्यभितिपर
चित्ररंगनहिविनकुरलिखाचितेरे॥धोएमिटैनमरइभि-

तौदुखपाइययहतनहेरे॥रविकरनिरवसैअतिदारुणमक
ररूपतेहिमाही॥वदनहिनसौग्रसेचराचरपानकरजेहिजाही
॥कोउकहसत्यझूठकहकोउयुगलप्रबलकरिमाय॥तुलसी
दासपरिहरेतीनभ्रमसोआपनपहिचाने॥११२॥केशवका
रणकौनगुसाई॥जेहिअपराधअसाधुजानिमोहितज्योंअ
ज्ञकिनाई॥परमपुनितसंतकोमलचिततिन्हहितुमहिवनि
आई॥तौकतविप्रव्याधगजगनिकहितारयोकछुरहिसगाई
॥कालकर्मगतिअगतिजीवकीसबहरीहाथतुह्मारे॥सोइक
छुकरहुममतामैफिरहुनतुह्माहिविसारे॥जौतुह्मतजहुभजौ
नआनप्रभुएहप्रमानपनमोरो॥मनवचकर्मनरकसुरपुरज
हांतहँरघुबिरनिहोरे॥जद्यपिनाथउचितनहोतअसप्रभुसों
करोंढिढाई॥तुलसीदाससीदतनिशिदीनदेखततुह्मारिनि
ठुराई॥११३॥माधवअबअवनद्रवहुकेहिलेखे॥प्रणतपाल
प्रणतोरमोरप्रणजिअउंकमलपददेखे॥जवलगिमैनदीन
दयालतैमैनदासतैस्वामी॥तवलगिजोदुखसहेउकहेउनहि
यद्यपिअंतरजामी॥तेंउदारमैकृपिणपतितमैतेपुनित
श्रुतिगावे॥बहुतनातरघुनाथतोहिमोहिअबनतजेवनि
आवे॥जनकजननीगुरुबंधुसुहृदपतिसबप्रकारहित
कारी॥द्वैतरूपतमकूपपरोनहिअसकछुयत्नविचारी॥
सुनुअदभ्रकरुणावारिजलोचनमोचनभयभारी॥तु-
लसीदासप्रभुतवप्रकाशविनसंशयटरतनटारी॥११४
॥माधवमोसमानजगमांही॥सबविधिहीनजौदीनम

लिनअतिलीनविषयकोउनांहीं ॥तुमसमहेतुरहितकृपाल
आरतहितईशनत्यागी॥मैंदुखशोकविकलकृपालकेहिका
रणदयानलागी॥नाहिनकछुअवगुणतुह्मारअपराधमोर
मैंमाना॥ज्ञानभवनतनदियेहुनाथसोउपायनमैंप्रभुजाना
॥वेणुकरीलश्रीखंडवसंतहिदुषणमृषालगावै॥साररहि-
तहृतभाग्यसुरभिपल्लवसोकहहुकिमिपावैसबप्रकारमैंक-
ठिणमृदुलहरिदृढविचारजियेमोरे॥तुलसिदासप्रभुमोह
शृंखलाछूटिहितुह्मारेछोरे॥११५॥माधवमोहपासक्योंटूटे
॥वाहिरकोटिउपायकरियअभिअंतरग्रंथिनछूटे॥घृतपूर
णकराहअंतरगतशसिप्रतिविंबदिखावै॥इंधनअनलगाईक
ल्पशतअवटतनाशनपावै॥तरुकोटरमहँवसविहंगतरुका
टेमरेनजैसे॥साधनकरियविचारहिनमनशुद्धहोइनाहितै
सें॥अंतरमलिनविषयमनअतितनुपावनकरियपवारे॥म
रइनउरगअनेकयत्नवल्मीकविविधविधिमारे॥तुलसी
दासहरिगुरुकरुणाविनविमलविवेकनहोई॥विनविवेकसं
सारघोरनिधीपारनपावैकोई॥११६॥माधवअसतुम्हारि
यहमाया॥करिउपायपचिमरियतरियनाहिजवलगिकरहु
नदाया॥सुनिनीजगुणविचारकरुणानिधानकरुदाया॥
॥११७॥हेहरिकवनयत्नभ्रमभागे॥देखतसुनतविचारत
यहमननिजसुभाउनहित्यागे॥भक्तिज्ञानवैराग्यसकलसाध
नएहिलागिउपाई॥कोउभलकहउदेउकछुअसिवासनाहृद
यतैंनजाई॥जिहिनिशिसकलजीवसूतहितवकृपापात्रजन

जागे॥निजकरनिविपरीतदेषिमोहिसमुझिमहाभयलागे॥जद्य
पिभग्नमनोरथविधिवससुखइछतदुषपावै॥चित्रकारकरहि
नयथास्वारथविनचित्रवनावै॥हृषीकेशसुनिनाऊंजाऊंवलि
अतिभरोसजियमोरे॥तुलसिदासइंद्रियसंभवदुखहरेवने
हिप्रभुतोरे॥ ११८॥हेहरिकसनहरहुभ्रमभारी॥जद्यपिमृषा
सत्यभासैजबलगिनहिकृपातुम्हारि॥अर्थअविद्यामानजा
नियसंश्रितनहिजाइगुसांई॥ विनबांधेनिहवसल परव—
सपस्यौ किरकिनाई॥सपनेव्याधिविविधिवाधाजनुमृत्युउप
स्थितआई॥वैद्यअनेकउपाईकरहिजागेविनुपीरनजाई
॥ श्रुतिगुरुसाधुस्मृतिसंमतयहदृस्यसदादुखकारी॥ते
हीविनतजेभजेविनरघुपतिविपतिसकैकोटारी॥बहुउपा
इसंसारतरनकहविमलगिराश्रुतिगावै॥तुलसिदासमैमो
रगएविनजीयसुखकबहुनपावै॥११९॥हेहरियहभ्रमकी
अधिकाई॥देखतसुनतकहतसमुझतसंशयसंदेहनजा
ई॥जोजगमृषातापत्रयअनुभवहोईकहहुकेहिलेखे॥कहि
नजाइमृगवारिसत्यभ्रमतेदुषहोइविसेखे॥सुभगसंग्रय
नसोबतसयनवारिधउडतभयलागे॥कोदिहुनावनपारपा-
वसोजवलगिआपुनजागे॥अनविचाररमणिएसदासंसा
रभयंकरभारी॥समसंतोषदयाविवेकतेव्यवहारोनिगुनि
समुझियसमुझाइयदसाहृदयनहिआवै॥जेहिअनुभव
विनुमोहजनितदारुणभवविपतिसतावै॥ब्रह्मापियूषम
धुरशितलज्यौपैमनसोरसपावै॥तोकतमृगजलरूपवि-

षैकारणनिशिवासरधावै॥जेहिकेभवनविमलचिंतामणि-
सोकनकाचवटोरे॥सपनेपरवसपस्योजागिदेखतकेहि
जाईनिहोरे॥ज्ञानभक्तिसाधनअनेकसबसत्यझूठकछु
नाही॥तुलसीदासहरिकृपामिटैभ्रमयहभरोसमनमाही॥
॥१२०॥हेहरिकवनदोषतोहिदीजे॥जेहिउपाइसपनेहुदुर्लभ
भगतिसोईनिशिवासरकीजे॥जानतअर्थअनर्थरूपतम
कुपपरवएहिलागे॥तदपिनतजतस्वानअजषरज्योंफिरत
विषयअनुरागे॥भूतद्रोहकृतमोहवस्यहितआपनमैनवि
चारा॥मदमत्सरअभिमानज्ञानरिपुइन्हमहरहनिअपरा
॥वेदपुराणसुनतसमुझतरघुनाथसकलजगव्यापी॥भेदतनहि
श्रीखंडवेणुइवसारहिनमनपापी॥मैअपराधसिंधुकरुणाक
रजानतअंतरजामी॥तुलसीदासभवव्यालग्रसततवशरण
उरगारिपुगामी॥१२१॥हेहरिकवनयत्नसुखमानहुं॥ज्योंगज
दसनतथाममकरनीसबप्रकारतुम्हजानहुं॥जोकछुकहिय
करियभवसागरतरियवछपदजैसे॥रहनीआनविधीकरि
यआनहरिपदसुखपाइयेकैसे॥देषतचारुमयूरवचनशुभ
भवोलसुधाइवसीनी॥सविषउरगआहारनिष्ठुरअसय
हकरनीवहवानी॥अषीलजीववत्सलनिर्मत्सरचरणकम
लअनुरागी॥तेतवप्रीयरघुवीरधीरमतिअतिअतिसय-
नीजपरत्यागी॥यद्यपिमेम अवगुणअपार सं—
सारयोगरघुराया॥तुलसिदाससुखकारी॥तुलसीदाससं
वविधिप्रपंचजगयद्यपिझूठश्रुतिगावै॥रघुपतिभक्तिसं-

तसंगतिविनकोभवत्रासनसावै॥१२२॥मैहरिसाधनकरइन जानी॥जसत्र्प्रामयभेषजनकीन्हनसदोषकवनदरश्र्प्रानी॥स पनेनृपकहँघटेविप्रवधविकलफिरैत्र्प्रघलागे॥वाजिमेधस तकोटिकरैनहिंसुद्धहोइविनजागि॥स्रगमहँसर्पविपुलभ यदायकप्रगटहोइत्र्प्रविचारि॥बहुत्र्प्रायुधधरबलत्र्प्रनेकक रिहारिहिंमरइनमारे॥निजभ्रमतेरविकरसंभवसागरत्र्प्र तिभयउपजावे॥त्र्प्रवगाहतवोहितनौकाचढिकबहुपारनपा वे॥तुलसीदासजगत्र्प्रापुसहितजबलगिनिर्मूलनजाई॥तबल गिकल्पकोटिउपायकरिमारियततारियनहिंभाई॥१२३॥त्र्प्र सकछुसमुझिपरैरघुराया॥बिनतवकृपादयालदासहित- मोहनछुटैमाया॥वाक्यज्ञानत्र्प्रत्यंतनिपुणभवपारनपावैको ई॥निसिग्रहमध्यदीपकिवातन्हतमनिवृत्तिनहिंहोई॥जैसे काऊयकदिनदुखीतत्र्प्रतित्र्प्रसनाहिनदुखपावे॥चित्रकल्प तरुकामधेनुग्रहलिखेनविपतिनसावै॥षटरसबहुप्रकार भोजनकोउदिनत्र्प्ररुरैनबखाने॥विनवबोलेसंतोषजनि तसुखखाइसाईपैजाने॥जबलगिनाहिंनिजहृदिप्रकाश त्र्प्ररुविषयत्र्प्रासमनमाहिं॥तुलसीदासतबलगिजगयो निभ्रमतसपनेहुसुखनाहीं॥१२४॥जोनिजमनपरिहरैवि- कारा॥तोकतद्वैतजनितसंसृतदुखसंशयशोकत्र्प्रपारा॥श त्रुमित्रमध्यस्थतिनीएमनकीन्हेवरित्र्प्राई॥त्यागवग्रहवउ पेक्षनीयत्र्प्रहिहाटकतृणकीनाई॥त्र्प्रसनवसनवसनवस्तु विविधोविधिसबमणिमहरहजैसे॥स्वर्गनर्कचरत्र्प्रचरलो-

कबहुंवसततमध्यमनतेसे॥विटपमध्यपुत्रिकासूत्रमहकंचु-
किविनहिबनाए॥मनमहंतथालिननानातनप्रगटतअवस
रपाए॥ रघुपतिभक्तिवारिछालितचितविनुप्रयासहीसूझै
॥तुलसिदासकहचितविलासजगबूझतबूझै॥१२५॥ मैंअ-
तिविपतिकहऊंकेहिभारी॥श्रीरघुवीरधीरहितकारी॥ मम
हृदयभवनप्रभुतोरा॥ तहंवसेआइवहुचोरा॥ अतिशयक
ठिणकरहिवरजोरा॥ मानहिनाहिविनयनिहोरा॥ तममोह
लोभअहंकारा॥मदक्रोधबोधरिपुमारा॥अतिकरहिउप-
द्रवनाथा॥मर्दहिमोहिजानिअनाथा॥मैंएकअमितवटपा
रा॥कोउसुनेनमोरपुकारा॥भागेहुनहिनाथउवारा॥ रघुना
यककरहुसंभारा॥कहतुलसीदाससुनिरामा॥लुटहितसक
रतवधामा॥ चिंतायहमोहिअपारा॥अपयशनहिहोइतु-
म्हारा॥१२६॥ मनमेरेपानहिसिखमेरी॥जौंनिजभक्तिचहा
हिहरिकेरी॥ उरआनहिप्रभुकृतहितजेते॥ सेवहितेजेअ
पनवौंचेते॥दुःखसुखअरुअपमानवडाई॥सवसमलेष
हिविपतिविहाई॥सुनुसठकालग्रसितयहदेही॥जनितेहिलागि
दुषहिकेही॥तुलसीदासविनअसमतिआए॥मिलहिनराम
कपटलयलाय॥१२७॥मैंजानीहरिपदरतिनांही॥सपनेहु
नहिविरागमनमांहि॥ जेरघुविरचरणअनुरागे॥तिन्हसव
भोगरोगसमत्यागे॥कामभुअंगडसतजवजांही॥ विषय
निंबकटुलगतनताही॥असमंजसअसहृदयविचारी॥व
ढतसोचनितनूतनभारी॥जवकवरामकृपादुखजाई॥तु

लसिदासनहिंग्यानउपाई॥ १२८॥ कर्मोकुसनेहसहितसी तापति॥रामचरणजिनहिंग्यानगति॥जपतपतिरथयोगस माधि॥कलिमतिविकलनकछुनिरुपाधी॥करतहुंसुकृत- पापसिराहीं॥रक्तबीजसमबाढतजाहीं॥हरणएकअघ- असुरजालिका॥तुलसीदासप्रभुकृपाकालिका॥१२९॥ रुचिररसनातूरामरामरामरटत॥सुमिरतसुभसुकृतिब- ढतअघअमंगलघटत॥विनुश्रमकलिकलुषजालकटुकरा लकटत॥दिनकरकेउदैजैसेतिमिरतोमफटत॥योगयाग जपविरागतपसुतीर्थअटत॥बांधिवेकोभवगयंदरेणुकीर ज्जुवटत॥परिहरिसुरमणिसुनामगुंजालखिलटत॥लाल चलधुतेरोलखितुलसितोहिहटत॥१३०॥रामरामरामराम रामरामजपत॥मंगलमुदउदितहोतकलिमलछलछपत॥ कहुकेलहेफलरसालबबुरबीजबेयेत॥हारहिंजनिजन्मजाइ गालगूलगपत॥कालकर्मगुणसुभावसबकेसीसतपत॥रा मनाममहिमाकीचरचाचलेचपत॥साधनाविनुसिद्धिसकल विकललोगलपत॥कलियुगवरवणिजविपुलनामनगरखर पत॥नामसोप्रतीतिहृदयसुथिरथपत॥पावनकियरावि णारितुलसीहुसेअपत॥ १३१॥ पावनप्रेमरामचरणकम लजन्मलाभपर्म॥रामनामलेतहोतसुलभसकलधर्म॥यो गमखविवेकविरतिवेदविदितकर्म॥करिवेकहुकटुकठोरसु नतमधुरनर्म॥तुलसीसुनिजानिबुझिभुलहिजीनभर्म॥ तेहिप्रभूकोतुहीहिजाहिसबहिकीसर्म १३२॥रामसेप्रीत

मकोप्रीतिरहितजिवजायजियत ॥जेहिसुखसुखमानिले
तसुखसोसमुझिकियत॥जहंतहंजोहियोनिजन्ममहिप-
तालवियत॥तहंतहंतूविषयसुखहिचहतलहतनियत॥
कतविमोहलल्यौफूट्योगगनमगनसियत॥तुलसीप्र
भुसुयशगाईक्योंनसुधापियत॥१३३॥तोसोहोंफिरीफि
रीहितप्रियपुनितसुवचनकहत॥सुनिमनगुनसमुझिक्यों
नसुगमसुगमगहत॥छोटोबडोखोटोदोषरोजगजोजहांर
हत॥ अपनेअपनेकोभलोसोकाहुकोनचहत॥ बिधिलगि
लघुकीटअवधिसुखसुखीदुखदहत॥पशुलोंपशुपालई-
शबांधतछोरतनहत॥ विषयमुदनिहारभारषिरकोकाधजो
वहत॥ योहिजियजानिमानिसठतूसासतिसहत॥पायोके
घृतविचारिहरिनवारिमहत॥तुलसितकुताईशरणजातेस
बलहत॥१३४॥तातेहोंवारवारदेवद्वारपरिपुकारकरत॥आ
रतनतदिनताकहेसुप्रभुसंकटहरत॥लोकपालशोकविकल
रावणडरडरत॥कासुनिसकुचेनिकृपालनरशरीरधरत॥
कौशिकमुनितीयजनकशोचअनलजरत॥साधनकेहिशी
तलभएसोनसमुझिपरत॥केवटषगशबरिसहजचरण-
कमलनिरत॥सनसुखतोहिहोतनाथकुतरूसुफलफरत
॥बंधुवैरकपिविभीषणगरूगलानिगरत॥सेवाकेहिरि-
झिरामकियोहैसरसभरत॥सेवकभयोपौनपूतसाहिब
अनुहरतं॥ताकोलिएरामनामसबकोसूदरदरत॥जा
नेबिनुरामरितिपचिपचिजगमरत॥परिहरिछलशर-

एगएतुलसिहूनरत ॥१३५॥ रागसुहोबिलावल ॥ रामसने
हिसोतैंनसंनेहकियो ॥ अगमजोअमरनिहूंसोतनुतोहिंदि
यो॥ ॥छंद॥ ॥ दियोसुकुजन्मशरीरसुंदरहेतुजोफल
चारिकौ ॥जोपाइपंडितपरमपदपावतपुरारिमुरारिकौ ॥य
हभरतखंडसमिपसुरसरिथलुभलोसंगतिभली ॥ तेरिकु
मतिकायरकलपवल्लीचहतबिखफलफली ॥ अजहुंसमु
झिचितुदेसुनिपरमारथ ॥ हैहितुसोजगहूंजाहितेंस्वार-
थ॥ ॥छंद॥ ॥स्वारथहिप्रियस्वारथैसोकातेंकौन
वेदबखानई॥ देखंखलअजहिंखेलपरिहरिसोप्रभुपहिचा
नई ॥ पितुमातुगुरुस्वामीअपनपौतियतनयसेवकस-
खा॥ प्रियलगतजाकेप्रेमसोविनुहेतुहितनहितैंलखा ॥ दू
रिनसोहितुहेरहिएहीहे ॥ छलहिछांडीसुमिरेछोहूकि
एहीहे॥ ॥छंद॥ ॥ किएछोहूछायाकमलकरकिभ
क्तपरभजेतेहिभजे ॥जगदीशजीवनजीवकोजोसाज
सबसबकेसजे॥ हरिहरहिहरिताविधिहिविधिताशिवहि
शिवताजिहिंदई॥ सोईजानकीपतिमधुरमूरतिमोदम-
यमंगलमई॥ ठाकुरअतिहिबडोशीलसरलसुठिध्यान
अगमशिवहुभेट्योकेवटउठि॥ ॥छंद॥ ॥ भरिअंकभे
ट्योसजलनयनसनेहसिथिलशरीरसो॥ सुरसिद्धमु
निकविकहतकोउनप्रेमप्रियरघुविरसो ॥ खगशोवरि
निशिचरभालुकपिकिएआपसेवंदितबडे॥ तापरतिन्ह
कीसेवासुमिरिजियजातजनसकुचनिगडे॥ स्वामी

कोसभाउकह्यौसोजवउरआनिहै ॥ सोचसकलमिटिहैराम
भलोमानिहै॥ ॥छंद॥ ॥भलोमानिहैरघुनाथजोरिजो-
हाथमाथोनाइहै॥ततकालतुलसीदासजीवनजन्मकोफलपा
इहै॥जपिनामकरिहिप्रनामकहिगुणग्रामरामहिधरिहिये॥
विचरहिअवनिअवनीशचरणसरोजमनमधुकरकिये॥
॥१३६॥जियजबहरितेबिलगान्यो॥तवदेहगेहनिजजा
न्यो॥मायावसस्वरूपबिसरायो॥तेहिभ्रमतेंदारुणदुख
पायो॥ ॥छंद॥ ॥पायोजोदारुणदुसहदुःखसुखलेस
सपनेहुनहिमिल्यो॥भवशूलशोकअनेकजेहितेहिपंथतू
हठिहठिचल्यो॥ बहुयोनिजन्मजराविपतिमतिमंदहरि-
जान्योनही॥श्रीरामबिनविश्राममूढविचारदेखपायोक
हि ॥आनंदसिंधुमध्यतववासा॥बिनुजानेकतमरसि
पियासा॥मृगभ्रमवारिसत्यजियजानो॥तहांतूमगनभ
योसुखमानो॥ ॥छंद॥ ॥तेहिमगनमज्जसिपानकरि-
त्रयकालजलनाहींजहां॥निजसहजअनुभवरूपतव-
खलभूलिअवआयोतहां॥निर्मलनिरंजननिर्विकारउ-
दारसुखतेपरिहर्यो॥निःकाजराजविहायनृपइवस्वप्न
कारागृहपर्यो॥तैंनिजकर्मडोरिदृढकीन्ही॥अपनेकरि-
निगाढींगहिदीन्ही॥ताते परवसपर्यौअभागे॥ताफल-
गर्भवासदुखआगे॥ ॥छंद॥ ॥आगेअनेकसमूहसं
सृतिउदरगतिजान्योसोऊ॥सिरहेठऊपरचरणसंकट
वातनहिपूछैकोऊ॥श्रोणितपूरिषजोमूत्रमलकृमिकर्द

माहृतसोवहि॥कोमलशरीरगंभीरवेदनसीससुनीश्रुनिरां
वही॥तूनिजकर्मजालजहघेरो॥श्रीहरिसंगनतज्यौंतहंतेरो
॥बहुविधिप्रतीपालनप्रभुकीन्हो॥परमकृपालज्ञानतोहिदी
न्हो॥ ॥छंद॥ ॥तोहिदियोज्ञानविवेकजन्मश्रनेककीत
वसुधिभई॥तोहिइशकिहोशरणजकोविषमागुणम
ई॥जेहिकियजीवनीकायबसरसहिनदोनश्रनिनई॥सो
करोवेगिसंभारश्रीपतिविपतिमहजिनमातिदई॥पुनिबहु
विधीगलानिजियमानि॥श्रबजगजाइभजोंचक्रपाणी॥
ऐसेहिकरिविचारचुपसाधि॥प्रसवपवनप्रेरेऊश्रपराधि
॥ ॥छंद॥ ॥प्रेस्योजोपरमप्रचंडमारुतकष्टनानातेंसह्यो
॥सोज्ञानध्यानविरागश्रनुभवजातनापावकदह्यो॥श्रति
खेदव्याकुलश्रलपवलक्षिणएकश्रोलनश्रावही॥तव
तीव्रकष्टनजानकोऊसबलोगहरषितगावहि॥वालदसाजे
तेदुखपाए॥श्रतिश्रनईसनहिजाहिंगनाए॥क्षुधाव्या
धीबाधाभईभारी॥वेदननहिजानैमहतारी॥ ॥छंद॥ ॥
जननीनजानैपीरसोकेहिहेतुशिशुरोदनकरै॥सोइकु
रैविविधिउपाईजातेश्रधिकतुवछातीजरै॥कौमारसै
शवश्ररुकिशोरश्रपारश्रघकोकहिसकै॥वितरेकतो
हिनिर्दयमहाषलश्रानकहुकोकहिसकै॥यौवनयुव
तिसंगरंगरात्यो॥तवतूमहामोहमदमात्यो॥तातेंत्या
गिधर्ममर्यादा॥विषरेजबसबप्रथमविषादा॥ ॥छंद॥
विसरेविषादनिकायसंकटसमुझिनहिफाटतहियो॥कि

रगर्भगर्भआवर्तिसंसृतचक्रजिहिसोईसोईकियो॥ क्रमभ
साविटपरिणामतनुतिहिलागिजबवैरिभयो॥ परदारप
रधनद्रोहपरसंसारबाढैनितिनयो॥ देखतहीआईबिरधा
ई॥ जौतैंसपनेहुनाहिबुलाई॥ ताकेगुणकछुकहेजाहीं
॥ सोअबप्रगटदेषजगमाहि॥ ॥ छंद॥ ॥ सोप्रगटतनज
र्जरजरावसब्याधिशूलसतावई॥ सिरकंपइंद्रियशक्तिप्र
तिहतवचनकाहुनभावई॥ गृहपालहूतेअतिनिरादरखा
नपाननपावई॥ ऐसिहुदसानबिरागतहेतृष्णातरंगबढाव
ई॥ कहिकोसकैमहाभवतेरे॥ जन्मएककेकछुकगनेरे॥ खा
निचारिसंततअवगाहि॥ अजहुनकरुविचारिमनमाही॥
॥ छंद॥ ॥ अजहुविचारिविकारतजिभजिरामजनसुख
दायकं॥ भवसिंधुदुस्तरजलरथभजिचक्रधरसुरनायकं
॥ बिनुहेतुकरुणाकरउदारअपारमायातारणं॥ कैवल्यप
तिजगपतिरमापतिप्राणपतिगतिकारणं॥ रघुपतिभक्ति
सुलभसुखकारि॥ सोत्रयतापशोकभयहारि॥ बिनसत
संगभक्तिनहिहोइ॥ तेतबमिलैद्रवैजबसोई॥ ॥ छंद॥ ॥
जबद्रवैदिनदयालराघवसाधुसंगतपाइयै॥ जाहदसपोपा
मेवणयरकपापरासिनसाइयै॥ जिन्हकेमिलेदुखसुख-
समानअनानितिदिकगुणभए॥ मदमोहलोभविषादक्रो
धसुबोधतेसहजहिगए॥ सेवतसाधुद्वैतभयभागे॥ श्री
रघुबिरचरणलयलागे॥ देहजनितविकारसबत्यागे॥
तवफिरिनिजस्वरूपअनुरागे॥ ॥ छंद॥ ॥ अनुराग

सोनिजरूपजोजगतेविलक्षणदिखिए॥संतोषसमशीतल
सदादमदेहवंतनलखिए॥निर्मलनिरामयएकरसतेहिहर्ष
शोकनव्यापई॥त्रैलोक्यपावनसोसदाजाकीदसाऐसीभई॥
जोतेहिपंथचलैमनलाई॥तौहरिकाहेनहोंहिसहाई॥जो
मारगश्रुतिसाधुदिखावै॥तेहिपंथचलतसबैसुखपावै॥
॥छंद॥ ॥पावहिंसदासुखहरिकृपासंसारआसातजि
रहे॥सपनेहुंनहींसुखद्वैतदरसनबातकोटिककोकहे॥द्वि
जदेवगुरुहरिसंतबिनुसंसारपारनपावई॥यहजानितु-
लसीदासत्रासहरणरमापतिगावई॥१३७॥रागबिलाव
ल॥जोपैकृपारघुपतिकृपालकीवैरऔरकेकहासरै॥हो
इनबाकोबारभक्तकोजोकोउकोटिउपायकरै॥तकैनीचजो
मीचसाधुकीसोइपावरतेहिमीचमरै॥वेदविदितप्रहलाद
कथासुनीकोनभक्तिपथपावधरै॥ गजउधारिहरिथप्यो
बिभीषणध्रुवअविचलकबहुंनटरै॥अंबरीषकीशापसु
रतिकरिअजहुंमहामुनिग्लानिगरै॥सोधौंकहाजोनकि
योदुर्जोधनअबुधआपनेमानजरै॥प्रभुप्रसादसौभाग्य
विजयजसपांडवनेबरिआईवरै॥जोजोकूपखनेगोपरक
हंसोइसठफिरितेहिकूपपरै॥सपनेहुंसुखनहिसंतद्रोहि-
कहुसुरतरुसोउविषफरनिफरै॥हैकाकेद्वैसीसईशको-
जोहठिजनकीसीमचरै॥तुलसीदासरघुवीरबाहुबलस
दानीडरकाहुंनडरै॥१३८॥कबहुंसोकरसरोजरघुनायक
धरिहौनाथसीसमेरे॥जेहिकरअभयकियेजनआरत

वारकविवसनाउंटे॥जेहिकरकमलकठोरशंभुधनुभंजिजनकसंकटमेट्यो॥जेहिकरकमलउठाईबंधुज्योंपरमप्रीतिकेउटभेट्यो॥जेहिकरकमलकृपालगिद्धकहंउदकदेइनिजलोकदियो॥जेहिकरबालिविदारिदासहितकपिकुलपतिसुग्रीवकियो॥आयोशरणसभीतविभीषणजेहिकरकमलतिलककिन्हो॥जेहिकरगहिसरचापअसुरहतिअभयदानदेवनदीन्हो॥शितलसुखदछांहजेहिकरकिमेटतिपापतापमाया॥निसिवासरतिहिकरसरोजकीचाहततुलसिदासछाया॥१३९॥दीनदयालदुरितदारिददुखदुनिदुसहतिहुंतापतइहै॥देवदुवारपुकारतआरतसबकीसबसुखहानिभईहै॥प्रभुकेवचनवेदबुधसंमतममसूरतिमहिदेवमईहै॥तिन्हकीमतिरिसरागमोहमदलोभलालचिलीलिलईहै॥राजसमाजकुसाजकोटिकटुकलपतकलुषकुचालिनईहै॥ ॥नीतिप्रतितीप्रितीपरमितिपतिहेतुवादिहठिहेरिहईहै॥ आश्रमवर्णधर्मविरहितजगलोकवेदमर्यादगईहै॥प्रजापतीतभूपालपापरतअपनेअपनेरंगरईहै॥ शांतिसत्यशुभरितिगईघटिवटिकरितीकपटकलईहै॥ ॥सीदतिसाधुसाधुतासोचतिखलविकलसतहुलसतखलईहै॥ परमारथस्वारथसाधनभयअफलसकलनहिंसिद्धिसईहै॥कामधेनुधरणिकलिगोमरविवसविकलजामतिनवईहै॥कलिकरनीवरनियेकहांलोकरतफिरतविनटहलईहै॥ताप

रदांतपीसकरमीजतकोजानेचितकहाठइहै॥त्यौंत्यौंनीचत्व
दत्तसिरज्यौंज्यौंशीलसोच्वसढीलदइहै॥सरूषबरजतरजि
यैतरजनीकुम्हिलैन्हेंकम्हडैकीजइहै॥दिजेदादोदेखिनातो
बलिमहिमोदमंगलरितइहै॥ ॥ भरे
भांगअनुरागलोगकहेरामअवधिचितवनिचितई
है ॥ धिनतिसकनिसानंदहेरिहसिकरुणावारिभूमि
विजईहै॥ ॥रामराजभयोकाजसगुणशुभ-
राजारामजगतविजईहै॥समरथबडोसुजानसुसाहिब
सुकृतसैनहारतजितइहै॥सुजनसुभावसराहतसादर
अनायाशसासतिवितइहै॥उथपेथपनउजारिबसावन
गइबहोरिबिरुदसदइहै॥तुलसीदासप्रभुआरतआर-
तिहरअभयबाहकेहिकेहिनदइहै॥१४०॥तेनरनरकरूप
जीवजगभवभंजनपदबिमुखअभागी॥निशिवासर
रुचिपापअसुचिमनखलमतिमलिननिगमपथत्यागी॥
नहिसतसंगभजननहिहरिकोश्रवणनरामकथाअनुरा
गी॥सुतवितदारभवनममतानिशिसोबतअतिनकब
हुमतिजागी॥तुलसिदासहरिनामसुधातजिसठहठिपि
यतविषयविषमागी॥शूकरस्वानसृगालसरीसजनज-
न्मतजगतजननिदुःखलागी॥१४१॥रामचंद्ररघुनाय-
कतुमसोंहोंविनतिकेहिभांतिकरों॥अघअनेकअवलो
किआपनेअनेअनघनामअनुमानिडरों॥परदुखदु
खीसुखीपरसुखतेसंतशीलनहिहृदयधरों॥देखिआ

नकोविपतिपरमसुखसुनिसंपतिबिनआगिजरो॥ भक्ति
विरागज्ञानसाधनकहिबहुविधिडहकतलोकतलोकफिरो
॥ शिवसर्वससुखधामनामतवबेचिनर्कप्रदउदरभरो॥
जानतहूंनिजपापजलधिजियजलसीकरसमसुनतल
रो॥ रजसमपरअवगुणसमेरुकरिगुणगिरिसमरजतें
निदरो॥ नानावेषबनाइदिवसनिशिपरवितजेहिसुक्ति
हरो॥ एकोपलनकवहुंअलोलचितहितदेपदसरोजसु
मिरो॥ जौआचरणविचारहुमेरोकल्पकोटिलगिअव-
टिमरो॥ तुलसीदासप्रभुकृपाविलोकनिगोपदज्योंभवसिं
धुतरो॥ १४२ ॥ सुकुचतहोंअतिरामकृपानिधीक्योंकरो
विनयसुनावो॥ सकलधर्मविपरीतीकरतकेहिभांतिनाथम-
नभावो॥ जानतहूहरिरूपचराचरमेंहठिनयननलावो॥
अंजनकेससिखायुवतीजहलोचनसलभपठावों॥ श्रवणनि
कोफलकथातुह्मारियहसमुझोसमुझावो॥ तिन्हश्रवणनि
परदोषनिरंतरसुनिसुनिभरिभरितावो॥ जेहिरसनागुण
गाइतिहारेबिनुप्रयाससुखपावों॥ तेहिसुखपरअपवा
दभेकज्योंरटीरटिजन्मनसावों॥ करहुहृदयअतिविमल
वसहिहरिकहिकहिसबहिसिखावों॥ होंनिजवरअभिमा
नमोहमदखमंडलीवसावों॥ जोतनुधरिहरिपदसाधहिज
नसोबिनुकाजगवावों॥ हाटकघटभरिधस्योसुधागृहत
जिनभक्तपरखनावों॥ मनक्रमवचनलाईकीन्हेअघनेक
रियत्नुदुरावों॥ परप्रेरितईर्षावसदूवहुंकुकियोकछुशु

भसोजनावों ॥ विप्रद्रोहजनुबांधपस्योहरिसनसोंवैरब-
ढावौं ॥ तहुंपरनिजमतिविलाससबसंतनमाझगनावों ॥
निगशेषसारदनिहोरिजोंअपनेदोषकहावों ॥ तौनसिरा-
हिकल्पसतलगिप्रभुकहाएकमुखगावों ॥ जौंकरनिध्याप
नीविचारौतौकौशरणहोआवौं ॥ तुलसीदासप्रभुसोंगुण
नहिंजेहिसपनेहुंतुम्हहिंरिझावों ॥ नाथकृपाभवसिंधुधेनु
पदसमजोजानिसिरावो ॥ १४३ ॥ सुनहुरामरघुबिरगुसा
ईमनअनितरतमेरो ॥ चरणसरोजविसारितिह्रारोनिशि
दिनफिरतअनेरो ॥ मानतनाहिंनिगमअनुसासनत्रासन
काहूकेरो ॥ भूल्योंफिरतकर्मकोल्हुनतिलज्योंबहुबारनिपे,
रो ॥ लोभमोहमदकामक्रोधरततिन्हसोप्रेमघनेरो ॥ परगु
णसुनतदाहपरदूषणसुनतहर्षबहुतेरो ॥ आखुपापको-
नगरबसावतसहिनसकतपरषेरो ॥ साधनफलश्रुतिसा
रनामतवभवसरितावहुवेरो ॥ सोइपरकरकाकीनिलागिस-
ठवेचिहोतहठिचेरो ॥ कबहुकहूंसगतिसुभावतेजाऊंसु-
मारगनेरो ॥ तबकरिक्रोधसंगकुमनोरथदेतकठिनभटभे
रो ॥ एकहौंदिनमलीनहीनमतिविपतिजालअतिघेरो ॥ ता
परसहिनजाइकरुणानिधिमनकोदुसहदरेरो ॥ होरिप-
स्योकरीयत्नबहुतविधितातेहोकहतसवेरो ॥ तुलसिदा
सयहत्रासमिटैजबहृदयकरहुतुमडेरो ॥ १४४ ॥ सोधो-
फोजोनामलज्जातेनहिंराख्योरघुविर ॥ कारुणीकवीन-
कारणहींहरीहरिहिंविषमभवभीर ॥ वेदविदितजगवि-

हितअजामिलविप्रबधूअघधाम॥घोरजमालयजाततने-
वास्यौसुतहितसुमिरतनाम॥पशुपांवरअभिमानसिंधुग
जग्रस्योआईजवग्राह॥सुमिरतसकृतसपदिआएप्रभुल्ह
स्योदुसहउरदाह॥व्याधनिषादगृद्धगणिकादिकअगिणि
तअवगुणमूल॥नामवोटतेंरामसबनकोदूरिकस्योभवशू
ल॥केहिआचरणघाटिहौतिनतेरघूकुलभूषणभूप॥सि
दततुलसीदासनिसीवासरपस्योभीमतमकूप॥१४५॥कृ
पासिंधुजनदीनदुआरेदादनपावतकाहे॥जबजहांतुमहि
पुकारतआरततवतिन्हकेदुखदाहे॥गजप्रहलादपंडसु
तकपिसबकोरिपुसंकटमेट्यो॥प्रणतबंधुभयविकलवि-
भीषणताहिभरतज्योंभेट्यौं॥मैतुमरोलैनामग्राम एकउ
रआपनेवसायो॥भजनविवेकविरागलोगभलेकर्मकरि
ल्यायो॥सुनिरिससमरेकुटिलकामादिककरहिजोखरिआ
ई॥तिन्हहौउजारीनारीअरिधनपुरराखहिंरामगुसाई॥
समसेवाछलदानदंडहौंरचिउपायपचिहास्यौ॥विनका
रणकोकलहबडोदुखप्रभुसोप्रगटिपुकास्यो॥सुरस्वार-
थीअनीसअलायकनिष्ठुरदयाचितनाहीं॥जोउंकहांको
विपतिनिवारकभवतारकजगमाहीं॥तुलसीयद्यपिपोचु
तुम्हारोऔरनकाहूकेरो॥दीजेभक्तिबाहबेरकज्योंसुवसे-
अवरखेरो॥१४६॥होसबविधिरामरावरोचाहतभयोचेरो
॥ठौरठौरसाहिबीहोतहैख्यालकालकलिकेरो॥कालकर्म
इंद्रियविषेगाहकगणघेरो॥होनकबूलतबांधिकेमोलक

रतकोरए॥ वंदिछोरनंगेंनामहौंतिरुदैंतरुडेरो॥ मैंकन्यौंजन-
वछलधौतिकैमांगेउरुडेरो॥ नामयोंकच्यपच्चागिचन्यौंमन-
सुगजगजेरो॥ च्यवगारिवनमागिपाडंवोनतेरो॥ जोहि-
कौतुकवकस्वानकोप्रभुन्यानिवेरो॥ तोहिकोतुककाहियेक्
पालतुलसीहिमेरो॥१४७॥ कृपासिंधुतातेंरहोंनिशिदिन
मनमारे॥ महाराजलाजच्यापुहिनिजजांचलुघारे॥ मि
ल्यौरहैमास्योचहैकामादिकसंघाती॥ मोविनरहैनमेरि-
यैजारैछलिछाती॥ वसतहियेहितजानिमेंसवकीरुचिपा-
लि॥ कियोकथककोदंडहोंजडकर्मकुचालि॥ देखिसुनिनन-
च्यासुलौंच्यपनायतिऐसी॥ करहिसवैसिरमेरहीफिरीपर
तच्यनैसी॥ वडेच्यलेपालपीपरंपरिहरैनजाही॥ च्यसमंज
समेंमगनहोलिजंगारियाहि॥ वारकवलिच्यवलोकिये कौतु
कजनजोको॥ च्यनायासमिटिजाइगोसंकटतुलसीको॥
॥१४८॥ कहौंकौनमुहलाइकैरघवीरगुसाई॥ सकुचतसमु
झतच्यापनीसवसांईदोहाई॥ सेवततवसमकभिरतसरनाश
रणागतसोहौं॥ गुणगणसीतानाथकेनितकरतनहोहौं॥
कृपासिंधुवंधुदीनकेच्यारतहितकारी॥ प्रणतपालविरु-
दावलिसुनिजानिविसारी॥ सेइनधेइनसुमिरिकैपदप्री
तिसुधारी॥ पाइसुसाहिवसमसोभारिपेटविगारी॥ ना
थगरिवनिवाजहेमैंगहिनगरीवी॥ तुलसीप्रभुनिजजनो-
रतेवनिपरेसोकीवी॥१४९॥ कहांजाउंकासोकहौंच्यारठौर
नमेरे॥ जन्मगवायोतेरहिद्वारकोकरतेरे॥ मैंतोविगारि-

नाथसों आरत के॥ लिहेतोहि कृपानिधी क्योंवनेमेरिसी कीन्हे॥ दिनदुरदिनदिनदुरदसादिनदुखदीनदूषण॥ जौलौतुनविलोकीहेरघुवंसविभूषण॥ दईपीठविनडिठमैंतूविस्वविलोचन॥ तोसौतुहिनदसरोनतसोचविमोचन॥ पराधीनदेवदीनहोस्वाधीनगुसांई॥ बोलिनिहारेसोंकरेवलिविनयकिआई॥ आपुदेखिमोहिदेखियेजनमानियसांचो॥ बडिवोटरामनामकीजिहोंलईसोवाचौं॥ रहनिरित्तिरामरावरीनीतहियहुलसीहे॥ ज्यौंभावेत्योंकरकृपालतेरोतुलसीहे॥१५०॥ रामभद्रमोहिआपनोसोचुहेअरुनाही॥ जीवसकलसंतापकेभाजनजगमांही॥ नातोवडेसमर्थसोंएकओरकिधें हूं॥ तोकोंमोसेअतिघनेमोकोएकतोहूं॥ बडिगलानिहानिहेहियसरवज्ञसांई॥ कूरकुसेवककहतुहोसेवककीनाई॥ भलोपोचुरामकोकहेमोकोसवनरनारी॥ वीगरेसेवकस्वानज्यौंसाहिवसिरगारी॥ असमंजसमनकोमिटेसोउपावनसूझे॥ दीनबंधुकीजेसोइवनिपरेजोबूझे॥ विरदावलिविलोकीयेतिन्हमेकोउहोंहो॥ तुलसीप्रभुकोपरिहस्योशरणागतसोंहो॥१५१॥ जेपैचेराइरामकीकरतोनलजातो॥ तोतूंवदामकुदामज्योंकरकरनविकातो॥ जपतजीहरघुनाथकोनामनहींअलसातो॥ वाजीगरकेसूमज्योंखलखेहनखातो॥ जोतूमनमेरेकहेरामकामकमातो॥ सीतापतिसनमुखसुखीसवठायसमातो॥ रामसुहातेतोहिंजोंतूसवहिसुहातो॥ कालकर्मकुलिकारणीकोउन

कुठातो॥ रामनाम अनुराग ही जिय जो रतियातो॥ स्वारथ परमारथ पथी तोहि सब पतियातो॥ सेइ साधु सुनि समुझि कै पर पीर पिरातो॥ जन्म कोटि को कांदलो हृद हृदय थिरातो॥ भव मग अगम अनंत है बिनु श्रम हि सिरातो॥ महिमा उलटे नाम की सुनि भयो किरातो॥ अमर अगम तनु पाइ सो-जड़ जाय न जातो॥ होतो मंगल मूल तू अनुकूल बिधातो॥ जो जन प्रीति प्रतीति सों राम नाम हि रातो॥ तुलसी सो समय-साद सोंति हुतापन सातो॥१५१॥ राम भलाई आपनी भल कियो न काको॥ जुग जुग जानकीनाथ को जग जागत साको॥ ब्रह्मादिक बिनती करी कहि दुख बसुधा को॥ रविकुल कैरव चंद भो आनंद सुधा को॥ कौशिक गरत तुषार ज्यों तकि तेज तिया को॥ प्रभु अनहित हित को दियो फल कोप कृपा को॥ हस्यो पाप आप जाइ कै संताप सिला को॥ सोच मगन काढ्यो सही साहिब मिथिला को॥ रोष रासि भृगुपति धनी अहमिति ममता को॥ चितवत भाजन करि लियो उपसम समता को॥ मुदित मानि आयसु चले बन मात पिता को॥ धर्म धुरंधर धीर धीरसो गुण सील जिता को॥ गुह गरीब गतज्ञाति हूं जो बजि-हीन भखा को॥ पायो पावन प्रेम तें सनमान सखा को॥ सद्गति शबरी गृद्ध को सादर करता को॥ सोच सींव सुग्रीव को संकट हरता को॥ राख्यो बिभीषण को सकै तिहि काल गहा-को॥ आजु बिराजत राज है दशकंठ जहां को॥ बालिस बासी अवध को बूझियै न खा को॥ ते पांवर पहुंच्यो तहां जहां मुनि

मनथांको॥ गतीनलहेरामनामसोंविधिसोसिरजाको॥ रूभि
रतरूहतप्रबारिकैबलुभगीरजाको॥ अकनिअजामिलकीब
थासानंदनमाको॥ नामलेतकलिकालहूंहरिपुरनहिगाको॥
रामनाममहिमाकरैकामभरूहआको॥ साक्षीवेदपुराणहै-
तुलसीतननताको॥१५३॥ मैंरेरावरीयेगतिहोरघुपतिबलिजा
उं॥ निजरनीचनीरधननिरगुणरूहुजगदूसरोनठाकुरठा
उ॥ हैघरघरभवभरेरूसाहिबसूरूतसबनिआपनोदाऊ॥
प्रणतारनभंजनजनरंजनशरणागतपविपंजरनाऊं॥ कौ-
जैदासदासतुलसीअवरूपासिंधुनिनुमोलविकाऊ॥१५४
देवदूसरोकौनदीनकोदयाल॥ शीलनीधानरूजानशिरोम-
णिसरणागतप्रियाप्रणतपाल॥ कोसमरथसरवज्ञसकल
प्रभुशिवसनेहमानसमराल॥ कैसाहिबकिएमितप्रीतवस-
खगनिशिचरकपीभीलभाल॥ नाथहाथमायाप्रपंचसजी-
वदोषगुणकर्मकाल॥ तुलसिदासभलोपोचरावरोनेकुनिर
खीकीजैनिहाल॥१५५॥ रागसारंग॥ बिस्वासएकरामनाम
को॥ मानतनहिंप्रतितिअनतऐसोइरूभावमनवामको॥ प
ढिबेपरयोनछटिछमतऋगयजुरअथर्वणसामको॥ व्रत
तीरथतपरूनिसहमतपच्छिमरेकैरेतनुछामको॥ कर्मजाल
कलिकालकठिणआधीनरूसाधितदामको॥ ज्ञानविराग
योगजपकोभयलोभमोहकोहकामको॥ सबदिनसबलाय
रूभयोगायकरघुनायकगुणग्रामको॥ बैठेनामकामतरु
तरडरूकौनघोरघनघामको॥ कोजानेकोजैहैयमपुरको-

सुरपुरपरधामको॥तुलसिह्विबहूतभलोन्लागतजगजीवन
रामगुलामको॥१५६॥कलिनामकामतरुरामको॥दलनिहा
रदारिददुकालदुखदोषघोरघनधामको॥नामलेतदाहीनो
होतमनुवामविधातावामको॥कहतमुनिशमहेशमहातम
उलटेसूधेनामको॥भलोलोकपरलोकतासुजाकेवलललीन
ललामको॥तुलसीजगजानियतनामतेनोचनकुचमुकाम
को॥१५७॥सेइयेसुसाहिबरामसो॥सुखदशीलसुजान-
सुरस्मृचिसुंदरकोटिककामसो॥सारदशेषसाधुमहिमाक
हेगुणगणगायकसामसो॥सुमिरिसप्रेमनामजासोंरति
चाहतचंद्रललामसो॥गमनविदेसनलेशक्लेशकोसकुचन
सकृतप्रणामसो॥सोक्षताकोविदितविभीषनवेद्योहेअ
विचलधामसो॥टहलसहलजनमहलमहलजागतचारो
यगजामसो॥देषतदोषनखोफलरिफलसुनिसेवकगुण
ग्रामसो॥जाकेभयतेलोकतोलकभयात्रिजगयोनितनता
मसो॥तुलसीऐसेप्रभुहिभजेजानताहिविधातावामसो॥
॥१५८॥रागनट॥कैसेदेऊंनाथहिखोरी॥कामलोलुपभ्रम
तमनहरिभक्तिपरिहरितोरि॥बहुतप्रीतिपूजाइबेपरखुजि
वेपरथोरी॥देतसिषसिखयोनमानतमूढताअसमोरि॥
किऐसहितसनेहजेअघहृदयराखेचोरि॥संगवसकिए
शुभसुनाएकलकोकनिहोरि॥करौजोकछुधरोसचिप-
चिसुकृतशीलाबटोरि॥पैठिउरबरबसदयानिधीहंभले
तअजोरि॥लोभमनहिनचावकपिज्योंगरेआसडोरि॥

वातकहूंवनायवधीवलवरविरागनिचोरी॥ एतेहुपरहुमेरो कहावतलाजअवईघोरी॥ निर्लज्जतापरवीझिरघुवरदीजेतुलसीछोरी॥१५९॥ हेप्रभुमेरोईसवदोरू॥ शीलसिंधुकृपालनाथअनाथआरतपोरू॥ वेषवचनविरागमनअघअवगुणनिकोकोरू॥ रामप्रीतिप्रतितिपोलोकपटकरतवढोरू॥ रागरंगकुसंगहीसोसाधुसंगतिरोरू॥ चहतकेहरिजसहींसेईस्रगालज्योंखरगोरू॥ शंभुसिखवनरसनहुंनीतरामनामहिंघोरू॥ दनहुकलनासकुमुजशोचसागरूसोरू॥ मोदमंगलमूलअतिअनुकूलनिजनिरयोरू॥ रामनामप्रभावसुनीतुलसीहपरमपरितोरू॥१६०॥ मेहरिपतितपावनसूने॥ हमपतिततुमपतितपावनदोऊवानकवने॥ व्याधगणिकागजअजामिलसाखिनीममनिभने॥ औरअधमअनेकतारेजातकापेगने॥ जानिनामअजानीलीन्हेनरककजमपुरमने॥ दासतुलसीशरणआयोराखिएआपने॥१६१॥ रागमल्हार॥ तोसोप्रभुजोपैकहुंउहोतो॥ तोसहीनीपटनीरादरनिसिदिनरटेलटिएसोघटिकोतो॥ कृपासुधाजलदानिमानिवोकहेसोसाचनिसोतो॥ स्वातीसनेहसलिलसुखचाहतचितचातककोसोपोतो॥ कालकर्मवसमनकुमनोरथकवहुंकवहुंकछुभोतो॥ ज्योंमुदमयवसमीनवारितजिबुछरिभरालेतगोतो॥ जितोदुराऊदासतुलसीउरक्योंकहिआवतओतो॥ तेरेराजरायदशरथकेलयोवयोविहुजोतो॥ १६२॥

॥रागसोरठा॥ ॥ऐसोकोउदारजगमाहीं॥ बिनुसेवाजोद्र
वैदीनपररामसरिसकोउनाहीं ॥जोगतियोगविरागयत्न
करिनहिंपावतमुनिज्ञानी॥ सोगतिदईगीधशबरीकहुंप्र
भुनवहुतजियजानी॥जोसंपतिदशसीससाधिकरिराव
नशिवपहंलीन्ही॥सोसंपदाविभीषणकहुंअतिसकुच
सहितहरिदीन्ही॥तुलसीदाससबभांतिसकलसुखज्यो
चाहसिमनमेरे॥तौभजरामकामसबपूरणकरैकृपानि
धितेरे॥१६३॥ एकइदानीशिरोमणिसांचोजोईज्यांचो
सोई॥जानकतावसफिरिवहुनाचननांचो॥सबस्वारथी
असुरसुरनरमुनिकोउनदेतबिनुपाए॥कोशलपालकृ
पालकल्पतरुद्रवतसकृतसिरुनाए॥हरिहुऔरअवता
रआपनेराखीवेदबडाई॥लैचिउरानोधीदईसदामहिं
यद्यपिबालमीताई॥कपिशबरीसुग्रीवविभीषणकोको
नकियोअजाची॥अबतुलसीहिंदुखदेतदयानिधिदारु-
णआसपिसाची॥१६४॥जानतप्रीतिरीतिरघुराई॥ना
तेसबहांतेकरिराखतरामसनेहसगाई॥नेहनिवाहिदेहत
जिदसरथकीरतिअचलचलाइ॥ ऐसेहुपितुतेअधिकगी
धपरममतागुणगुरुआई॥तियविरहिसुग्रीवसखाल
खीप्राणप्रियाविसराई॥रणपरयोबंधुविभीषणहिकोसो
सुहृदयअधिकाई॥घरगुरुगृहप्रियसदनसासुरेभइई
जबजहांपहुनाई॥तबतबकहिसबरीकेफलनकीरुचि
माधुरिनपाई॥सहजसरूपकथामुनिवरननतरहतसकु

चिसिरनाई॥केवलमितकहतसुखमानतवानरबंधुबडा-
ई॥प्रेमकनोडौरामसोप्रभुत्रिभुवनतिहूंकालनभाई॥तेरो
रूपीह्नोंकल्योंकपिसोएसोकोमानिहैंसेवकाई॥तुलसीरा
मसनेहशीललखीजोनभक्तिउरआई॥तोहिजन्मजाईज
ननीजडतनतरुणतागवाई॥१६५॥रघुवररावरीइहैबडा
ई॥नोदरोगनीआदरगरिवपरकरतकृपाअधिकाई॥थ
केदेवसाधनअनेककरिसपनेहुंनहिदेईदेखाई॥केवट
कुटिलभालुकपिकोनृपकिएसकलसंगभाई॥मिलिमुनिवृं
दफिरेदंडकवनसोचरचानचलाई॥वारहिवारगीधशब
रीकीवरनतप्रीतिसुहाई॥स्वानकेहेतकियोप्रभुवाहरजतो
गयंदचढाई॥तियनिदकमतिमदप्रजारजानिजनयनगर
वसाई॥एहिदरवारदीनकोआदररीतिसदाचलिआई॥दी
नदयालदीनतुलसीकाहुनसुरतिकराई॥१६६॥ऐसीराम
दीनहितकारी॥अतिकोमलकरुणानिधानविनकारनप
रउपकारी॥साधनहीनदीननीजअघवससिलाभईमु
निनारी॥गृहतेंगवनिपरसिपदपावनघोरस्रापतेंतारी॥
हिंसारतनिषादतामसवपुपशुसमानवनचारि॥भेट्यौ
हृदयलगाईप्रेमवसनहिकुलजातीविचारी॥जद्यपिद्रोहकि
योसुरपतिसुतकहिनजाईअतिभारी॥सकललोकअव
लोकीशोकहतशरणगएभयटारी॥विहंगयोनिआमिष
आहारपरगीधककवनव्रतधारी॥जनकसमानकियाता
कीनीजकरसववातसंवारी॥अधमजातीशवरीयोषित

सठलोकवेदतेंन्यारी॥ जानीप्रीतिदेदरसकृपानिधेसोउर
घुनाथउधारी॥ कपिसुग्रीवबंधुभयव्याकुलआयोशरण
पुकारी॥ सहीनसक्योदारुणदुखजनकेहन्योबालिसहिगा
री॥ रिपुकोबंधुविभीषणनिशिचरकोनभजनअधिकारी
॥ शरणगएआगेह्वैलीन्होभेट्योभुजापसारि॥ अशुभहो
इजिनकेसुमिरणतेंवानररीछविकारि॥ वेदविदितपावन
किएतेसबमहिमानाथतुम्हारि॥ कहलगिकहोंदीनअगणि
तजिन्हकीतुमविपतिनिवारी॥ कलिमलग्रसितदासतुल-
सीपरकाहेकृपाबिसारी॥ १६७॥ रघुपतिभक्तिकरतकठिना
ई॥ कहतसुगमकरनीअपारजानेसोइजेहिबनिआई॥ जो
जेहिकलाकुशलताकहूंसोइसुलभसदासुखकारी॥ सुफ
रीसनमुखजलप्रवाहसुरसरीबहैगजभारी॥ ज्योंसर्करा
मिलैसिकतामहुबलतेनकोउबिलगावै॥ अतिरसज्ञसूक्ष
मपिपीलकाबिनुप्रयासेहिपावै॥ सकलदृशानिजउदरमेलि
सौवैनिद्रातजियोगी॥ सोइहरिपदअनुभवैपरमसुखअ
तिशयद्वैतवियोगी॥ शोकमोहभयहर्षदिवसनिशिदेसका
लतहांनाहीं॥ तुलसीदासएहिदशाहीनसंशयनिर्मूलन-
जाहीं॥ १६८॥ जोपैरामचरणरतिहोती॥ तौकतत्रिविधिशू
लनिशिवासरसहतेविपतिनिसोती जौसंतोषसुधानिशि
वासरसपनेहूकबहुकपावै॥ तौकतविषयविलोकिझूठज
लमनकुरंगज्योंधावै॥ ज्योंश्रीपतिमहिमाविचारिउरभ
जतेभावबढाए॥ तौकतद्वारद्वारकुकरज्योंफिरतेपेटखला

ए ॥ जैंलोलुपभयेदासआसकैतेसबहिकेचेरे ॥ प्रभुविस्वा-
सआसजितिजिन्हतेसेवकहरिकेरे ॥ नहिएकौआचरण
भजनकौंपिनुपकरतहोताते ॥ कीजैकृपादासतुलसीप
रनाथनामकेनाते ॥ १६९ ॥ ज्यौंहिरामलागतमोठे ॥ तौंन-
वरसषटरसअनरसव्हैजातंसबसीठे ॥ वंचकविषयवि
विधीतनुधरिअनुभयसुनेअरुडीठे ॥ यहजानतहोंव्ह
दयअपनंसपनेनअघाइउवोठे ॥ तुलसीदासप्रभुसों
एकहिवलवचनकहतअतिढिठे ॥ नामकिलाजरामकरुणा
करिकेहिनदियेकरिचिटे ॥ १७० ॥ यांमनुकबहुंतौंगुमहिन
लाग्यौ ॥ ज्यौंछलुछाडिसुभायनिरंतरंतहताविषयअनुरा
ग्यौ ॥ ज्यौंचितइपरनारीसुनंपातकप्रपंचघरघरके ॥ त्यौं
नसाधुसुरसरितरंगनविमलगुणगणरघुवरके ॥ ज्यौं-
नासासुगंधरसबसरसनापटुरसरतीमानी ॥ रामप्रसादमा
लजूठनिलगित्यौंनलुलकालललचानी ॥ चंदनचंद्रवदनी
भूषणपटज्यौंवहपावरपरस्यौ ॥ त्यौंरघुपतिपदपअपर
सिकोतनुपातकिनतरस्यौ ॥ जौंसबभांतिकुदेवकुठाकुर
सेएवपुवचनवनाहिएहूं ॥ त्यौंनरामसुकृतज्ञजोसकुचतसुकृ
तप्रणामकिएहूं ॥ चंचलचरणलोभलगिलोलुपद्वारजग
गवागे ॥ रामसियआश्रमनचलतसपनेनभयेअसोत-
अभागे ॥ सकलअंगपदविमुखनाथमुखनामकिवोटल
ईहे ॥ हैतुलसीहिपरतितिएकप्रभूमुरतिकृपामइहे ॥ १७१
॥ कीजैमोकोंजगजातनामई ॥ रामतुमसेसुचिसुव्हदय

साहिबहिंमेंसबपिछदई॥ गर्भबासदशमासपालिपितुमा
तुरूपहितकीन्हो॥जडहिविवेकसुशीलखलहिअपराधि
हिंआदरदीन्हो॥कपटकरौंअंतरजामहुसोंअघव्यापक
हिदुरावौं॥ऐसेकुमतिकुसेवकपररघुपतिनकियोमनबा
वो॥उदरभरौंकिंकरकहायबेंच्यौंविषयनिहाथहियोंहे॥
मोसेवंचककोकृपालछलछाडिकेंछोहुकियोंहे॥पलपल
केउपकाररावरोजानिबूझिसुनिनीके॥भिद्योनकुलिश
हुतेंकठोरचितकबहुंप्रेमसियपीके॥स्वामीकीसेवकहि
ततासबकछुनिजसाइंदोहाई॥मैंमतितुलातौलिदेखीभ
ईमेरीहीदीसिगरुआई॥एतेहुपरहितकरतनाथमेरो-
करिआयेअरुकरिहै॥तुलसीअपनीओरजानियतप्रभु
हिकनोडोईभरिहे॥१७२॥कबहुकहौंएहिरहनिरहौंगो
॥श्रीरघुनाथकृपालकृपातेसंतसुभावगहौंगो॥यथाला
भसंतोषसदाकाहूसोंकछुनचहौंगो॥परहितनिरतनिरं
तरमनक्रमबचननेमनिबहौंगो॥परुषबचनअतिदुःस
हश्रवणसुनितेहिपावकनदहौंगो॥विगतमानसमशी
तलमनपरगुणननहिदोषकहौंगो॥परिहरिदेहजनित
चिंतादुखसुखसमबुद्धिसहौंगो॥तुलसिदासप्रभुएहि
पथरहिअविचलहरिभक्तिलहौंगो॥१७३॥नाहिनआव
तआनभरोसो॥एहिकलिकालसकलसाधनतरुहैश्र
मफलनिफरोसो॥तपतीरथउपवासदानमखजेहिंजो
रुचैकरोसो॥पाएहिपैजानीबोकर्मफलभरिभरिवेदप-

रोसो॥आगमविधिजपजागकरतनरसरतनकाजखएैसो॥सुखसपनेहुंनयोगसिधिसाधनयोगवियोगधएसो॥कामक्रोधमदलोभमोहमिलिज्ञानविरागहरोसो॥विगरतमनसन्यासलेतजलनावतम्रामघरोसो॥बहुमतसुनिबहुपंथपुराणनिजहांतहांरुगरोसो॥गुरुकह्यौरामभजननीकोमोहियरामराजडगरोसो॥तुलसीविनपरतितिभीतिफिरिफिरिपचिमरैमरोसो॥रामनामबोहितभवसागरचाहेतरनतरोसो॥१७४॥जाकेप्रियनरामवैदेही॥सोछांडियेकोटिवैरीसमयद्यपिपरमसनेही॥तज्योपितामहलादविभीषणबंधुभरतमहतारी॥बलिगुरुव्रजवनितनिपतिनभगेभइजगमंगलकारी॥नातेनेहरामकोमानियतसुहृदसुसेव्यजहांलो॥अंजनकहाआंखजोहिफूटेबहुतकहौंकहांलौ॥सोतुलसीसबभांतिपरमहितपूज्यप्राणतेप्यारो॥जासोंहोइसनेहरामपदसोईहितूहमारो॥१७५॥जोपैरहनिरामसोनाही॥तौनरखरकूकरसूकरसेजायजियतजगमांही॥कामक्रोधमदलोभनीदभयभूषप्याससबहीकै॥मनुजदेहसुरसाधुसराहतसोतेनिहतसीयपीके॥सुरसुजानसुपूतसुलक्षणगनियतगुणगुरुआई॥विनहरिभजनइंदोरकेसेफलतजतनहीकरुआई॥कीरतिकुलकरतूतिभूतिभलिशीलसरूपसलोने॥तुलसीप्रभुअनुरागरहितजैसेसालनसागअलोने॥१७६॥राख्योरामसेस्वामीसोनिचनेहननातो॥एतेअनादरहोतहीतेनहातो

॥जोपैनएनातेनहूफोकटफाके॥देह्केदाहकगाहकजीके॥
अपनेआपनेकोसवचाहतनीको॥मूलदुहूकोदयालुदुल
हसीयको॥जीवकेजीवनप्राणप्राणहुकेप्यारो॥सुखहू
कोसुखरामसोतेंविसारो॥कियोकरैगोतोसेखलकोभ-
लो॥ऐसेसाहिवसोंतुक्योंकुचालिचलो॥तुलसीतेरिभ-
लाईअजहूबूझै॥राउराउतहोतफिरकेजूझै॥१७७॥जौ
तुमत्यागोरामहोंतोनहित्यागों॥परिहरिपायकाहिअनुरा
गों॥सुखदप्रभुतमसोजगमाहीं॥श्रवणनयनमनगो
चरनाहीं॥होंजडजीवईशरघुराया॥तुममायापतिहोंव
समाया॥होंतोकुजाचकस्वामीसुदाता॥होंकपूततुमहितु
पितुमाता॥जौपैकहूकोउबूझतवातो॥तौतुलसीविनमो
लविकातो॥१७८॥भएऊउदासरामभेरेआसरावरी॥-
आरतस्वारथीसवकहैवातवावरी॥जीवनकोदानीघन
कहातहिचाहिए॥प्रेमनेमकेनिवाहेचातकसराहिए॥मी
नतेनलाभलेसपानीपुन्यपीनको॥जलविनथलकहांमीचु
विछुरीनकोवडेहीकीओटवलिवाचिआएछोटेहैं॥चलत
खरेकेसंगजहांखोटेहैं॥एहिदरवारभलोदाहिनेहुवाम-
को॥मोकोशुभदायकभरोसोरामनामको॥कहतनसानी
हैहोंहिएनाथनीकीहै॥जानतकृपानिधानतुलसीकेजीकी
है॥१७९॥रागबिलावल॥कहांजाऊंकासोकासोकहोंको
सुनेदीनकी॥त्रिभुवनतुहिगतिसवअनहीनकी॥जगज
गदीशघरघरनिधनेरहैं॥निराधारकोअधारगुणगण

तेरेहै॥गजराजकाजखगराजतजिधायोको॥मोसेदास-
कोसपोसतोसोमाथजायोको॥मोसेकुरकायरकपूतकौ
डीआधके॥कियेवहुमोलतैंकरैयागृद्धश्राद्धके॥तुलसीकी
तेरेहीवनायेवलीवनैगी॥प्रभुकीविलंबअंबदोखदुखज-
नैगी॥१८०॥वारकविलोकिवलिकीजैमोहिआपनो॥रा
यदसरथकेतूउथपनथापनो॥साहेबशरणपालुसबल
नदूसरो॥तेरेनामलेतहीसुखेतहोतऊसरो॥वचनकर्म
तेरेमेरेमनगडेहै॥देखेसुनेजानेमैंजहानजेतेबडेहै॥कै
सेकियोंसमाधानसनमानसिलाको॥भृगुनाथसारिखो
जितेयाकौनलीलाको॥मातुपितुबंधुहितलोकबेदपाल
को॥बोलेकोअचलनतकरतनिहालको॥संग्रहीसनेहव
सअधमअसाधुको॥गीधशवरीकोकहौकरिहैसराधको
॥निराधारकोअधारदीनकोदयालको॥मीतकपिकेवटर
जनीचरभालुको॥रंकनिरगुणीनीचजेजेतैंनिवाजेहै॥म
हाराजसुजनसमाजतेविराजेहै॥सांचीविरदावलीनवढी-
कहीगईहै॥शीलसिंधुढीलतुलसीकीवारभईहै॥१८१॥
केहूंभांतीकृपासिंधुमेरिवोरहेरिऐ॥मोकोऔरठौरनसु
टेकएकतेरिए॥सहससीलातेंअतिमतिजडभईहै॥
कासोंकहौंकौनेगतिपाहनहीदईहै॥पदरागजागचहौं
कौसिकज्योंकियोहै॥कलिमलखलदलदेषिभारिभीतिभियोहै॥क
र्मकपिशाकलिवलिबासत्रस्योहै॥चाहतअनाथनाथतेरिवांहवस्यो
है॥महामोहरावणविभीषणज्योंहयोहै॥आहितुलसीसत्राहिति

हुंतापतयोहै॥१८२॥नाथगुणगाथसुनिहोतचितचाउसो॥
रामरिझिवेकोजानोभक्तिनभाउसो॥कर्मसुभाउकालठाकुर
नठांउसो॥सुधनननसुतननसुमनसुभाउसो॥जाचोज
लजाहिकहेंअमियपिआवसो॥कासोंकहोकाहूसोनवद
तहियाउसो॥वापवलिजाउंआपकरिएउपाउसो॥तेरेहि
निहारेंपरेहारेहूसुदाऊसो॥तेरेहिसुझाएसुजेअसुझ
सुझाउसो॥तेरेहीबुझाएबूझेअबुझबुझाउसो॥नाम
अवलंबअंबुदीनमीनराउसो॥प्रभुसोवनाइकहेजीह
जारिजाउसो॥सबभांतिबिगरीहै एकसुबनाउसो॥तुल
सीसुसाहिबहिदियोहैजनाउसो॥१८३॥रागअसावरी
॥रामप्रीतिकीरीतिआपुजनीअतिहैं॥बडेकिबडाईछो
टेकोछोटाइदूरिकरैएसीयोबावरिवलिमानिअतिहै॥गी
धकोंकरायोश्राद्धभीलनीकेखायेफलसोऊसाधुसभाभ
लिभांतिभनिअतिहै॥रावरेआदरीलोकवेदहूआदरीअ
नियोगज्ञानहूतेगुरुगनिअतिहै॥प्रभुकोकृपाकृपालकठि
नकलिहुकालमहिमासमुझिउरआनिअनिहै॥तुलसीप
राएवसमएरसअनरसदीनबंधुद्वारेहठठनीअतिहै॥
॥१८४॥रामनामकेजपेपेजाइजिएकिजरनि॥कलिका
लअपरउपाएतेअपायभएजैसेतमनासिवेकोचित्रके
तरनि॥कर्मकलापपरितापपापसानेसवज्यौंसुफूलफू
लेतरुफोकटफरनि॥दंभलोभलालउपासनाविनासनी
केसुगतिसाधनभईउदरभरनि॥योगनसमाधिनिरु-

पाधीनविरागज्ञानवचनवेषविसेषिकहुनकरनी॥कपट
कुपथकोटिकहनिरहनिषोटिसकलसराहेनिजनिजआन
रनी॥मरतमहेशउपदेतहैकहाकरतसुरसरितीरकाशीध
र्मधरनी॥रामनामकोप्रतापहरकहेजपैंआपयुगयुगजानैं
जगवेदहुवरनी॥मतिरामनामहिसोंरतिरामनामहीसोंग
तिरामनामहिकीविपतिहरनी॥रामनामसोप्रतितीप्रीतिरा
खेकवहुकतुलसीढरेंगेरामआपनिढरनि॥१८५॥लाजनला
गतदासकहावत सोआचरणविसारसोचतजिजोहरितु
म्हकहुंभावत॥सकलसंगतजिभजताजाहिसुनिजपत
पयोगवनावत॥सोसममंदमहाषलपांवरकोनयत्नतेहि-
पावत॥हरिनिर्मलमलग्रसितहृदयअसमंजसमोहिजना
वत॥जेहिसरकाककंकवकसूकरक्योंमरालतहाआवतजा
कीशरणजाईकोविदवारुनत्रैयतापनसावत॥तहुंगएम
दमोहलोभअतिसरगहुंमिटतनसावत॥ भवसरिताकु-
हुनावसंतयहकहिऔरनिसमुकावत॥ होतिन्हसोहरि
मर्मवैरकरितुम्हसोभलोमनावत॥नाहिनऔरठौरमोकहु
तातेहठिनातोलावत॥राखहुशरणउदारचूडामणितुल-
सीदासगुणगावत॥१८६॥कौनयत्नतेविनतीकरिए॥
निजआचरणविचारहारहियमानीजानिहारिडरिय॥
जेहिसाधनहरिदवहुजानिजनसोहाटिपरिहरिए॥जा
तेविपतिजालनिशदीनदुखतिहिंपथअनुसरीए॥जा
नतहुमनकर्मवचपरहितकिन्हेतरिए॥सो[illegible]परीती-

देखौपरसकुखविनकारणहिजारिऐ॥श्रुतिपुराणसन्तकोम
तयहसतसंगसकृदृढधारिए॥ निजअभिमानमोहईर्षावि-
सतिन्हहिनआदरिऐ॥संततसोइप्रियमोहिसदाजातेंभव
निधिपरिए॥कहौअवनाथकवनवलतेंसंसारशोकहरिए
॥जबककवनौजककृपासकृभाएतेदृवहुतोनिस्तरिए॥ तुल-
सीदासविश्वासआननहिंकतपचिपचिमरिए॥१८७॥तां
हितेंआयोशरणसवेरे॥ज्ञानवीरागभक्तिसाधनकछुस
पनेहुंनाथनमेरे॥ लोभमोहमदक्रोधवोधरिपुफिरतरैंन-
दीनघेरे॥ तिन्हहिमीलेमनुभयौकुपथरतिफिरौतिहार
हिफेरे॥दोषनिलययहविषयशोकप्रदकहतसंतश्रुतिटेरे
॥जानतहुंअनुरागतहांअतिसोउहरितुम्हरेहिप्रेरे॥वि
षयाग्रूरवसमकरहुअग्निहिमतारिसकहुविनवेरे॥तुम-
समईशकृपालपरमहितपुनिनपाइयतहेरे॥ यहजिय
जानिरहौंसकवतजिरघुविरभरोसेतेरे॥तुलसीदासयह
विपतिवागुरोतुमसोंवनिहिनिवेरे॥ १८८॥ मैंतौअवजा
न्यौसंसार॥ बाधिनसकहिमोहिहरिकेवलप्रगटकपट
आगार॥देषतहीकमनीयकछूनाहिनापुनिकिएविचार
॥ज्यौंकदलीतरुमध्यनिहारतकवहुनिकरतसार ॥ते
रेलिएजन्मअनेकमेंफिरतनपायोपार॥ महामोहमृगज
लसरितामहुवोरयौहौंवारहिवार॥ सुनौखलछलबलको
टिकिएवसहोंहिनभक्तउदार॥साहितसहायतहांवासिअ
वजिहिन्हदयननंदकुमार॥तासोंकरहुचातुरिजोनहिं

जानेमरमतुम्हार॥सोपरिमरैडरैरजुअहितेबूझैनाहिव्यवहा
र॥निजहितसुनिसठहठनकरहिजोचहहिकुशलपरिवार॥
तुलसीदासप्रभुकेदासन्हतजिभजहिंजहांमदमार॥१८९
॥रागगौरी॥ रामकहतचलरामकहतचलरामकहुचलुभा
ईरे॥नाहितोभववेगारिपरिहोछुटिहुअतिकठिनाईरे
॥वांसुपुराणसाजसबअटकठसरलतिकोनखटोलारे॥
हमहिदिहलकरकुटिलकर्मचंदमंदमोलबिनडोलारे॥ वि
षमकहारमारमदमातेचलहिपाउवटोरेरे॥मन्दुविलंदअ
भेरादलकनपाइयदुखझकझोरेरे॥कांटकुरायलपेटनलो
टनठांवहिंठाववझाउरे॥जसजसचलिएदूरितसतस-
निजवासनभेटलगाउरे॥मारगअगमसंगनहिसंबल
नामग्रामकरभुलारे॥तुलसीदासभवत्रासहरहुअवहो
हुरामअनुकूलारे॥१९०॥ सहजसनेहीरामसोतेंकियोन
सहजसनेहु॥ तातेकछुसमुझोनाहिसुतुअजहूसिषाव
नएहु॥ज्योंमुखमुकुरविलोकियेअरुचितनरहेअनुहा
रि॥त्योंसेवतहुनिरापनेमातुपितासुतनारी॥दैदैसुमन
तिलवासिकेअरुखरीपरिहरिरसलेत॥स्वारथहितभूत
लभरेमनमेंचकतनसेत॥करिवोत्योंअबकरतुहैकरिवे-
हितमीतअपार॥कहूंनकोउरघुविरसोनेहनिवाहनहार
॥जासोसवनातोफुरैतासोंनकरिपहिचानि॥तातेकछुस
मुझोनहिकहालाभकहाहानि॥सांचोजान्योझूठकेझूठे
कहूसांचोजानी॥कोनगयोकोनजातहैकोनजैहेकरिहि

तहानि॥ वेदकह्योबुद्धकहत हैंव्यकहोंहूं कहतहोंटेर॥तु
लसीप्रभुसाचोंहितूतूहियकीआंखिनहेरि॥१९१॥एकस
नेहीसाचोलोकेवलकोशलपालु॥प्रेमकनोंडोरामसोंनांहि
दूसरोदयालु॥तनसाथीसबस्वारथीसुरव्यवहारसुजा
न॥आरतअधमअनाथकोहितुकोरघुवीरसमान॥नादु
नोंदुरसमचरसों॥विसलिलसनेहनसूर॥शशिसरोगदि
नकरबडेपयदप्रेमपथकुर॥जाकोमनजासोंबध्योतांकोसु
खदायकसोई॥सरलसीलसाहिबसदासीतापतिसरिसन
कोई॥सुनिसेवसहिकोकरेपरिहरेकोदूषणदेषि॥केहिदि
वानदिनदीनकोआदरअनुरागविशेषि॥खगशबरीपितु
मातुज्योंमानेकपिकेकियेमित॥केवटभेट्योभरतज्योंऐसो-
कोकहोपतितपुनीत॥देइअभागेहिभागुकोकोराखेशरण
सभीत॥वेदविदितविरुदावलीकविकोविदगावतगीत॥कै
सोउपावपातकीजेहिलईनामकीओट॥गांठीबांध्योराम
सोपरिखोनफेरीखरखोट॥मनमलिनकलिकिलविषि
होतसुनतजासुकृतकाजसोउतुलसीकीयोआपनोरघुवि
रगरिवनीवाज॥१९२॥जौपैजानकीनाथसोंनातोनेहन
तीन्हे॥स्वारथपरमारथकहाकलिकुटिलविगास्योबीच॥
धर्मवरणआश्रमनिकेपैयतपोथीहीपुराण॥करतवबी-
नवेषदेषीएज्योंशरीरविनप्राण॥वेदविदितसाधनसबै
सुनियतदायकफलचार॥रामप्रेमबीनजानीबोजेसेंसर
सरिताविनवारि॥नानापथनिर्वाणकेनानाविधानबहु

भांति॥तुलसीतुमेरे कहेजपुरामनाम दिनराति॥१९३॥अ
जहुआपनेरामकेकरतवससुभ्रतहितहोई॥कहांतुकहांको
शलधनीतोकोकहाकहतसबकोई॥रीझिनीवाज्योंकवही
तूंकबरिवझिदईतोहिगारि॥ दरपनवदननीहारीकैसुविचा
रुमानहियहारी॥ बिगरीजन्मअनेककीसुधरतपललगैन
आधु॥पाहिकृपानिधीप्रेमसोंकहेकोनरामकियोसाधु॥
बालमीककेवटकथाकपीभीलभालुसनमान॥सुनिसनमु
खजोनरामसोंतेहिकोउपदेसहिज्ञान॥कासेवासुग्रिवकी
कामीतिनितिनिवाहुं॥जासुबंधुवध्योव्याधज्योंसोसुनत
सुहातनकाहु॥ भजनविभीषणकोकहाफलकहादियोर
घुराज॥रामगरिबनेवाजकेवडीबाहबोलकोलाज॥जपहि
नासरघुनाथकोचरचानदूसरिचालु॥सुमुखसुखदसा-
हिबसुमीससमरथकृपालनतपालु॥सजलनयनगदगद
गिरागहबरिमनपुलकशरीर॥ गावतगुणगणरामकेके
हिकीनमिटीभवभीर॥प्रभुकृतज्ञसर्वज्ञहेंपाहिहरपा-
छीलीगलानि॥तुलसीतोसोरामसोंकछुनईनजानिप
हिचानि॥१९४॥जोंअनुरागनरामसनेहिसों॥तोल-
ह्योलाहुकहानरदेहिसोंजोतनुधरिपरिहरिसबसु
खभएसुमतिरामअनुरागी॥सोतनुपाइअघाईकिय
अघअवगुणअधमअभागी॥ज्ञानविरागयोगजप
तपभयलोभमोहमदमगनहियोरे॥रामप्रेमबिननेमला
वजैसेमृगजलजलधिहल्लोरे॥लोकविलोकिपुराणवे

रसुनिससुझिबुझिगुरुज्ञानी॥ प्रीतीप्रतीतीरामपदपंकजसकलसुमंगलखानी॥ आजहुंजानिजियहारिमानिहिएहोइपलकुमहनोको॥ सुमिरुसनेहसहितहीतरामहिमानमतोतुलसीको॥ ११५॥ बलिजाउहोरामगोसाईं॥ कीजीयेकृपाआपनीनाईं॥ परमारथसुरपुरसाधनसबस्वारथसुखदभलाई॥ कलिसकोपलोपीसुचालीनिजकठिनकुचालिचलाई॥ जहांजहंचित्तचितवतहितंतहांनितनवविषादअधिकाई॥ रुचीभावतीभभरिभागहिसमुहांहिअनितअनभाई॥ आधीमगनमनव्याधिविकलतनवचनमलिनऌगाई॥ एतेहुपरतुमहिसोतुलसीकीप्रभुसकलसनेहसगाई॥११६॥ काहेकोंफिरतमरतबहुयत्नमिटेनदुषविमुखरघुकुलवीर॥ कीजेजोकोटिउपाइत्रिविधितापनजाइकह्योजोभुजउठाइमुनिवरकीर॥ सहजदेवविसारीतुहीधौंदेषीविचारीमीलैनमथतवारिघृतविनक्षीर॥ समुझितजहिपदयुगसेवतसुगमगुणगहनगंभीर॥ आगमनिगमग्रंथऋषमुनिसुरसंतसबहीकोएकमंत्रसुनिमतिधीर॥ तुलसीदासप्यासमरैपसुयद्यपिहैनिकटसुरसरितीर॥ ११७॥ नाहिनचरननरतितातेसहोंविपतिकहतश्रुतीसकलमुनिमतिधीर॥ वसैजोशसीउछंगसुधास्वादितकुरंगताहिकोभ्रमनिरषिरविकानीर॥ सुनीयनानासुराएगमीटतनाहिअज्ञानपटियनसमुझियजिमिखगकीर॥ वरुनविनाहिपाससैवरसुमनआसकरतच

रततेइफलविनहरिरूछुनसाधनसिधिजानौनानिगमाविधिनहिजपतपवसमनननसमीर॥तुलसीदासभरोसपरमकरुणाकोशप्रभुहरिहैविषमभवभीर॥१९८॥ मनपछितैहैअवसरवीतेदुर्लभदेहपाईहरिपदभजकर्मवचनअरुहीते॥सहसबाहुदशवदनआदिनृपवचेनकालबलिते॥हमहमकरिधनधामसंवारेअंतचलेउठिरीते॥सुतवनितादिजानीस्वारथरतनकरुनेहसबहीते॥अंतहुतोहितजाहिंगेपावरतूनतजहिअबहीते॥अवनाथहिअनुरागुजागजडत्यागदुरासाजीते॥बुझेनकामअग्नितुलसीकहुविषयभोगबहुधीते॥१९९॥ काहेकोंफिरतमूढमनधायो॥तजीहरिचरणसरोजसुधारसरविकरजलललचायो॥त्रिजगदेवनरअसुरअपरजगयोनिसकलभ्रमिआयो॥गृहवनितासुतबंधुभएबहुमातुपिताजिन्हजायो॥जानेंनिरयनिकायनिरंतरसोइनतोहीसिखायो॥तबहितहोयकठहिभवबंधनसोमगतोनबतायो॥अजहुंविषयकुहुंयत्नकरतयद्यपिबहुविधीडहकायो॥पावककामभोगघृततेंसठकैसेंपरतबुझायो॥विषयहिनदुखमिलेविपतीअतिसुखसपनेहुंनाहिपयो॥उभयप्रकारप्रेतपावकज्योधनदुखप्रदश्रुतिगायो॥क्षिणक्षिणक्षीनहोततजीवनदुर्लभतनवृथागवांयो॥॥तुलसीदासहरिभजहीआसतजिकालउरगजगवायो॥ २०० ॥ तांवेसुपीढमनहुतनपायो॥नीचमीचजानत

नसीस परईश निपट विपरीयो ॥ अबनिरवनी थन थाम स्रुहृद स्रुत कौन इन्हहि अपनायो ॥ काके भए गसंगकाके सबसनेह छलछायो जिन्हभूपन्हिजगजिति बांधि यमअपनिबाहुबसायो॥ तेऊकालकलेउकीन्हेतृणगनातिकबखायो ॥ देखिविचारिसारुकासांचोकहानीगमनिजगायो॥ भजसीन अजहुंसमुझितुलसीतेहिजेहिमहेशमनलायो॥
॥२०१॥ लाभुकहामानुषतनुपाए। कायवचनमनसपनेहुंकबहुंकघटतनकाजपराए॥ जोसुखसुरपुरनरकगेहवनआवतविनहिबुलाए॥ तेहिसुखकहुंबहुयत्नकरत मनसमुझतनहिसमुझाए॥ परदारापरद्रोहमोहवसकीएमूढमनभाए॥ गर्भवासदुखरासीजातनातीव्रविपत्तिविसराए॥ भयनिद्रामैथुनअहारसवकेसमानजगजाए॥ सुरदुर्लभतनधरिनभजेहरिमदअभिमानगमाए॥ गईनननिजपरबुद्धिसुद्धिव्हेरहेनराममलयलाय ॥ तुलसीदासएहीअवसरवीतेकापुनिकेपछिताए॥
॥२०२॥ काजकहानरतनधरिसारयो। परउपकारसारश्रुतिकोसोधोखहुंमैनविचारयो॥ द्वैतमूलभयशूलशोकफलभवतरुटरैनटारयो॥ रामभजनतीक्षणकुठारलैसोनहिकाटीनिवारयो॥ संशयसिंधुनामवोहितभजुनीजआतमानतारयो॥ जन्मअनेकविवेकहीनबहुयोनिभ्रमतनहिहारयो॥ देखिआनकीसहजसंपदाद्वेषअनलमनजारयो॥ समदमदयादीनपालनशीतलहिय-

हरिनसंभास्यौं॥प्रभुगुरुपितासखारघुपतिमेंमन क्रमब
चनबिसास्यौं॥तुलसीदासयहित्रासशरणराखहिजेहिगृ
ह्वउधास्यौ॥२०३॥श्रीहरिगुरुपदकमलभजहुमनतजि-
अभिमान॥जेहिसेवतपाइयहरिसुखनिधानभगवान॥
परिवाप्रथमप्रेमबिनुरामभोलनअतिदूरिजद्यपिनीकट-
हृदयनिजरहेसकलभरिपूर॥दूईजिदैतमतिछांडिचर
हीमहिमंडलधीर॥विगतमोहमायामदहृदयसदारघु-
वीर॥तिजित्रिगुणपरपरमपुरुषश्रीरमणमुकुंद॥गुण
सुभावत्यागेबिनुदुर्ल्लभपरमानंद॥चौथीचारिपरिहरहु
बुधीमनचितअहंकार॥बिमलबिचारपरपदनिजसुख
सहजउदार॥पांचहिपांचपरसरसशब्दगंधरसरूप॥
इनकरकहानकीजियेबहुरिपरबभवकुप॥छटिषटवर्ग
करियजपजतकसुतापतिलागि॥रघुपतिकृपावारिविन
नहिबतायलोभागी॥सानेंसप्तधातुनिर्मिततनकरियवि
चार॥तेहितनकेरएकफलकिजियपरउपकार॥आठइ
आठप्रकृतीपरनिर्विकारश्रीराम॥केहिप्रकारपाइयेहरि
हृदयवसहिबहुकाम॥नवमीनबद्वारपुरवसीजेहिनआ
पुभलकीन्ह॥तेनरयोनिअनेकभ्रमतदारुणदुखदीन॥
दसईदसहुकरसंयमजोनकरियाजियजानी॥साधनवृ-
थाहोहीसबमिलहिनसारंगपानि॥एकादशीएकमनव
सकैसेहुकरिमनजाइ॥सोइव्रतकरफलपावैआवागवन
नसाइ॥द्वादसीदानदेहूअसअभयहोइत्रैलोक॥परहि

तानिरतसोपारनबहुरिनव्यापेशोकतेरसितीनोन्अनवस्थात्तजहुभजहुभगवंत॥मनक्रमवचनन्अगोचरव्यापकव्यापअनंत॥चौदसिचौदहभुवनअचरचररूपगोपाल॥भेदगणविनुरघुपतिन्अतिनहरहिजगजाल॥पुनिउपेमभक्तिरसजानहीदास॥समशीतलगतमानज्ञानरतिविषयउदास॥त्रिविधशूलहोलियजारियखेलियअसफागुजोजियचहसीपरमसुखवतोएहीमारगलागु॥श्रुतिपुराणबुधसंमतचांचरीचरित्तमुरारीकरिविचारभवतारियपारियनकुबहुजमधारि॥संशयशमनदमनदुखसुखवानधानहरिएक॥साधुकृपाविनमिलहिनकरियउपायअनेक॥भवसागरकहुंनावशुद्धसंतनकेचर्ण॥तुलसीदासप्रयासविनमिलहिरामदुखहर्ण॥ २०४॥ रागकान्हारा॥जौमनलागैरामचरणअस॥देहगेहसुतवित्तकलत्रमहुंमगनहोतविनयत्नकियजस॥द्वंदरहितगतमानज्ञानरतविषयाविरतखटाईनानाकुससुखनिधानसुजानकोशलपतिव्हैप्रसन्नकहुक्योनहोंहिवस॥सर्वभूतहितनिर्व्यलीकचीतभक्तिप्रेमदृढनेमएकरसतुलसिदास॥यहहोइतबहीजबद्रवैईशजिहिंहतेसीसदश॥२०५॥ज्यौमनभज्योचहैहरिसुरतरु॥तौतजिविषयविकारसारभजिअजहुंतेजोमैंकहौंसोइकरु॥समसंतोषविचारिविमलअतिसतसंगतीएचारिदृढकरिधरु॥कामक्रोधअरुलोभमोहमदरागद्वेषविशेषकरिपरिहरु॥श्रवनकथामुखनामहृदयहरिसिरप्रणामसेवाक

रिअनुसरु॥ नैननीररविछपाससुदहरिअगजगरूपभूप सीतावरु॥ यहैभक्तिवैराग्यज्ञानयह हरितोषनयहसुभ व्रतआचरु॥ तुलसिदासशिवमतमारगएहिचलत सदा सपनेहुनाहिनडरु॥२०६॥ नाहिनऔरकोउशरणला- यकदूजोश्रीरघुपतिसमविपतिनीवारण॥ काकोसहज सुभाउसेवकवसकाहिप्रणतपरप्रीतिअकारण॥ जन गुणअलपगणतसुमेरुकरिअवगुणकोटिविलोकिवि- सारण॥ परमकृपालभक्तिचिंतामणिविरदपुनितपतितज नतारण॥ सुमीरतसुलभदासदुखसुनीहरिचलततुर तपटपीतसंभारण॥ साखिपुराणनिगमआगमसब जानतद्रुपदसुताअरुवारण॥ जाकोयशनिर्मलगावत कविकोविदजिन्हकेलोभमोहमदमारण॥ तुलसीदास सतजिआससकलभजिकोशलपतिमुनिवधुउधारण ॥२०७॥ भजिवेलायकसुखदायकरघुनायकसरिससर- णप्रभुदुजोनाहिन॥ आनंदभवनदुखदवनशोकशम- नरमारमणगुणगणतसियाहिन॥ आरतिअधमकु जातिकुटिलखलपतितसभीतकहूंजेसमाहिन॥ सुमी रतनामविवसहूंवारएकपावतसोपदजहांसुरजाहिन॥ जाकेपदकमलुब्धमुनीमधुकरविरतिजेपरमसगति हुलुभाईन॥ तुलसीदाससठतेहिनभजाहिकसकारु- णीकजोअनाथहिदाहिन॥२०८॥ रागकल्याण॥ ना थसोकोनविनतिकहिसुनावो॥ त्रिविधअनमाणल-

अवलोकिअघआपनोशरणसनमुखह्वेतसकुचिसिरना वों॥ विरंचिहरिभक्तिकोवेखवरवादिकाकूपटदलहरित पल्लुवनिरविछावों॥ नासलगिलाइलालसालल्लितवचन-कहिव्याधज्योंविषयविहंगनिवझावो॥ कुटिलसतकोटिमे रेरोमपरिवारियाहिसाधुगनतोमैपाहिलहिगनावों॥ पर्मेववरस्वगगवपर्वतचढ्यो अज्ञसर्वज्ञजनिमनिजना वों॥ सांचकिधोंझूठमोकोकहतकोऊकोउरामरावरोहों हुंतुह्मरोइजनकहावों॥ विरुदकिलाजकरिदासतुलसी हीदेवलेहुअपनाइअवदेहुजिनिवावों॥ २०१॥ नाहिनै नाथअवलंबमोहिआनकी॥ कर्ममनवचनप्रणसत्य करुणानोधेएकगतिराममभवदीयपदत्राणकी॥ कोहम दमोहममतायतनजानिमनवातनाहिजातिकहिज्ञान-विज्ञानकी॥ कामसंकल्पउरनिरखिवहुवासनहिआ सनहिएकहिआकनोर्वानकी॥ वेदविधितकर्मधर्मवि नआगमआतिजदपिजियलालसाअमरपुरजानकी-॥ सिद्ध सुरमनुजदनुजादिसेवतकठिनद्रवाहिहठयो गदिएभोगवलिप्राणकी॥ भक्तिदुर्लभपर्मशंभुशुक-मुनिमधुपप्यासपदकंजमकरंदमधुपानकी॥ पतित पावनसुनतनामविश्रामकृतभ्रमितपुनिसमुझिचि तग्रंथिअभिमानकीनरकअधिकारममघोरसंसा रतमकूपकहिभूपमोहिशक्तिआपानकी॥ दासतुलसी सोउत्रासनहीगमतमनसुमिरिगुहगृद्धगजजातिह

नुमानकी॥ २१०॥ औरकहाठौररघुवंशमनिमेरे॥ पतितपा
वनप्रणतपालअशरणबांकुरेबीरदबिरदैतकेहिकेरे॥म
मुझिजियदोषअतिरोषकरिरामजेकेरततनहिकानवीन-
तीवदनफेरे॥तदपिद्वैनोडरहोंनिहोकरुणासिंधुक्योंबर
हिजातसुनीबातविनहेरे॥मुखरुचिहोतुबासिवेकोपुर
राडरे॥रामतिहिरुचिहिकामादिगएघोरे॥अगमअपव
र्गअरुस्वर्गसुकृतेकफलनामबलक्योंबसोंयमनगरनेरे
॥कतहुंनहिठाउंकहांजाउंकोशलनाथदीनवितुहिहोविक
लविछुडेरे॥दासतुलसीहिवासदेहोअबकरिकृपाबस
तगजगृन्द्रव्याधादिजेहिखेरे॥ २११॥ कबहुंरघुवंशम-
णिसोउकृपाकरहुगे॥जेहिकृपाव्याधगजविप्रखलनर
तरेतिनहिसममानिलोहिनाथउद्धरहुगे॥योनिबहुजन्म
कियकर्मखलत्रिविधाविधिअधमआचरणकछुहृद
एनहिधरहुगे॥दीनहितअजितसर्वज्ञसमरथप्रणत
पालचितमृदुलनिजगुणनिअनसरहुगे॥ मोहमदमान
कामादिखलमंडलिसकुलनिर्मूलकरिदुसहदुखहरहु-
गे॥योगजपज्ञानविज्ञानतेअधिकअतिअमलदृढभक्ति
देपरमसुखभरहुगे॥ मंदजनमौलिमणिसकलसाधनहि
नकुटिलमनमलिनजियजानिजोडरहुगे॥दासतुलसी
वेदविदितविरुदावलिविमलयशनाथकेहिभांतिबिसर
रहुगे॥ २१२॥ रागकेदारा॥ रघुपतिविपतिदवन॥पर
मकृपालप्रणतप्रतिपालकपतितपवन॥कुरकूटीलकु

लहिनदिनअतिमलिनयमन॥सुमिरतरामनामपठएसन-
आपनेभवन॥गजपिंगलाअजामिलसेखलगनेधौंकवन॥
तुलसीदासप्रभुकेहिनदीनगतिजानकीरवन॥२१३॥हरि
सम‌आपदाहरन॥नहिंकोउसहजकृपालदुसहदुखसा
गर तरण॥गजनिजबलअवलोकिकमलपदगह्योजोश
रण॥दीनवचनसुनिचलेगरुडतजिसुनाभधरण॥द्रुप
दसुताकहुलख्योदुसासननगनकरण॥हाहरिपाहिकह
तपूरेपटविविधीवरण॥इहैजानिसुरनरमुनिकोविदसे
वतचरण॥तुलसीदासप्रभुकोनअभयकियोगजउद्धरण
॥२१४॥ऐसीकोनप्रभुकीरीति॥विरुदहेतुपुनीतपरिहरि
पांवरनीपरप्रीति॥गइमारनपूतनाकूचकालकूटलगाई
॥मातुकिगतिदईताहकृपालयादवराइ॥काममोहितगो-
पिकनिपरकृपाअतुलितकीन॥जगतपिताविरंचिजोन्ह
केचरणकीरजलीन॥नेमतेसिसुपालदिनप्रतिदेतगनि
गारि॥कियोलिनसोआपुमेहरिराजसभामझारि॥व्या-
धचितदैचरणमार्योमूढमतिमृगजानि॥सोसदेहसुलो
कपठयोप्रगटकरिनिजवानि॥कोनतीन्हकिकहैजिन्हके
सुकृतअघअरुदोई॥प्रगटपातकरूपतुलसीशरणरा-
ख्योसोई॥२१५॥श्रीरघुबिरकीयहवानी॥नीचहुंसोक
रतनेहसुप्रीतीमनअनुमानी॥परमअधमनिखादपांव
रकोनताकिकानी॥लियोसोउरलाईसुतज्योंप्रेमकिप-
हिचानि॥गृद्धकोनदयालजोविधिरच्योहिंसासानि॥

जनकज्योंरघुनायकताकहुंदियोजलनिजपानि॥ प्रकृत मलिनकुजातिशवरीसकलअवगुणखानि॥ खाततासके दियफलअतिरुचिबखानिबखानी॥ रजनीचरअरुअरि पुविभीषणशरणआयोजानि॥ भरतज्योंउठिताहिभेटतदे हदसासुधिनि॥ कौनसौंम्यकशीलवानरजिन्हहिसुमिर तहानि॥ किएतेसबसखापूजेभवनअपनेहानि॥ राम सहजकृपालकोमलदीनहितदिनदानी॥ भजहिंऐसेप्र- भुहितुलसीकुटिलकपटनठानि॥ २१६॥ हरितजिऔरभ जियकाहि॥ नाहिनेकोउरामसोममतापणतपरजाहि॥ कनककसिपुविरंचिकोजनकर्ममनअरुबात॥सुतहिदुख वतविधीनवरज्योंकालकेघरजात॥ शंभुसेवकजानजग बहूवारदिएदशसीस॥ करतरामविरोधसोसपनेहुंनह टक्योईश॥ औरदेवनकीकहौंकहांस्वारथहिकेमीतकब हुकाहुनराखिलियकोउगएसरणसभीति॥ कौनसेवत देतसंपतिलोकहुंयहरीति॥ दासतुलसीदीनपरएकरा- महिकेप्रीति॥ २१७॥ जौपैदूसरोकोउहोई॥ तौहोंबारहि बारप्रभुकतदुखसुनावोंरोई॥ काहिममतादीनपरका- कौपतितपावननाम॥ पापमूलअजामिलहिकेहिदियो अपनोधाम॥ रहेशंभुविरंचिसुरपतिलोकपालअने क॥ शोकसरिबूडतकरिसहिदईकाहुनटेक॥ विपुल- भूपतिसदसीमहुंनरनारीकह्योप्रभुपाहि॥ सकलसम रथरहुकाहुनवसनदीन्हेताहि॥ एकसुखक्योंकहौक-

कृपासिंधुकेगुणगाथ॥भक्तहितधरिदेहकहानकीयोंकोशलनाथ॥आपुसेकहिसोंपियेमोहिजोपेअतिहिघिनात॥दासतुलसिऔरविधक्योंचरणपरहरिजात॥२१८॥कबहुदेखाइहौहरिचरण॥शमनश कलकलेशकलिमलसकलमंगलकरण॥सरदभवसंदरतरुणतरअरुणवारिजवरुण॥लक्षीलालितललितकरतलछविअनूपमधरण॥गंगजनकअनंगअरिप्रियकपटवटुवलिछरण॥विप्रतियनृगवधिकदुखदोखदारुणदरण॥सिद्धसुरमुनिवृंदवंदितसुखदसवकहुशरण॥सकृतउरआनतजिन्हहिजनहोततारणतरण॥कृपासिंधुसुजानरघुपतिप्रणतिआरनिहरण॥दरसआसपियासतुलसिदासचाहतमरण॥२१९॥द्वारहोंभोरहिकोआजु॥रटतनिहारीऔरकोराहिकोकाजु॥कलिकरालदुकालदारुणसबकुभांतिकुसाजु॥नीचजनमनऊंचजेसिकोढमेंकीखाजु॥हहरिहियमेसदयबूझ्योंजाइसाधुसमाजु॥उन्हकह्योंसुमुझाइमोकहुजाचुकोशलराजु॥दीनतादारिददलेको-कृपावारिधिवाजु॥दानिदशरथरायकोतुवानइतसिरताजु॥जन्मकोभूकेगरिबहोतुगरिबनिवाजु॥पेटभरितुलसिहिजिवाइयभक्तिसुधासुनाजु॥२२०॥करियसंभारकोशलराय॥औरठोरनऔरगतिअवलंबनामविहाय॥बूझिअपनिआपनोहितुआपवापनमा-य॥रामरावरोनामगुरुसुरस्वामिसखासहाय॥रा

मराजनन्चलिहिमानसमलिनकेछलछाय।कोपतेहिकलि
कालकायरमुएहिघालतघायलेतकेहारिसोंवयरुज्योंभेकह
तिगोमाय॥त्योंहिरामगुलामजानिनिकामदेतकुदाय॥
अकनिजाकेकपटकरतवअमितअनयअपाय।सखिहरि
पुरुवसतहोतपरिक्षितहिपछिताए॥कृपासिंधुविलोकिअ
हिजनमनकेसांसातिसाय॥सरनआयोदेवदिनदयालदेख
नपाए॥निकटवोलिनवरजिएवलिजाऊंहनिहनहाय॥देखि
हेहनुमानगोमुखनाहारनिकेन्याय॥अरुएमुखभूविकट
पिंगलनैनरोखकखाय॥वीरसमीरसमीरकोघदिहेच-
पलचितचाय॥विनयसनिवोहसेआनुजसोंवचनकेकहि
भाय॥भलीकहिकह्योलखनहुंसिवनेसकलवनाय॥दइ
दीनहीदादिसोसनिसजनसदनवधाए॥मीटेसंकटसोच
पोचप्रपंचपापनिकाय॥येखिप्रीतीप्रतीतिजनपरअगुन
अनघअमाय।दासतुलसीकहतमुनिगनजयतिजयउ
रगाय॥२२१॥नाथकृपाहीकोपंथचितवतदीनहोंदिनरा-
ति॥होहिधोंकेहिकालदीनदयालजानिनजाति॥सगएज्ञा
नविरागभक्तिससाधननकोपांति॥भजोविकलविलोकि
कालिअघअवगुणनिकीथाति॥अतिअनीतिकुरितिभ
ईभूंदतरएिहूंतेंताति॥जाउंकहावलिजाउंकहूंनठांउम-
तिअकुलाति॥आपुसहितनआपनोकोउवापकठिनकु
भांति॥स्यामघनसोनियतुलसीसालिसफलसखाति
॥२२२॥वलिजाउंऔरकासोकहों॥सदगुणसिंधुस्वामी

सेवकहितकहुंनकृपानिधिसोलहौं॥जहंजहंलोभमोहह्लो
लालचवसनिजहितचह्निचहौं॥तहंतहंतरणितकतब
लूकज्योंभटकिकुतरकोटरगहौं॥कालयुभावनमेंचिन्त्यक
लहायकसानिसिरधुनिरहौं॥मोकौनौसकलसदाएकह्र
रसदुसहदाहदारुणदहौं॥उचितअनाथह्नोइदुखभाज
नभयौनाथकिंकरगहौं॥अचराचरोंकहायनप्रकियथा
हणपालसासतिसहौं॥महाराजराजौनविलोंचनभगन
पापसंतापहौं॥तुलसीप्रभुजवतबजेकितहिनिधिरामनि
वाहेनिरवहौं॥२२३॥आपनोकबहुकरिजानिहौं॥राम
गरीबनेवाजराजमणिविरुदलाजउरआनिहौं॥सिल
सिंधुसुंदरसबलायकसमरथसदगुणखानिहौं॥पालो
हैपाललमुनिपालहुगेप्रणतप्रेमपहिचानिहौं॥वेदपुराण
कहतजगजानतदानदयालदिनदानिहौं॥कहिआवतब
लिजाउमनहूंमेरिवारबिसारेबानिहौं॥आरतदीनअनाथ
निकेहितमानतलौकिककानिहौं॥हैपरिणामभलोतुलसी
कोशरणागतभयभानिहौं॥२२४॥रघुवरहिकबहुमन
लागिहै॥कुपथकुचालिकुमतिकुमनोरथकुटिलकपट
कबत्यागिहै॥जानतगरलअमियविमोहबसअमिय
गननकरिआरिहौ॥उलटिरीतिप्रीतिअपनिकीतजिप्र
भुपदअनुरागिहै॥आखरअरथमंजुमृदुमोदकरामप्रे
मपगपागिहै॥ऐसेगुणगाइरिझाइस्वामिसोंपाइहैजो
सुहमांगिहै॥तूएहिविधिसुखसैनसोइहैजियकिजर-

निभूरिभागिहैं॥रामप्रसाददासतुलसीउररामभक्तियो-
गजागिहैं॥२२५॥भरोसोऔरआइहैउरताके॥केकहुलहै
जोरामहिसोसाहिबकेआपनोहेबलजाके॥केकलिकाल
करालनसूझतमोहमारमदछाके॥केसुनिस्वामिसुभा
वरह्योचितजोहितसबअंगथाके॥होंजानतभलिभांति
अपनपौप्रभूजूसोंसुन्योंनसाके॥ उपलभीलखगमृगरज
निचरभलेभयकरतबकाके॥मोकोंभयोरामनामसुरतरुसो
उरामप्रसादकृपालकृपाके॥तुलसीसुखिनोसोचराजज्यों-
बालकमायबबाके॥२२६॥भरोसोजाहिदूसरोसोकरो॥मो
कोंतोरामकोनामकल्पतरुकलीकल्याणफरो॥कर्मउपासना
ज्ञानवेदमतसबसबभांतिषरो॥मोहितोसावनकेअंधहि-
जोंसूझतरंगहरो॥चाहतहोंपातरिस्वानज्योंकबहुंनपेट
भरो॥सोहोसुमिरतनामसुधारसपेखतपरुसिधरो॥
स्वारथऔपरमारथहूकोहेकुंजरोनरो॥सुनियतसेतु-
पयोधीपषाणनिकरिकपिकटकतरो॥प्रीतिप्रतीतिजहां
जांकीतहताकोकाजुसरो॥मेरेमायबापदोउआखरहों-
शिशुअरनिअरो॥शंकरसाखिजोराखिकहांकछुतोजरि
जीभगरो॥अपनोभलोरामनामहितेतुलसीहोसमुझिप-
रो॥२२७॥नामरामसबरोहितुमेरे॥स्वारथपरमारथसा-
थिनसोंहांभुजउठाइकहोंटेरे॥जननिजनकतज्योंजन्मी
कर्मबिनुविधीहूसृज्योंहोंअवडेरे॥मोहूसेकोउकोउकह
तरामहिकोसोप्रसंगकेहिकेरे॥फिन्योंठलातविनुनाम

उदरलगिदुखउदूखिनमोहिहरे॥ नामप्रसादलहतरसालफलअवहोंबहूरवहेरे॥ साधनसाधुलोकपरलोकहिसुनिगुनियत्नघनेरे॥तुलसीकेअवलंबनामहिकोएकगांठिकोटिफेरे॥२२८॥ प्रियनरामनामतेजाहिरामो॥ ताकोभलोकठिनकलिकालहुआदिमध्यपरिणामो॥ सकुचतसमुझिनाममहिमामदमोहलोभकोहकामो॥रामनामजपनिरतसुजनपरकरतछांहघोरघामो॥ नामप्रभावसहिजोकहेकोउसिलासरोरुहजामो॥जोसुनिसुमिरिभागभाजनभईसुकृतसीलभीलभामो॥ बालमिकअजामिलकेकछुहुतोशुभसाधनसामो॥उलटेपलटेनाममहातमगुंजनिजीतेललामो॥रामतेअधिकनामकरतबजेहिकीएनगरगतगामो॥ भयजाइदाहिनेजोजपितुलसीदासहुसेवामो॥॥२२९॥गरैगिजिहजोकहोंऔरकोहोंकोहों॥जानकीजीवनजन्मजन्मजगज्यायोतिहारेहिकोरकोहों॥तीनलोकतिहूकालनदेखतसुहृदरावरेजोरकोहों॥तुम्हसोकपटकरिकल्पकल्पकृमिव्हेहोंनरकघोरकोहों॥कहभयोज्योमनमलिनकलिकालहिकयोभौतुवाभोरकोहों॥तुलसीदाससितलनितएहिबलबडेठिकानेठोरकोहों॥२३०॥अकारणकोहितूऔरकोहे॥विरदगरीबनेवाजकोनकोभोहजासुजनजोहे॥छोटोबडोचहतसबस्वारथजोविरंचिविरचोहे॥कोलकुटिलकपिभालुपालिबोकोनकृपालहिसोहे॥काकोनामअनखआलसकहो॥अघअवगुणनिविछोहे॥कोतुलसीसोकुसेवकसंग्रहो

सठसबदिनसाईद्रोहे॥२३१॥ औरमेरेकोहैकाहिकहिहौं॥ रंकराजज्यौंमनकोमनोरथजेहिसुनाइसुखलहिहौं॥ यमयातनायोनीसंकटसबसहेहेदुसहअरुसहिहौं॥मोकोपैअगमसुगमतुम्हकोप्रभुतउफलचारिनचहिहौं॥ खेलिवेकोखगमृगतरुकिंकरव्हेरावरोरामहौंरहिहौं॥ एहिनातेनरकहुसचुपैहौंयाविनपरमपदहुदुखदहिहौं॥इतनिजीयलालसादासकेकहतपानहिगहिहौं॥ द्विजेवचनकोहृदयआनिएतुलसीकोप्रणनिरवहिहै॥२३२॥दीनबंधुदूसरोकाहापावौं॥कोतुमविनुपरपिरपाइहैकेहिदीनतासुनावौं॥प्रभुअकृपालकृपालअलाएकजहंजहंचितहिडुलावौं॥इहेसमुझिसुनिरहौंमोनव्हैकहिभ्रमकहागवावौं॥तोपदबुडिवेयोगकर्मकरिवातन्हिजलधिथहावौं॥अतिलालचिकाममकिंकरमनमुखरावरोकहावौं॥तुलसीप्रभुजियेकिजानतसबअपनोसोकछुकजनावौं॥सोइकीजैजेहिभांतिछाडिछलद्वारपरोगुणगावौं॥२३३॥ मनोरथमनकोएकैभांति॥चाहतमुनिमनअगमसुकृतफलमनसाअघनअघाति॥कर्मभूमिकलिजन्मकुसंघटमतिविमोहमदमांति॥करतकुयोगकोटिक्योंपैयतपरमारथपथसांति॥ सेइसाधुगुरुसुनिपुराणश्रुतिबुझेउराागवाजीतांति॥तुलसीप्रभुसुभाउसुरतरुकोसोज्योंदरपनसुखकांति॥२३४॥जन्मगवायोवादिहिवरावीति॥ परमारथपालेनेपरयोकछुअनुदिनअधीकअनिती॥

खेलतखातलरिकपवनसुवतिलियोजोति॥रोगवियोगशो
कश्रमसंकुलवडीवयवृथाहिश्रनिती॥रागरोषइररखाकि-
मोहवसरुचिनहिसाधुसमीति॥कहेनरूकनेगुणगणरघु
पतिकेभईनरामपदप्रीति॥हृदयदहतपछिताएअनल
इवसुनतदुसहभवभीति॥तुलसिप्रभुतेहोइसोकिजियेस
मुझिविरुदकीरीती॥२३५॥ऐसेहिजन्मसमुहसिराने॥
प्राणनाथरघुनाथसेप्रभुतजिसेवतचरनविराने॥जेज
डजिवकुटिलकायरखलखेवलकालिमलसाने॥सूखत
वदनप्रसंशततिन्हकहूंहरितेश्रधिककरिमाने॥रूख-
हितकोंउपायनिरंतरकरतनपायपिराने॥सदामलिन
पंथकेजलज्योंकवहुनहृदयथिराने॥यहदिनतादुरिवेको
मेश्रमितयत्नउरम्राने॥तुलसीचितचिंतानमिटेविनचिं
तामणिपहिचाने॥२३६॥जोपेजियजानकीनाथनजाने
॥तोसबकर्मधर्मश्रमदायकऐसोइकहतसयाने॥हेरूर
सिद्धमुनीशयोगविदवेदपुराणबखाने॥पूजालेतदेतप
लटेरूखहानीलाभश्रनुमाने॥काकोनामधोखेहुरूमि
रतपातकपुंजसिराने॥विप्रवधिकगजगृद्धकोटिखल
कोनकेपेटसमाने॥मेरुपेदोषदूरिकरिजनकेरेणुसेगुण
उरश्राने॥तुलसीदासतेहिसकलश्रासतजिभजहिंन
श्रजहुंश्रयेने॥२३७॥काहेनरसनारामहिगावहि॥
निशिदिनपरश्रपवादवृथाकतररिररिरागुवढावहि
॥नरमुखसुंदरमंदिरपावनवसीजिनिनाहिलजाव-

हि॥ससिसमीपरहित्यागिसुधाकतरविकरजलकहुंधावहि
॥कामकथाकलिकैरवचंदिनीसुनतश्रवनदेभावहि॥तिन्ह
हीहटकीकहिहरिकलकिरतीकरणकलंकनसावहि॥जा
तरूपमतियुवतिरूचिरमणिरविरचिहारबनावहि॥शर
णसुखदरविकुलसरोजरविरामनृपहिपहिरावहि॥वाद
विवादस्वादतजिभजिहरिसरलचरितचितलावहि॥तु-
लसीदासभवतरिहितिहुंपुरतुपुनीतयशगावहि॥२३०॥
आपनोहितरावरेसोजोपैसूझै॥तौजनतनपरअछतसी
ससुधाक्योकवंधज्योजूझै॥निजअवगुणगुणरामरावरे
लखिसुनिमतिमनमूझै॥रहनिकहनिसमुझनितुलसी-
कीकोकृपालबीनबूझै॥२३१॥जाकोहरिदृढकरिअंगक-
स्यो॥सोइसुसीलपुनितवेदविदविद्यागुणनिभस्यो॥उ
त्पत्तिपंडुसुतनकीकरनीसुनिसतपंथडस्यो॥तेत्रैलोक्य
पूज्यपावनयशसूनिसुनिलोकतस्यो॥जोनिजधर्मवेदबो
धितसोकरतनकछुविसस्यो॥विनअवगुणकृतकला
सकूपमज्जनकरगहिउधस्यो॥ब्रह्मविसिब्रह्मांडदहन
छमगर्भनिनृपतिजस्यो॥अजरअमरकुलिसहुनाहिन
वधसोपुनीफेनमस्यो॥विप्रअजामिलअरुसुरपतितेक
हाजोनहिविस्यो॥उन्हकोकियोसहायबहुतउरकोसंता
पहस्यो॥गणिकाअतिकदर्जतेजगमहुंअघनकरतउ
वस्यो॥तीनकोचरितपवित्रजानोहरिनिजहृदभवनध
स्यो॥केहिआचरनभलोमानेप्रभुसोतौनजानिपस्यो

॥तुलसीदासरघुनाथकृपाकोचितवतपंथरह्यो॥२५०॥
सोइसुकृतीसुचिसांचोजाइतुमरिझैं॥ गणिकागिधवधि
कहरिपुरगए लेकरसोप्रयागकबसोऊ॥कबहुनडिग्यो
निगममगतेपगन्नृगजगजानिजितेदुखपाए॥ गजधो
कौनदीक्षितजाकेसुमीरतलैसुनाभवाहनतजिधाए॥
सुरमुनिविप्रविहाइवडेकुलगोकुलजन्मगोपगृह्लिन्हों
॥वावोंदियोविभोकुपरतोकोभोजनजाइ विदुरघरकि
न्हो॥मानतभलेहिभलोभक्तहितेकछुकरीतिपारथहि
जनाई॥तुलसीसहजसनेहरामवसम्योरसवेजलके
सोचिकनाई॥२५१॥तवतुम्हमोहुसेसठनिहठिगतिदं
ते॥कैसेहुनामलेतकोउपावरसुनिसादरम्मागेह्वलेते॥
पापरवानिजियजानीम्मजामिलयमगणतमकोतइहोताको
भेते॥लियछडाइचलेकरमीजतपिसतदांतगएरीस
रेते॥गौतमतियगजगृद्धविटपकपिहेनाथहिनीकेमा
निमतेते॥जिन्हजिन्हकाजनिसाधुसमाजतजिकृपासिं
धुतवतवउठिगेते॥म्मजहुम्मधिकम्मादरएहिद्वारेपति
तपुनितहोतनाहिकेते॥मेरेपासंगहून पूजिहेह्वेगयहें
होनेखलजेते ॥होम्मवलवकरतूतितिहोरिवेचोनवत्त
हुतोनरावरेचेते॥म्मबतुलसीपुतरावाधिहेसहिनजा
तमोपेपरिहसएते॥२५२॥ तुमसमदिनबंधुनदीनकोउ
मोसमसुनहून्नृपतिरघुराई॥मोसमकुटिलमोलिमणिन
हीजगतुम्हसमहरिनहरनकुटिलाई॥होमनवचनकर्म

पातकरततुम्हकृपालपतितन्हिगतीदाई॥होंश्रनाथतुम्हश्र
भुश्रनाथहीतचितयहस्मुरतिकबहुनजाई॥होंश्रारत-
श्रारतिनासनतुम्हकीरतिनीगमपुरानगाई॥होंसभी
मतुम्हहरणसकलभयकारणकौनकृपाबिसराई॥तुम्ह
सुखधामरामश्रमभंजनहोंश्रतिदुखितत्रिबिधीश्रमपाई
॥यपहजियजानिदासतुलसीकहुंराखहुंशरणसमुझिप्र
भुताई॥ २४३॥ इहैजानिचरणनिचितलायो॥नाहिन-
नाथश्रकारणकोहितुम्हसमानपुराणश्रुतिगायो॥ज
ननीजनकसुतदारबंधुजनभयहेबहुतजहांहोजायो॥स्म
बस्वारथहितप्रीतिकपटचितकाहुतोनहिहरिभजनसि
खायो॥सुरमुनिमनुजदनुजश्रहिकीन्नरमैतनधरिसि
सकाहिननायो॥जरतफिरतत्रैतापपापबसकाहुनहरि-
करिकृपाजुडायो॥यतनश्रनेककिएसुखकारणहरि
पदबिमुखसदादुखपायो॥श्रबथाक्योंजलहीननाव
ज्योंदेखतबिपतिजालजगछायो॥मोकहुनाथबुझिएयह
गतिसुखविधाननीजपतिबिसरायो॥श्रबतजिरोषक
रहुकरुनाहरि तुलसीदासरनागतश्रायो॥ २४४॥ या
हितेमेंहारिज्ञानगंवायो॥परिहरिहृदयकमलरघुना
थहिबाहिरफिरतविकलभयधायो॥ज्योंकुरंगनिजश्रं
गरुचिरमदश्रतिमतिहीनमरमनहिपायो॥खोज
तगिरितरुलताभूमिबीलपरमसुगंधकहांतेधोश्रा-
यो॥ज्योंसरविमलवारिपरिपूरणउपरकछूसिवार

तृसछायो॥जारततहियोताहितजिहौसठचाहतइहिविधिव
स्वाबुझायो॥व्यापतत्रिविधितापतनदारुणतापरदुसहद
रिद्रसतायो॥अपनेहिधामनामसुरततरुतजिनिरवचबु
वागमनलायो॥तुमसमज्ञाननिधानमोहिसममूढनआण
पुराणनिगायो॥तुलसीदासप्रभुएहविचारिजियवं॥जिय-
नाथउचितमनभायो॥२६५॥मोहिमूढमनवहूतविगोयो
॥याकेलिएसुनहूकरुणामयमैंजगजन्मिजन्मदुखरोयो
॥शीतलमधुरपियूखसहजसुखनिकटहिरहतदूरिज
नूखोयो॥वहूभांतिनश्रमकरतमोहवसवृथाहिमंदमति
वारिविलोयो॥कर्मकिचजियजानिसानिचितचाहतकु-
टिलमलहिमलधोयो॥तृषावंतसुरसरिविहाइसठफि
रिफिरिविकलअकासनिचोयो॥तुलसिदासप्रभुकृपा-
करहुअवमैंनिजदोसकछुनहिगोयो॥डासततहिगइवीति
नीसासवकहुननायनोदभरिसोयो॥२६६॥लोकविदहुं
विदितवानसुनिससुझियेंहाहमोहितविकलमतिथितिन
लहति॥छोटेवडेखोटेखरेमोटेउदूवरेरामरावरेनिवाहे-
सवहिकिनिवहति॥होतेजोआपनेवसरहतोएकहीरस
दूनिनहररवशोकसासतिसहति॥चहतोजोईजोईलह-
तोसोईसोईकेहुभांतिकाहूकिनलालसारहति॥कर्मकाल
सुभावगुणदोषजोवनजगमायातेसोसभैमोहचकितच
हति॥ईशनिदोगीशनियोगीशनीसुनीशनीहुछोडतछो
डाएतेगहायतेगहति॥सतरंजकोसोसाजकाटकोस-
वैसमाजुमहाराजवाजीरचीप्रथमनलहति॥तुलसी

प्रभुकेहाथहारिवोजीतिवोनाथबहुभेखबहुसुखसारदा
कहति॥२४७॥रामरामजपुजोहजानियोतिसोप्रतितीमा
निरामनामजपैजैहैजियकीजरनि॥रामनामसोरहनिरा
मनामकीकहनिकुटिलकलिमलशोकसंकटहरनि॥रामना
मकोप्रभावपूजियतगणराउकियोनदुराउकहिआपनि
करनि॥भवसागरकोसेतुकाशीहुसुगतोजेमुजपतसा
दरशंभुसहितधरनी॥ वालमिक व्याधहेअगाधअप
राधनिधिमरामराजपैपूजेमुनिअमरनि॥रोक्योविधसो
ख्योसिंधुघटजहु॥नामवलहास्योहियखारोभयोभूसुरउ
रनि॥ नाममहिमाअपारशेषशुकबारबारमतिअनुसार
बुधवेदहुवरनि॥नामरतिकामधेनुतुलसीकोकामतरुरा
मनामहैविमोहतिमिरतरनि॥२४८॥पाहिपाहिरामपा-
हिरामभद्रपाहिरामचंद्रसुयशश्रवणसुनेआयोहोशर-
ण॥दीनबंधुदीनतादरिद्रदाहदोषदुखदारुणदुसहदर
दूरितहरण॥जवजवजगजालव्याकुलकरमकालसबख
लभूपभएभूतलभरण॥तवतवतनधरिभूमिभारदूरिक
रियापेमुनिसुरसाधुआश्रमवरण॥वेदलोकसबसाखि
काहूकीरतीनरखीरावणकीवंदीलागेअमरमरण॥ओ
कदैविशोककियलोकपतिलोकनाथरामराजभयोधर्म
चारिहुचरण॥सिलागुहगृद्धकपिभीलभालुरातिचर-
ख्यालहीकृपालकीन्हेतारणतरण॥पील उद्धरणसील-
सिंधुढीलदेखीअतीतुलसीपैचाहतगलानिहीगरण॥

॥२४९॥भलिभांतिपहिचानेजानेसाहेबजहांलोजगजूंठेहो
तसबहिनथोरेहीगरम॥प्रीतिनप्रबिननीतिहीनरीतिकेमलि
नमायाधीनसबकिएकालहूकरम॥दानवदनुजबडेमहामू
ढऊंचढेजीतेलोकलोकनाथचलनिभरम॥रीझीरीझदि-
यवररखीझिरवीझिघालेधरथापनेनेवाजेकीनकाहुकोस
रम॥सेवासावधानतूसुजानसमरथसाचोसबगुणधाम
रामपावनप्ररम॥सरुषसमुरवएकरसएकरूपतोहिवि-
दितविसेषघटघटकेमरम॥तोसोनतपालनकृपालनक
गालमोसोदयामेवसतदेवसकलधरम॥रामकामतरु-
छांहचाहेरुचिमनमाहतुलसीबिकलवलिकलिकुधरम॥
॥२५०॥तौहौवारवारप्रभुहिपुकारिकैखिं॥वतोनजोपै
मोहोतौकहूठाकुरठहरु॥आलसीअभागीमोसेतैकृपा
लपालेपोसेसजामेरेराजारामअवधसहरु॥सेएनदिगी
सनगनेसगौरिहितकैनमानेविधिहरिहूनहरु॥रामना-
महिसोजोगछेमनेमप्रेमपनसुधासोभरोसोएहूदूसरो
जहरु॥समाचारसाथकेअनाथनाथकासोकहोनाथ-
हिकेहाथसबचोरहुपहरु॥निजकाजसुरकाजआरत
केकाजरामबूझियेविलबकहाकरुनागहरु॥रीतिसुनि
रावरीप्रतितिप्रीतिरावरेसोडरतहोदेखिकलिकालकोक
हरु॥कहहीवनेगीकिकहाएरामबलिजाउतूलसितुमेरो
हारिहिएनहहरु॥२५१॥रामरावरोसुभावगुणसील
महिमाप्रभावजान्योहरुहनुमानलखनभरत॥जिन्ह

केहिए सुथलरामप्रेमसुरत्तरुलसतसरससुरवफुलतफ
रत॥ अमभानेस्वामीकेसरवासुभार पाईपतितेसनेहसा-
वधानरहतउरत॥ साहेबसेवकरितिप्रीतिपरमितिनीतिने
मकोनिवाहयकटकनटरत॥ सुकसनकादिप्रल्हादनारदा
दीकहेरामकीभक्तिबडिविरतनिरत॥ जानेबिनभक्तिनजा
निबोतिहारेहाथसमुझिसयानेनाथपगनिपरत॥ छम
तविमतएकपनेतिनेतिनितनीगमकरत॥ औरनिकिक-
हाचलिएकैबातमलेभलिरामनामलिएतुलसीहुसेतर
त॥ २५२॥ पायआपनेकगतमेरीयनिघटिगई॥ लालचील
वारकिसुधारियेवारकबलिरावरीभलाईसबहीकोभलाई॥ रो
गवसतनकुमनोरथमलिनपरअपवादमिथ्यावादवानीह
ई॥ साधनकीऐसीविधिसाधनबिनानसिधिविगारिबनावे
कृपानिधिकीकृपानई॥ पतीतपावनहितआरतअनाथनि
कीनिराधारकोअधारदिनबंधुदई॥ इन्हमेएकोनभयोबू
झिनतूझ्योनजयोताहितेत्रितापतयोलुनिअतबई॥ स्वांगु
सूधोसाधुकोकुचालितेअधिकपरलोकफिकीमतिलोकरंग
रई॥ बडेकुसमाजराजआजुलोजोपाएदीनमहाराजकेहूं
भांतिनामओठलई॥ रामनामकोप्रतापजानियतनीके
आपनोकोगतिदूसरीनविधिनीरमई॥ पीछीवेलायकक
रतवकोटिकोटिकदुरीतिवेलायकतुलसीकोनिलजई॥ २५३
॥ रामराखिएसरणराखिआएसबदिनाविदितत्रीलोक-
तिहुकालन॥ दयालदूजोआरतप्रणतपालकोहेप्रभुविन

॥लोलपालेपोषेतोपेन्ह्यालसी अभागीअधीनाथपै-
अनाथसोभएनउरिन ॥स्वामीरमरथ्यएसोहोतिन्होंगे-
जैसोतेसोकालचालिहोंरहोनिहएथनोधान ॥ गीगिरबी-
जीविहसीअनस्वहूतेएकवारतुलसीतृमेरोमेप्रभुकहिंत-
किन ॥जाहिमूलनीरमूलहोहिसकरवअनकूलमहाराजराम
रावरिसोतेहिछिन ॥२५४॥रामरावरोनाममेरोमातुपितुहै॥
सुजनसनेहीगुरुसाहीवसरवासुहृदरामनामप्रेमअविचल
वितुहै ॥सतकोटिचरितअपारदधिनिधिमथिल्पो ।योकादि
वामदेवनामघृतहै॥ नामकोभरोसोवलचारिहूफलकोफल
सुमिरीयैछाडिछलभलोकृतहै॥स्वारथसाधकपरमारथ
दायकनामरामनामसारिरवोनऔरहितहै॥तुलसीसुभा
यकहिसाचीपरैगीसहिसीतानाथकोनचितहै॥ २५५॥रा
मरावरोनामसाधुसुरतरुहै॥सुमिरेत्रिविधघामहरत-
पुरतसकलकामसुकृतसरसिजहुकोसरुहै ॥लाभहूको
लाभसुखसरवसुपतितपावनडरहुकोडरुहै ॥नीचेहूको
ऊचेहूकोरंकहूकोरायहूकासुलभसुखदआपनोसोघ
रुहै ॥वेदहूपुरानहूपुरारिहूपुकारिकहै॥ नामप्रेमचारि
फलहूकोफरुहै ॥ऐसेरामनामसोनप्रीतिनामप्रतीतिम
नमेरेजानजानिवोसोनरखरुहै॥नामसोनमातपितु-
मीतहितबंधुगुरुसाहिबसुसीलसुधाकरहूकोकरुहैना
मसोनिवाहनेहदीनकोदयालदेहुदासतुलसीकोवलीव
डोवरुहै ॥२५६॥ केहेविनरह्योनपरतकहेरामरसनर-

हत॥तुमसेस्रसाहेबकीवोटजाय़रवोटोरवरो कालकीकूरम
कीकुसासतिसहत ॥करतविचारसारपैयत्तनकहु कछुसक
लवडाइसवकहांतेलहत॥नाथकिमहिमासुनिसुसुफि-
आपनीओरहेरिहारिकेहहरिहृदयउदहत्त॥सखान-
ससेवकनसुनिअसप्रभुआपमायबापतुहिसांचोतुलसी
कहत॥मेरीतोथोरिहैस्रधरैगीविगरीयोबलिनामरामरा
वरिसारहिरावरिचहत॥२५७॥दीनबंधुदुरियोंकिएदी
नकोनदूसरोसरण॥आपकोभलोहेसब आपकेकोकोउ
कहूसबकोभलेहेंरामरावरेचरण॥ पाहनपसुपतंगकोल
भीलनिसिचरकांचत्तेकृपानिधानकिएस्रवरण॥दंडकपु
हमिपाइपरसिपुनितभइउकटेविटपलागेफूलनफरण॥प
तितपावननामवामहूहिनोदेवदुनिनदुसहदूखनदरण॥
सिलसिंधुतोसोऊचिनाचिजोकहतसोभाभलोतोसोतुही
तुलसीकोआरतहरण॥२५८॥जानिपहिचानिमैंविसारे
होकृपानिधानएतेमानदिटहोउलटोदेतखोरिहो॥करत
जतनजासोजोरिवेकोजोगिजनतासोक्योंहूजुरिसोअ
भागोवेटीतोरिहो॥ मोसोदोसकोसकोउभुवनकोसदूस
रोनआपनीसमूजीसुझीआयोटकटोरिहो॥गाडीकेस्वा
नकीनाइमायामोहकीवडाइछिनहिंतजछिनभजतवहो-
रिहे॥बडोसाईदोहीनवरावरिमोरिकोउनाथकीसपथकी
एकहतकरोरिहों॥ दूरीकीजेद्वारतेलवारलालचीप्रपंचीस
धासोसलिलसूकरिज्योंगहडोरिहोरा॥ खिझेनिकेस्रधा

रिनीज्वकेंडारियैमारिदुहूंओरकिधिनारिज्यानिनमीहौरि
हो॥तुलसीकहिहौंसाचीरेरवनारखांचीदीलकिएनामम
हिमाकीनावबोरिहो॥२५९॥रावरिसुधारिजोबिगारिरि
गरैगोमेरीकहाबलवेदकीनलोगकहाकहैगो॥प्रभुकोउ-
दासभाउजनकोपापप्रभावदुहूंभांतिदिनबंधदीनदुरवद
हैगो॥मैतोदियोछातिपविलिषौंलदबिसासतिसहतपर
वसकोनसहैगो॥बांकीबिरुदावलिबनैगोपालेहीकृपाल
अंतमेरोहालहेरियौनमनरहैगो॥करमोधरमोसासुसु
सेवकबिरतरतआपनीभलाईभलकहाकोनलहैगो॥तै
रेमुहफेरेमोसेकायरकपूतकुरलेटेलटपटेनिकोकोनपौरि
गहैगो॥कालपाइफिरतदसादयालसवहीकीतोहिंबिनमो
हिकबहूनकोऊचहैगो॥बचनकर्महिएकहौरामसांचकैए
तुलसीपैनाथकेनीबाहैगो॥२६०॥साहेबउदासभयदा-
सखासखोनहोनमेरीकहाचलीहौबजाइजाइरह्योहौ
॥लोकमेनठाऊपरलोककोभरोसोकौनहोतोबलिजाउ
रामनामहितेलह्योहौ॥कसुभावकालकामकोहलोभ
मोहग्रहअतोअकनगरीबगादेगह्योहो॥छोरिबेकोम-
हाराजबाधिबेकोकोटिभटपाहिप्रभुपाहितीहूतापपापद
ह्योहो॥रीभिबूभिसबाकेअनितेषीतिएहिहोरदूधकोज
रोपियतफूकिमह्योहौ॥रटनरटनलदोजातिपातिभांति
घटोजूटनकोलालचीचहौनतह्योनत्ह्योहौ॥अनतच-
ह्योनभलोसुपथसुचालिचलोनिकेजियजानिइहाभ

लोअनन्वत्योहो॥तुलसीससुझिसुझायोमनवारवारआ
पनोसोनाथहूंसोकहिनिरवत्योहों॥२६१॥मेरिनवनेवना
एमेरिकोटिकल्पलोरामरावरेवनाएवनेपलपाउमें॥निप
टसवानेहोकृपानिधानकहाकहोलिएवेरवलदिअमोल
मनिआउमेंमानसमलीनकरतवकलिमलपीनजीहहून
जपोनामवक्योंआउवाउमें॥कुपथकुचालचलोभयोनभू
लिहूभलोवालदसाहूनरवेल्योरवेलतसूदाउमें॥देखिदे-
खादंभतेकिसंगतेभईभलाईप्रगटिजनाइकियोदुरितदु
राउमें॥रोगरोरवदोरवपोरवेगोगनसमेतमनइन्हकिभक्ति
कीन्हीउन्हहिकोभाउमें॥आगिलिपाछिलिअवहूकोअ
नुमानहीतेबूझियतिगतिकछुकिन्हेतोनकाउमें॥जगक
हैरामकोप्रतीतप्रीतितुलसीहूझूदेसाचेआसरोहैसाहेव
रघुरावमें॥२६२॥कत्योनपरतविनकत्योनरत्योपरतवडो
दुखकहतवडेसावलिदीनता॥प्रभुकीवडाईवडीआपनि
छोटाइछोटोप्रभुकीपुनीततआपनीपापपिनता॥दूहुओ
रसमुझिसकुचीसहमतमनसनमुखहोतसुनिस्वामीस-
मीचीनता॥नाथगुनगाथगाएहाथजोरिमाथनाएनीच
उनीवहीप्रीतिरितिकीप्रविनता॥याहिदरवारहेगरवते
सरवसहानोलाभजोगक्षेमकोगरीविमिसकिनता॥मो
यदशकंदसोनदुवरोविभीषनसोबूझिपरिरावरेकीप्रेम
पराधीनताइंहाकीसयानपअयानपसससमप्रभुसति
भायकहेमोटतीमलिनता॥गीधसिलासवरिकीसुधी

सबदिनकीएहोइगोनसाईंसोसनेहहौतहोंननो।।सकु-
लकोभलोदेतनामतेरोकामतरुसो।सुमिरततौंनिकलिमलछ
लछिनतो।।करुनानिधानवरदानतुलसीन्हहूंनसीतापति
भक्तिसुरसरिमनमिनतो।।२६३।। नाथनिकैजानिबीठीकु-
जनजीयकी।।रावरोभरोसोनाहकैसुप्रेमनेमलियोरुचिनिरुअभ
गतिमतितीयपियकी।।दुःकृतसुकृतवससवहिसोसंगप
स्वोपरखिपराईगतिआपनेहुकीयकी।।मेरेभलेकोगोसा
ईपोचकोसोहोहूसकलकियकहोसोहसांचीसियपियकी।।
ज्ञानहूंगिराकेस्वामीवाहेरअंतरजामीइहांक्योंदुरैगीवात-
मुखकीन्योंहीयकि।।तुलसीतोहारोतुम्हहिपैतुलसीकेहित
राखिकैकहतेकछुहैंहैमारवीधीयकी।।२६४।।मेरोकह्यो
सुनिपुनीभावैतोहिकरिसो।।चारिहूविलोचनविलोकितू
त्रिलोकमहतेरातोहूकालकहूकोहैहूतुहरिसो।।नयनय
नेहुअनुभएदेहगेहवसपरखेमपंचीप्रेमपरतउघरिसो
।।सुहृदसमाजदगावाजीहोकोसौदासूतजबजाकेअ-
जतवमिलेपाईपरिसो।।विवुधसयानेपहिचानेकैथोनां
हिनीकेदेतएकगुणलेतकोटिगुणभरिसो।।करमधरम
श्रमफलरघुवरविनराखकोसोहोमहेउसरकोसोव-
रीसो।।आदिअंतविचभलोभलिकरैसबहिकोजाकोज
सलोकवेदरख्योहैवगारिसो।।सीतापतिसारिखोनसुसा
हेबसीलनिधानकैसेकलपरैसठवैठोसोविसारिसो।।-
जीवनप्राणप्राणकोपरमसुनितछूतनीचननिदरिसो

॥तुलसीतोकोकृपालकियोकोसलपालचीत्रकूटकोचरित्रचे
तुचिततधरिसो॥२६५॥तनसूचिमनसूचिमुखकहोजनहो
सियपिको॥केहिअभागजान्योनहिजोनहोइनाथसोनातो
नेहननीको॥जलचाहतपावकलहोबिखहोतअमिकोकु-
लिकुचालिसंतनिकहोसोइसहिमोहिकछुकहमननतरनित
मिको॥जानिअंधअंजनकहेवनबाधिनघीको॥सुनिउ-
पचारविकारकोसुविचारकरोजवतबवुद्धिबलहेरेहिको
॥प्रभुसोकहतसकुचातहोपरोजनिफिरफिको॥निकटबो-
लिबलीवरजोयेपरिहरेख्यालसिदासजडजीको॥२६६॥
ज्योंज्योंनिकटभयोचहोकृपालत्योंत्योंदूरिपस्योहो॥तु-
ह्मचहूजूगरसयकरामहोहुरावरोजद्यपिअघअवगुण
निभस्योहोविचपाईनीचवीचहूनलछुरनिचस्योहों॥हो
सुवरनकुवरनकियोनृपतेभिखारिकरिसुमतितेकुमति
कस्योहों॥अगनितगिरिकाननफिस्योबिनआगिजस्योहो
॥चित्रकूटगयेमेलखिकलिकीकुचालिसबअबअपडरनि
डस्योहो॥माथनाईनाथसोकहोकरजोरिखस्योहों॥चीन्हो
चोरजियमारिहेतुलसीकथासुनिप्रभुहिसोंकहिनिवस्यो
हो॥२६७॥प्रनकरिहोहठिआजतेहोरामद्वारपस्योहो॥
तूमेरोयहबिनकहेउठिहोनजन्मभरिप्रभुखिसोहकरिनि
बस्योहो॥देदेधकाजमगटथकेटास्योहो॥उदरदुसहसां
सतिसहिबहुबारजन्मिजगनरकनिदरीकस्योहो॥होमा
चललेछांडिहोजेहिलागिअस्योहो॥तुम्हदयालवनिहे

दियवलि विलंबनकीजे जातगलानिगस्योहो॥भगदकहत
जोसकुचोयेंअपराधभस्योहो॥तोमनमेंअपनाइयेतुल-
सीकृपाकरिकलिवलोकीहहस्योहो॥२६८॥तुम्हअपनायो
तवजानिहोजवमनफिरिपरिहे॥जेहिसुभाएविखयनिलु
ग्योतेहीसहजनाथसोनेहछांडिछलकरिहे॥सुतकोप्रीति
प्रतीतिमीतकीनृपज्योंडरडरिहे॥अपनोस्वारथस्वामी
सोचहुविधिचातकज्योंएकटेकतेनहिटरिहे॥हरखिहेन
अतिआदरेनिदरेनजारिमरिहे॥हानिलाभदुखसुख-
वेसमचितहितअनहितकलिकुचालिपरिहरिहे॥प्रभु
गुणसुनितनहरखिहेनीरनयनढरिहे॥तुलसीदासभ-
योरामकोविस्वासुप्रेमलखिआनंदउमगिउरभरिहे॥
॥२६९॥रामकवहुप्रियलागिहोजेसेनीरमीनको॥सुख
जीवनज्योंजीवकोमणिज्योंफणिकोहितज्योंधनलो-
भलिनको॥ज्योंसुभायप्रियलागतिनागरनविनको॥
त्योंमेरेमनलालसाकरिएकरुणाकरपावनप्रेमपीनको
॥मनसाकोदाताकहेस्रुतिप्रभुप्रविनको॥तुलसीदास
कोभावतोवलिजाउदयानिधिदिजेदानदिनको॥२७०
॥कवहुकृपाकरिरघुविरमोहिचितेहो॥भलेबुरेजन-
जानिदयानिधिओगुणअमितवितेहो॥जन्मजन्महो
मनजितोअवमोहिजितेहो॥होसनाथव्हेहोसहीतु-
महूअनाथपतिजोलघुतनमितेहो॥विनयकरोअप
भयहूतेतुम्हपरमहितेहो॥तुलसिदासकासोकहेतुम

हिसबमोरप्रभुगुरूमातुपितेहो॥२७१॥जैसेहौंतेसोहौंरा-
मरावरोजनजानिपरिहरियै॥कृपासिंधुकोसलधनिसर
नागतपालकढरनिआपनिढरियै॥हौंतौविगरायलऔर
कोविगरौनविगरियै॥तुमसुधारिआऐसदासबकिसव
हिविधिअवमेरियोसुधरियै॥जगहसिहैमेरेसंग्रहेकतएहि
डरडरियै॥कपिकेवलकीन्हेसखाजेहिसीलसरलचित
तेहिसुभायअनुसारियै॥अपराधितऊआपनोतुलसी-
नबिसारियै॥टूटियोबाहगरेपरैफूटेहूबिलोचनपीरहोततहीत
करियै॥२७२॥तुमजिनीमनमैलौंकरोलोचनजानिकेरो
॥सुनहुरामबिनरावरोलोकहुपरलोकहुकोउनकहुहित
मेरो॥अगुनअलायकआलसीजानिअधमअनेरो॥
स्वारथकेसाथीन्हतज्योतिजराकोसोगोटकुओचटउल
टिनहेरो॥भक्तिहीनवेदबाहिरोलखिकलिमलघेरो॥दे
वनिहूदेवपरिहस्यौअन्याउनतिन्हकोहौंअपराधिसब
केरो॥नामकीओटपेटभरतहौंपैकहावतचेरो॥जगविदि
तवातह्वैपरिसमुझियेधौंअपनपैलोककिवेदवडेरो॥
ह्वैहैजवतवतुमहितेतुलसिकोभलेरो॥दिनदिनहुदिन
विगरिहैवलिजाउविलंबकिएअपनाइऐसवेरो॥२७३
॥तुम्हतजिहौकासोकहौऔरकोहितमेरे॥दीनबंधुसे
वकसखाआरतअनाथपरसहजछोहकेहिकेरे॥बहू
तपतितभवनिधितरेविनतरिनीविनवेरे॥कृपाकोससत
तिभायहूधोखेहूतिरछेहुरामतिहारेहिहेरे॥जोचित

वनिरोधिलगोचितइयैसवैरेत॥तुलसीदासअपनाइयैकिजे नदीलअवजिवनअवधिनितनेरे॥२७४॥जाउकहांठौर हैकहादेवदुखितदीनको॥कोकृपालस्वामीसारिखोरारखेस रनागतसबअंगबलविहीनको॥गनिहैगुनिहैसाहेवल्हैं सेवासमीचीनको॥अधमअगुनआलसीकोपालिवोफ बोआयोरघुनायकनवीनको॥सुखकेकहाकहोविदितहैजि यकोप्रभुप्रवीनको॥तिहुकालतिहुलोकमेएकटेकरावरितु लसीसेमनमलिनको॥२७५॥द्वारद्वारदीनताकहेकाढिर दपरिपाहू॥हैदयालदूनिदशादिशादुखदोखदलनछमाकि योनसभाखनखाहू॥तनतजतकुटिलकीटज्योंमातुपिताहु ॥कहेकोदोषकाहीयोमेरोहोअभागमोसोसकुचतसबछु ईछोहू॥दूखितदेखिसंतनिकह्योसोचेजिनिमनमाहू॥तो सेपसुपावरपातकीपरिहेनसरनसरनगएरघुवरओर निवाहू॥तुलसीतिहारोभयोसुखीप्रीतिप्रतीतिविनाहू॥ नामकिमहिमासीलनामकोमेरोभलोविलोकिअवतसकु चाउसीहाहू॥२७६॥कहानकियोकहानहीगयोसीसका हीननायो॥रामरावरोविनभयजननजनमीजनमीजगदु खदशहुदिशिपायो॥आसविवसखासदासहैनिचप्रभु- नजनायो॥हाहाकरिदीनताकहिद्वारद्वारवारवारपरिन- छारसुहुवायो॥असनवसनविनवावरोजहांतहांउठिधा यो॥महिमामानुप्रियप्रानतेतजिखोलिखलनिआगे- खिनपेटखलायो॥नाथहाथकछुनाहिलग्योलालचल-

लचायो॥सांचकोनसोजोनमोहिलोभलघुनिलजनचाये
॥श्रवणनयनमनअगमलगेसबथलपतितायो॥मुंड
मारिहिएहारिकैहितहेरिफेरिअवचरणसरणतकिआ
यो॥ईशरथकेसमरथतुहित्रिभुवनजसगायो॥तुलसी
नमितअवलोकियेबालिबाहबोलदैबिरुदावलिबोलायो
॥२७७॥रामरायबिनरावरेमेरेकोहितसांचो॥स्वामीस
हितसबसोंकहोंसुनिगुनिबिसेखिकोउरेखदूसरिखो
चों॥देहजीवजोगकेसखामृखाटांचनटांचो॥कियबिचा
रसारकदलिज्योंमनिकनकसंगलघुलसतबिचबिचकां
चौ॥विनयपत्रिकादीनकिबापआपहिबांचोहिएहेरितु
लसीलिखोसोसुभायसहीकरिबहुरिपुछिएपांचो
॥२७८॥पवनसुवनरिपुदवनभरतलाललखनदीनकी
॥निजनिजअवसरसुधिकिएबलिजाउंदासआसपु
जिहैखासखीनकी॥राजद्वारभलिसबकहैसाधुसमी
चीनकी॥सुकृतसुजससाहिबकृपास्वारथपरमारथग-
तिभईगतिबिहीनकी॥समयसम्हारिसुधारिबीतुल-
सीमलीनकी॥प्रीतिरीतिसमुझाइबीपनतपालकृपाल
हिपरमितिपराधीनकी॥२७९॥मारुतमनरुचिभरत
कीलखिलखनकहिहै॥कलिकालहुनाथनामसोंप्रतीति
एककिंकरकिनिबहिहै॥सकलसभासुनिलैउठिजानि
रितिरहिहै॥कृपागरिबनिवाजकिदेखतगरिबकोसह
सावांहगहिहै॥बिहसिरामकह्योसत्यहैसुधिमोहूल-

हिहैं॥ मुदितमाथनावनवनितुलसीअनाथकोपरिरघु
नाथसहिहैं॥२९०॥ ॥इतिश्रीमद्गोसाईतुलसीदासकृ
तविनैपत्रिकासंपूर्णमगमत्॥ ॥बालिकांडप्रभुपा
यअजोध्याकहिमनमोहै॥उदरबल्याअरन्यहृदयकि
किंधासोहैं॥सुंदरग्रीवसुखारविदलंकाकहिगाए॥जेहि
मोरावनआदिनिशाचरसवैशमाए॥उत्तरमस्तककां
डहरिएहिविधितुलसीदासमन॥आदिअंतलौदेखि
एरामायणश्रीरामतन॥१॥ ॥ ॥ ॥

मुंबईत. बापुहरशेट देवळेकर याणि आपले छापखान्यात
छापिली. शाके १७८१ सिद्धार्थीनामसंवत्सरे मिति आश्विन
शुद्ध १ भौमवासरे समास. श्रीरामचंद्रार्पणमस्तु शुभंभवतु